THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 102 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.14 2081 गुरुवार, 4 जुलाई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'मैं पहले ही निकल गया था, असामाजिक तत्वों ने मचाई भगदड़...'

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई. वहीं कई लोग अब भी घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं. इस बीच पहली बार घटना को लेकर भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि का बयान सामने आया है. भोले बाबा ने बयान जारी करते हुए घटना को लेकर दुख व्यक्त किया है और दावा किया कि असामाजिक तत्वों द्वारा भगदड़ मचाई गई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा ने अपने वकील के जरिए बयान जारी करते हुए कहा कि हम मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और परमात्मा से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

मणिपुर को भड़काने वाले अपनी हरकतें छोड़ें : मोदी

> पेपरलीक पर विपक्ष को घेरा > युवाओं को किया आश्वस्त

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा में बुधवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर के हालात, नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि हमने पिछले पांच साल में जितना काम किया है, उतना काम करना होता तो कांग्रेस को 20 साल लग जाते। पूर्वोत्तर में स्थायी शांति के लिए 10 साल निरंतर प्रयास किए गए हैं। बिना रुके, बिना थके प्रयास किए गए हैं।

उसकी चर्चा देश में कम हुई है, लेकिन परिणाम व्यापक रहे हैं। उन्होंने पेपरलीक पर कहा कि हम चाहते थे कि पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति न हो, लेकिन विपक्ष को इसकी आदत है। मैं भारत के युवाओं को आश्वस्त करता हूं कि नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा मिले, इसके लिए एक्शन लिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच सीमा विवाद संघर्षों को जन्म देता रहा है और आजादी के बाद से ये निरंतर चलता रहा है। हम राज्यों के साथ इसे हल करते जा रहे हैं। ये नॉर्थईस्ट की बहुत बड़ी सेवा है। हिंसा से जुड़े संगठन, जो हथियारबंद गिरोह थे जो लड़ाई लड़ते रहते थे, आज उनको साथ लेकर स्थायी समझौते हो रहे हैं। जिनके खिलाफ गंभीर मामले हैं, वे अदालत में जाने के लिए तैयार हो रहे हैं। न्यायतंत्र में भरोसा बढ़ना महत्वपूर्ण बात है।

मणिपुर पर क्या बोले पीएम मोदी?

पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर की स्थिति सामान्य करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। वहां जो घटनाएं घटीं, 11 हजार से ज्यादा एफआईआर की गईं हैं, 500 से ज्यादा लोग अरेस्ट हुए हैं। इस बात को भी हमें स्वीकार करना होगा कि मणिपुर में लगातार हिंसा की घटनाएं कम होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर में भी स्कूल-कॉलेज संस्थान खुले हुए हैं। जैसे देश में परीक्षाएं हुईं, वहां भी परीक्षाएं हुई हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकार सभी से बातचीत करके सौहार्द का रास्ता खोलने की कोशिश कर रही है। छोटे-छोटे ग्रुपों से बात की जा रही है। गृहमंत्री वहां जाकर कई दिन रहे हैं। अधिकारी भी लगातार जा रहे हैं। समस्या के समाधान के लिए हर प्रकार से प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि जो भी तत्व मणिपुर की आग में घी डालने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें आगाह करना चाहता हूं कि ये हरकतें बंद करें। एक समय आएगा जब मणिपुर ही रिजेक्ट करेगा उन लोगों को। जो लोग मणिपुर को, मणिपुर के इतिहास को जानते हैं, वो जानते हैं कि वहां सामाजिक संघर्ष का लंबा इतिहास रहा है। इस संघर्ष की मानसिकता की जड़ें बहुत गहरी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लोग ये ना भूलें कि इन्हीं हालातों की वजह से इस छोटे से राज्य में 10 बार राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा है। ये हमारे कार्यकाल में नहीं हुआ है। कुछ तो वजह होगी, लेकिन फिर भी राजनीतिक फायदा उठाने के लिए वहां हरकतें हो रही हैं। हमें समझदारी के साथ स्थितियों को ठीक करने के लिए प्रयास करना है। जो भी इसमें सहयोग देना चाहें, हम सबका साथ लेने को तैयार हैं, लेकिन हम सामान्य स्थिति को बरकरार रखने और शांति लाने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं।

पेपरलीक पर कही यह बात

उन्होंने पेपरलीक पर कहा कि हम चाहते थे कि पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति न हो, लेकिन विपक्ष को इसकी आदत है। मैं भारत के युवाओं को आश्वस्त करता हूं कि नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा मिले, इसके लिए एक्शन लिए जा रहे हैं।

कांग्रेस कार्यालय के बाहर पथराव की राहुल ने की निंदा

बोले-बीजेपी हिंदुत्व के सिद्धांतों को नहीं समझती

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं पर किए गए टिप्पणी के बाद गुजरात में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हंगामा हुआ। अहमदाबाद में कांग्रेस पार्टी कार्यालय के बाहर दोनों गुटों के बीच पथराव भी हुआ। पार्टी कार्यालय के बाहर हुए हिंसा पर राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हिंसा और नफरत फैलाने वाले भाजपा के लोग कभी भी हिंदुत्व के सिद्धांतों को नहीं समझते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण हमला बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा, गुजरात कांग्रेस कार्यालय पर कायरतापूर्ण और हिंसक हमला भाजपा और संघ परिवार के बारे में मेरी बात को और मजबूत करता है। हिंसा और नफरत फैलाने वाले भाजपा के लोग हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों को कभी नहीं समझते हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आगे कहा, गुजरात की जनता उनके झूठ को स्पष्ट रूप से समझती है। वह भाजपा सरकार को सबक सिखाएगी। मैं यह फिर से बोल रहा हूं, इंडी गटबंधन गुजरात में जीतेगी।

भाषण के दौरान विपक्ष का राज्यसभा से वॉकआउट

पीएम मोदी बोले-जवाब सुनने की हिम्मत नहीं

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी गइबंधन 'इंडिया' के घटक दलों ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के दौरान राज्यसभा से वॉकआउट किया। उनकी मांग थी कि प्रधानमंत्री के संबोधन के बीच विपक्ष के नेता को हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जाए।

दरअसल, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मोदी के जवाब के दौरान हस्तक्षेप करना चाहते थे। हालांकि, सभापति जगदीप धनखड़ ने इसे खारिज कर दिया। इसके बाद इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने नारेबाजी की और विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति देने की मांग की। पीएम मोदी ने नारेबाजी के बीच अपना भाषण जारी रखा। यह कुछ समय तक चलता रहा और खरगे बार-बार बोलने की अनुमति देने की गुहार लगाते रहे। जब अनुमति मिली, तो इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। धनखड़ ने उनके वॉकआउट की निंदा करते हुए कहा कि यह संविधान का अपमान है। मोदी ने भी वॉकआउट की निंदा की और कहा कि वह कोई अंक हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपनी सरकार के प्रदर्शन का लेखा-जोखा देने के लिए बाध्य हैं।

राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैंने उनसे आग्रह किया कि विपक्ष के नेता को बिना किसी व्यवधान के बोलने के लिए पर्याप्त समय दिया गया तो पीएम को भी ध्यान से सुना जाए। पर, आज उन्होंने सदन को पीछे नहीं छोड़ा, उन्होंने गरिमा को पीछे छोड़ा है। आज उन्होंने मुझे पीठ नहीं दिखाई, उन्होंने भारत के संविधान को पीठ दिखाई है। उन्होंने मेरा या आपका अपमान नहीं किया, उन्होंने संविधान की शपथ का अपमान किया है।

हाथरस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका

> जांच के लिए विशेष पैनल गठित करने की मांग

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस भगदड़ मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर कर मांग की गई है कि मामले की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति नियुक्त की जाए।

124 लोगों की मौत

गौरतलब है, उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को सत्संग में मची भगदड़ में 124 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। सत्संग का आयोजन 'भोले बाबा' उर्फ बाबा नारायण हरि के संगठन ने किया था। मरने वालों में सात बच्चे और 100 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। दर्दनाक हादसे के बाद सत्संग स्थल श्मशान घाट जैसा बन गया था।

यह की मांग : सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा वकील विशाल तिवारी ने खटखटाया है। उन्होंने शीर्ष अदालत से यह भी अनुरोध किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार को दो जुलाई की घटना पर स्थिति रिपोर्ट पेश करने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों तथा अन्य के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दें। याचिका में भगदड़ की घटनाओं से निपटने के लिए सभी राज्य सरकारों को ब्लॉक/तहसील से उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति जिला स्तर पर देने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है।

झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन ने दिया इस्तीफा

हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का पेश किया दावा

राज्यपाल को सौंपा विधायकों का समर्थन पत्र

रांची, 3 जुलाई (एजेंसियां)। विधायक दल की बैठक के बाद अब एक बार फिर से हेमंत सोरेन प्रदेश की बागडोर संभालने के लिए तैयार हैं। बता दें कि चंपई सोरेन ने राजभवन पहुंच अपना इस्तीफा दे दिया है। इसी समय उनके साथ मौजुद हेमंत सोरने ने नई सरकार बनाने का दावा राज्यपाल के समक्ष पेश किया। बता दें कि छह दिन पहले जेल से बाहर आए थे। झारखंड के सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों और प्रमुख नेताओं की बैठक में इस पर सहमति बनने की खबर आ रही थी। तय हुआ था कि मौजूदा सीएम चंपई सोरेन पद से इस्तीफा देंगे और उनकी जगह हेमंत सोरेन शपथ लेंगे।

झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन के कांके रोड स्थित आवास पर गठबंधन के विधायकों की दोपहर 12 बजे से चल रही बैठक अब भी जारी है। सभी विधायक और नेता अब भी हेमंत सोरेन के आवास के अंदर ही हैं। बताया जा रहा है कि बैठक में सीएम चंपई सोरेन ने खुद पद छोड़ने और हेमंत सोरेन को नेता चुने जाने का प्रस्ताव रखा और इस पर तमाम विधायकों ने सहमति जाहिर की। बैठक में कांग्रेस पार्टी के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर और गठबंधन की तीनों पार्टियों के प्रमुख नेता उपस्थित हैं।

जमानत के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे केजरीवाल

कल होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। शराब नीति घोटाले में सीबीआई की तरफ से दर्ज कराए गए भ्रष्टाचार मामले में जमानत के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। कोर्ट इस पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा। सीबीआई ने केजरीवाल को 26 जुलाई को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। केजरीवाल शराब नीति से जुड़े ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले से ही तिहाड़ में बंद थे।वहीं केजरीवाल ने सीबीआई केस में अपनी गिरफ्तारी और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के फैसले को भी हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इस मामले में जस्टिस नीना बंसल ने मंगलवार (2 जुलाई) को सुनवाई की और सीबीआई को नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी।

सिसोदिया और के कविता को फिर झटका

कोर्ट ने दोनों की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ाई

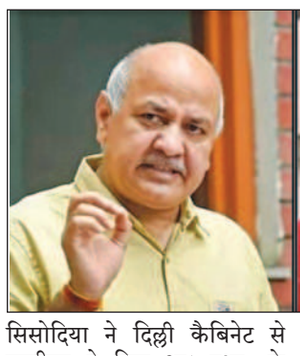

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। आबकारी नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज ऐवन्यू कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने दोनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ाई। आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया और के कविता की न्यायिक हिरासत खत्म हो गई थी, जिसके बाद उन्हें पेश किया गया है।

मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल में बंद हैं। सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। वहीं, ईडी ने 9 मार्च 2023 को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। 28 फरवरी 2023 को सिसोदिया ने दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। उधर, के कविता को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 15 मार्च को उन्हें हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था।

क्या है कथित शराब नीति घोटाला?

कोरोना काल के बीच दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने 'दिल्ली आबकारी नीति 2021-22' लागू की थी। इस शराब नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितता की शिकायतें आईं जिसके बाद उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच की सिफारिश की। इसके साथ ही दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 सवालों के घेरे में आ गई। हालांकि, नई शराब नीति को बाद में इसे बनाने और इसके कार्यान्वयन में अनियमितताओं के आरोपों के बीच रद्द कर दिया गया था।

जांच कैसी शुरू हुई?

सीबीआई ने अगस्त 2022 में इस मामले में 15 आरोपियों के खिलाफ नियमों के कथित उल्लंघन और नई शराब नीति में प्रक्रियागत गड़बड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज की। बाद में सीबीआई द्वारा दर्ज मामले के संबंध में ईडी ने पीएमएलए के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच शुरू कर दी। ईडी और सीबीआई दिल्ली सरकार की नई शराब नीति में कथित घोटाले की अलग-अलग जांच कर रही हैं। ईडी नीति को बनाने और लागू करने में धन शोधन के आरोपों की जांच कर रही है। वहीं, सीबीआई की जांच नीति बनाते समय हुई कथित अनियमितताओं पर केंद्रित है।

पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा

हैदराबाद में फ्लैट से मास्टर माइंड ढाका और बेनीवाल गिरफ्तार

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने पेपर लीक मामलों में बड़ा खुलासा किया है। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 समेत कई महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक कांड के तीन मास्टरमाइंड ओमप्रकाश ढाका, सुनील बेनीवाल और सरकारी टीचर शम्मी बिश्नोई को हिरासत में लिया गया है।

जोधपुर की साइक्लोन टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ढाका और बेनीवाल को हैदराबाद के एक फ्लैट से पकड़ा। गैस सप्लाई देने के बहाने पुलिस टीम ने फ्लैट में घुसकर इन्हें धर दबोचा। वहीं, शम्मी को बरसाना में देवी-देवताओं के शहर से पकड़ा गया, जहां वह फरारी काट रही थी। जोधपुर आईजी विकास कुमार के मुताबिक टीम दो महीने से इन आरोपियों का पीछा कर रही थी। सटीक जानकारी के आधार पर टीम ने हैदराबाद के फ्लैट में रैकी की और अंततः सफलतापूर्वक इन्हें गिरफ्तार कर लिया। ढाका पर 75 हजार, शम्मी पर 70 हजार और बेनीवाल पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। ओमप्रकाश ढाका, जो जगदीश विश्नोई की पेपर लीक गैंग का हैंडलर है, ने कई पेपर लीक घटनाओं को अंजाम दिया है।

शम्मी बिश्नोई ने परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बैठाने का काम किया और स्वयं भी कई परीक्षाओं में डमी बनकर बैठी। सुनील बेनीवाल भी इसी गैंग का हिस्सा है, जो डमी कैंडिडेट्स की व्यवस्था करता था। एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि गिरोह न केवल पेपर लीक करता था, बल्कि सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को फर्जी डिग्री भी दिलाता था। 2022 की पीटीआई भर्ती परीक्षा में 88 कैंडिडेट्स को फर्जी डिग्री दिलाने का खुलासा हुआ है। एसओजी ने 38 एफआईआर दर्ज की हैं, जिनमें 28 मामले डमी कैंडिडेट्स और बाकी फर्जी डिग्री और पेपर लीक से संबंधित हैं। ढाका, बेनीवाल और शम्मी की गिरफ्तारी से पेपर लीक माफिया को करारा झटका लगा है। पुलिस की सख्त कार्रवाई से इस गिरोह के अन्य सदस्य भी जल्द ही कानून के शिकंजे में होंगे। यह गिरफ्तारी पुलिस के अद्वितीय समर्पण और योजनाबद्ध कार्यवाही का नतीजा है, जिससे राजस्थान की प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और विश्वास की बहाली होगी। सरकारी टीचर होते हुए भी शम्मी नकल गिरोह में शामिल थी। टीएसपी एरिया में बड़ी संख्या में डमी कैंडिडेट बैठे हैं।

डमी कैंडिडेट परीक्षा में बैठाने वाली गैंग राजस्थान में सक्रीय है। ओपी ढाका के छम्मी विश्नोई के खिलाफ पूर्व में मुकदमे दर्ज हो रखे है। बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, सिरोही सहित अन्य जगह गड़बड़ी मिली है. बांसवाड़ा टीम ने बहुत बेहतरीन काम किया है। 2022 में जो पीटीआई की परीक्षा हुई उसमे 1336 लोगों ने ओपीजेएस डिग्री का बताया था।

उसमे से 86 लोगों की नौकरी भी लग गई। अब तक 92 सरकारी लोगों की भूमिका पाई गई है। जिसके बारे में विभाग को बता दिया गया है। इन में से काफी लोगों को हमने गिरफ्तार कर लिया हैं. ओमप्रकाश ढाका की मां सांचौर इलाके में प्रधान है।

इस बार जगन्नाथ रथयात्रा 2 दिन की

भुवनेश्वर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इस साल पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथयात्रा दो दिन चलेगी। जगन्नाथ मंदिर का पंचांग बनाने वाले ज्योतिषी का कहना है कि इस साल आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष में तिथियां घट गई। जिसके चलते रथयात्रा से पहले होने वाली पूजा परंपराएं 7 जुलाई की शाम तक चलेंगी। रथयात्रा की तिथि में बदलाव नहीं किया जा सकता, इसलिए सुबह शुरू होने वाली रथयात्रा शाम को शुरू होगी। इससे पहले 1971 में भी ऐसा ही हुआ था।

ज्योतिषी डॉ. ज्योति प्रसाद का कहना है, 7 जुलाई को दिनभर पूजा परंपराएं चलेंगी और शाम को 4 बजे के आसपास रथयात्रा शुरू होने की संभावना है। सूर्यास्त के बाद रथ नहीं हांके जाते हैं, इसलिए रथ रास्ते में ही रोके दिए जाएंगे। 8 को सुबह जल्दी रथ चलना शुरू होंगे और इसी दिन गुंडिचा मंदिर पहुंच जाएंगे। हर साल जेठ महीने की पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ को स्नान करवाया जाता है।

जीका वायरस को लेकर अलर्ट

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों के लिए जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में जीका वायरस के कई मामले सामने आने के बाद केंद्र सरकार अलर्ट हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जीका वायरस को लेकर सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी के तहत सभी राज्यों को निगरानी बढ़ाने और गर्भवती महिलाओं में जीका वायरस के संक्रमण के खतरे को देखते हुए स्क्रीनिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

पुणे में बीते कुछ दिनों में जीका वायरस के छह मामले सामने आए

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के पुणे में बीते 11 दिनों में जीका वायरस के छह मामले सामने आ चुके हैं। एक जुलाई को दो गर्भवती महिलाओं में जीका वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। यही वजह है कि केंद्र सरकार इसे लेकर सतर्कता बरत रही है। सरकार ने जीका वायरस से संक्रमित महिलाओं के भ्रूण की लगातार निगरानी करने का भी निर्देश दिया है। अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधाओं को मच्छरों से मुक्त रखने के लिए नोडल अफसर नियुक्त करने के साथ ही रिहायशी इलाकों, स्कूलों, निर्माणाधीन स्थलों और विभिन्न संस्थानों को भी मच्छरों से मुक्त रखने को कहा गया है। जीका वायरस संक्रमण भी डेंगू और चिकनगुनिया की तरह एडीज मच्छर जनित बीमारी है। स बीमारी से संक्रमित ज्यादातर लोगों को पता नहीं चलता है कि वे जीका वायरस से संक्रमित हैं। असल में जीका वायरस के लक्षण बहुत हल्के होते हैं। इस बीमारी से संक्रमित गर्भवती महिलाओं को होने वाले बच्चों का मस्तिष्क पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाता और उनके सिर का आकार सामान्य से कम होता है। इस वजह से जीका वायरस संक्रमण चिंता का विषय बना हुआ है। भारत में साल 2016 में जीका वायरस के संक्रमण का पहला मामला दर्ज किया गया था। उसके बाद से तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और कर्नाटक में भी इसके संक्रमण के मामले सामने आ चुके हैं। 2 जुलाई तक महाराष्ट्र के पुणे में जीका वायरस के छह मामले सामने आ चुके हैं।

क्या हैं जीका वायरस संक्रमण के लक्षण

जीका वायरस के संक्रमण से पीड़ित लोगों में सिरदर्द, बुखार, जोड़ों में दर्द, त्वचा पर दाने और लाल चकते, आंखों के सफेद भाग में लालिमा और मांसपेशियों में दर्द की शिकायत जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। जीका वायरस का नाम युगांडा के जीका जंगलों के नाम पर पड़ा है। साल 1947 में पहली बार यहीं पर इस बीमारी के लक्षण मिले थे, जिसके बाद यहां पाए जाने वाले बंदरों को आइसोलेट किया गया था। इसके पांच साल बाद युगांडा और तंजानिया के इंसानों में इस वायरस का संक्रमण पाया गया था।

क्या छिंदवाड़ा में हार का बदला ले पाएंगे कमलनाथ? अमरवाड़ा उप चुनाव के लिए बनाई रणनीति

भोपाल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने गढ़ छिंदवाड़ा में अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव की कमान संभाल ली है। पूर्व सीएम कमलनाथ विधानसभा सत्र की कार्रवाई के बाद सीधे अमरवाड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने आंचलकुंड दादा दरबार में माथा टेका, जिसके बाद आमसभा को संबोधित किया। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि अमरवाड़ा की जनता के साथ धोखा हुआ है, जनता सबक सिखाएगी। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एक और दो जुलाई को विधानसभा सत्र की कार्यवाही में शामिल होने के बाद 2 जून को ही छिंदवाड़ा के लिए रवाना हो गए। पूर्व सीएम कमलनाथ चार जुलाई तक आंचलकुंड, हर्रई, बटकाखापा, अमरवाड़ा और छिंदी में चुनावी सभाओं में शामिल होंगे। इसके बाद पांच जुलाई को फिर विधानसभा की कार्यवाही में शामिल होंगे। हर्रई की जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि यह अमरवाड़ा के नागरिकों के साथ धोखा है। इस धोखे का बदला लेने के लिए प्रत्येक नागरिक तैयार रहे।

आने वाली 10 जुलाई को इस धोखे का सबक सिखाना है। कमलनाथ ने आंचलकुंड वाले महाराज के साथ अपने संबंध तथा अपने द्वारा कराए गए विकास कार्यों का भी जिक्र किया। बता दें छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा सीट से कांग्रेस विधायक रहे कमलेश शाह ने कांग्रेस को छोड़कर बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली थी, इसके बाद उन्होंने विधायकी पदी से भी इस्तीफा दे दिया था। अब अमरवाड़ा सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं, जिसके लिए 10 जुलाई को मतदान होगा, जबकि 13 जुलाई को परिणाम आएंगे।

आम आदमी को वह सुविधा क्यों न मिले जो सिर्फ वीवीआईपी को मिलती है

मुंबई हाई कोर्ट ने क्यों पूछा ये सवाल?

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि अनधिकृत रेहड़ी पटरी वालों ने शहर की हर सड़क पर कब्जा कर लिया है और पैदल चलने वालों के लिए कोई जगह नहीं बची है। कोर्ट ने सवाल किया कि आम नागरिकों को वह सुविधा क्यों नहीं मिलनी चाहिए जो केवल 'वीवीआईपी' को मिलती है। जस्टिस एम। एस। सोनक और जस्टिस कमल खता की बेंच ने 25 जून को एक आदेश में कहा कि यह समस्या 'खतरनाक स्थिति' तक पहुंच गई है और सरकार एवं नगर निकाय के अधिकारी इससे निपटने के लिए समय नहीं निकाल पा रहे। अदालत के आदेश की प्रति मंगलवार को उपलब्ध कराई गई।

'फुटपाथ पर चलने के लिए जगह नहीं बची'

हाई कोर्ट ने मुंबई में अवैध एवं अनधिकृत रेहड़ी पटरी वालों और विक्रेताओं के कारण होने वाली समस्याओं पर पिछले वर्ष स्वतः संज्ञान लिया था और इस याचिका पर सुनवाई शुरू की थी। जजों ने कहा कि कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को कई निर्देश जारी किए, लेकिन उनके कार्यान्वयन की गति धीमी बनी हुई है। कोर्ट ने कहा, 'रेहड़ी पटरी वालों और सड़क पर सामान बेचने वालों ने सड़कों और गलियों पर वास्तव में कब्जा कर लिया है। लोगों के पास फुटपाथ पर चलने के लिए कोई जगह नहीं बची है।'

अतिक्रमण विरोधी अभियान भी बेअसरः कोर्ट

अदालत ने कहा, 'जनता सहनशील हो गई है या नगर निकाय अधिकारियों से शिकायत कर-करके शायद अब तंग आ चुकी है, लेकिन इससे इस समस्या की गंभीरता या उनकी समस्या कम नहीं होती। जनता को इस असहनीय स्थिति को सहन करने और अंतहीन समय तक इंतजार करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।' कोर्ट ने कहा कि जब भी नगर निगम अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाता है, तो रेहड़ी पटरी वाले और अन्य विक्रेता कुछ ही मिनट बाद लौट आते हैं।

'वीवीआईपी के दौरे के दौरान साफ हो जाती हैं सड़कें'

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि जब कोई वीवीआईपी शहर का दौरा करता है तो सभी सड़कें और फुटपाथ साफ कर दिए जाते हैं और कभी-कभी गड्ढे भी भर दिए जाते हैं। कोर्ट ने कहा, 'क्या कानून का पालन करने वाले वे नागरिक भी इसी तरह के व्यवहार के हकदार नहीं हैं जिनके पैसे से ये वीवीआईपी काम करते हैं?' अदालत ने बीएमसी, पुलिस और राज्य सरकार से हलफनामा दाखिल कर यह बताने को कहा कि उन्होंने अवैध रेहड़ी पटरी वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की है।

बीबी जागीर कौर को हाईकोर्ट से झटका

भूमि पर अतिक्रमण मामले में विजिलेंस को एफआईआर का आदेश

चंडीगढ़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। नगर पंचायत बेगोवाल की 172 कनाल 15 मरला भूमि पर अवैध अतिक्रमण के मामले में वरिष्ठ अकाली नेता बीबी जागीर कौर को बड़ा झटका देते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने विजिलेंस ब्यूरो को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। साथ ही इस मामले में अधिकारियों पर आपराधिक व विभागीय स्तर पर कार्रवाई कर 6 माह में रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। याचिका दाखिल करते हुए जॉर्ज सुभ ने हाईकोर्ट को बताया था कि नगर पंचायत की 172 कनाल 15 मरला भूमि पर स्कूल व कॉलेज बनाकर कब्जा किया गया है। इस मामले में याची ने जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने इस मामले में विजिलेंस ब्यूरो को प्राथमिक जांच का आदेश दिया था। विजिलेंस ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट में भूमि पर एसपीएस एजुकेशनल सोसायटी का अवैध कब्जा माना था और बताया था कि इससे सरकार को 5।91 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। इस रिपोर्ट को आधार बनाते हुए अब हाईकोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए नगर पंचायत बेगोवाल के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर को आदेश दिया है कि राजस्व नुकसान की वसूली की प्रक्रिया आरंभ की जाए। इसके साथ ही भूमि का कब्जा वापस लेने के लिए भी कानून के अनुरूप कदम उठाए जाएं। अपने आदेश में हाईकोर्ट ने अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह भूमि अधिसूचित क्षेत्र समिति के आधीन आती है जो 1993 में बनी थी। तब से लेकर अभी तक कब्जा धारकों को केवल 1 नोटिस दिया गया है। जिन लोगों को अधिकार नहीं था वो कब्जा करके बैठे थे और अधिकारियों ने आंखें मूंद ली थी। ऐसा प्रतीत होता है कि सोसायटी के प्रबंधन और अधिकारियों का मुनाफे में बटवारा होता था। हाईकोर्ट ने अब विजिलेंस ब्यूरो को इस मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

अजित पवार की बैठक में शामिल हुए नवाब मलिक

बीजेपी और शिवसेना ने जताया ऐतराज, मांगी सफाई

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अब एक बार फिर से राजनीति शुरू हो गई है। इस बार राजनीति नवाब मलिक को लेकर शुरू हुई है। दरअसल अजित पवार ने अपने आवास पर एक बैठक आयोजित की थी जिसमें नवाब मलिक भी शामिल हुए। अब उस बैठक में नवाब मलिक के शामिल होने के बाद से ही राजनीति शुरू हो गई है। एक तरफ जहां अजीत पवार के साथ दल भाजपा और शिवसेना इसपर ऐतराज जता रहे हैं तो वहीं विपक्षी दल के नेता निशाना साध रहे हैं। आइए आपको विस्तार से बताते हैं कि किस पार्टी के नेता ने क्या बयान दिया है।

भाजपा नेता ने कही ये बात

भाजपा नेता सुधीर मुगंटीवार ने कहा कि, 'देवेंद्र फडणवीस ने पहले ही एक पत्र लिखकर यह कहा था कि जिस पर गंभीर आरोप है, उसे अपने साथ मत लाइए।' उन्होंने आगे कहा कि नवाब मलिक को बैठक में बुलाया गया था या फिर वे खुद शामिल हुए, इसका आधिकारिक

जानकारी नहीं है। मगर देवेंद्र फडणवीस एनसीपी से जानकारी ली जाएगी।

शिवसेना के नेता ने भी जताया विरोध

नवाब मलिक के बैठक में शामिल होने पर एनसीपी के नेता मनिषा कायंदे ने कहा कि वे नवाब मलिक का विरोध कर रहे हैं। उनपर यानी नवाब मलिक पर देशद्रोह का आरोप है और उनका विरोध कायम रहेगा। इस मुद्दे को लेकर अजित पवार को सफाई देनी चाहिए।

कांग्रेस ने लगाया आरोप

बैठक में नवाब मलिक के शामिल होने की बात को कांग्रेस ने विधान परिषद चुनाव से जोड़ दिया। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वड्डेटीवार ने कहा कि, नवाब मलिक एनसीपी की बैठक में दिखाई दिए और अब देवेंद्र फडणवीस को यह स्पष्ट करना होगा कि नवाब मिलक महायुति में शामिल हैं या फिर नहीं हैं क्योंकि नवाब मलिक पर गंभीर आरोप भाजपा ने ही लगाया था। उन्होंने आगे कहा कि विधान परिषद चुनाव के लिए अजित पवार को नवाब मलिक का वोट चाहिए और शायद इसलिए ही उन्हें बैठक में बुलाया था।

एनसीपी (एसपी) के नेता ने क्या कहा?

इस मामले पर एनसीपी (एसपी) के नेता जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि, इससे हमारा क्या लेना देना कि बैठक में कौन जा रहा है। वे हमारी बैठक में नहीं आए थे। अब यह स्पष्ट हो गया है कि वो जिसके बैठक में थे, उनके साथ हैं। हम उनके घर वापसी की बात क्यों करें।

अजित पवार ने सफाई में क्या कहा?

इस मामले में अजित पवार से सवाल पूछा कि 'नवाब मलिक बैठक में आए थे तो क्या वो आपके साथ जुड़ गए?' इस सवाल पर अजित पवार ने कुछ ज्यादा तो नहीं बोला। उन्होंने कहा 'आपको तकलीफ हो रही है क्या?' खैर अब देखना होगा कि इस मामले में आगे क्या होता है और भाजपा और शिवसेना क्या करती है।

रईसजादे की शराबखोरी का शिकार हुआ पूरा परिवार न्याय की आस लगाए दर दर भटक रहे परिजन

सागर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। घटना का शिकार हुए 4 में से 3 लोग एक ही परिवार के सदस्य थे, जिनमें एक नाबालिग बच्ची भी शामिल थी। गौरतलब है कि घटनास्थल पर प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा लिए गए फोटो वीडियो में स्पष्ट तौर पर आरोपी अमन बिड़ला की गाड़ी में शराब की कुछ बोतलें स्पष्ट दिखाई दे रही हैं, फिर भी घटना के बाद से ही आरोपी के प्रति पुलिस का रवैया बेहद नरम दिखाई दे रहा है। आज इस घटना को लगभग 13 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक आरोपी पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस हादसे के बाद मृतकों के परिजनों ने नरयावली थाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इनका कहना है कि यह हादसा कारित करने वाला अमन बिड़ला नाम का युवक एक रईस परिवार का सदस्य है जो आदतन नशेबाज है। हादसे वाले दिन भी वह शराब के नशे में धुत था, लेकिन पुलिस ने युवक को वीआईपी ट्रीटमेंट दिया।

धर्म के नाम पर धंधा जारी, हाथरस हादसे पर बोले संजय सिंह, राउत ने कहा- ऐसे 'सत्संग' पर किसी का वश नहीं

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के प्रवचन के दौरान मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई। इस सत्संग में हुई भगदड़ के दौरान मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं। ज्यादातर शवों की पहचान हो चुकी है।

हादसे पर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि पूरे देश में अनियंत्रित बाबा बाजार चल रहा है। धर्म के नाम पर धंधा जारी है। इन बाबाओं की पृष्ठभूमि क्या है? कौन जांच करेगा? कुछ दिनों तक शोक संवेदना व्यक्त की जाएगी फिर सब कुछ भुला दिया जाएगा, क्योंकि हमारे देश में इंसान की जिंदगी की कीमत 2 लाख रुपये का चेक है।

सत्संग आयोजनों की जिम्मेदारी कौन लेगा?

वहीं, इस हादसे पर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने कहा, यह बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। देश में ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। कुछ साल पहले नवी मुंबई में एक 'सत्संग' का आयोजन किया गया था और भगदड़ मच गई, जिसमें 50 से अधिक लोग मारे गए। ऐसे 'सत्संग' पर किसी का वश नहीं, ये 'बाबा' और 'महाराज' लोगों को बुलाते हैं और प्रशासन असहाय है। एक कानून बनना चाहिए। इस तरह के 'सत्संग' आयोजनों की जिम्मेदारी कौन लेगा? इन आयोजनों में गरीब लोग शामिल होते हैं।

हादसे के बाद सत्संग वाले 'भोले बाबा' फरार

सत्संग वाले 'भोले बाबा' हादसे के बाद से ही फरार हैं। ज्यादातर अनुयायियों की मौत दम घुटने के कारण हुई। कुछ लोगों का कहना है कि लोग प्रवचनकर्ता की कार के पीछे भागते समय कीचड़ में फिसल गए, जिससे भगदड़ मच गई। हाथरस जिले के फुलरई गांव में बाबा नारायण हरि द्वारा आयोजित सत्संग में शामिल होने के लिए लाखों अनुयायी पहुंचे हुए थे। बाबा नारायण हरि, साकार विश्व हरि भोले बाबा के नाम से भी लोकप्रिय हैं।

मणिपुर में भारी बारिश का कहरः कई हिस्सों में बाढ़, स्कूल-सरकारी दफ्तर बंद

इंफाल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों में लगातार बारिश के कारण दो प्रमुख नदियों के तटबंध टूटने के बाद कई स्थानों पर बाढ़ आ गई है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार ने बाढ़ की स्थिति को देखते हुए बुधवार को सभी सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है, जबकि स्कूल बृहस्पतिवार तक बंद रहेंगे। 1,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इम्फाल पश्चिम में सिंगजामेई ओइनम थिंगल में इम्फाल नदी के तटबंध तथा इम्फाल पूर्व में केइराओ के कुछ हिस्सों और कोंगबा इरोंग में कोंगबा नदी के तटबंध टूट गए। इम्फाल पूर्व में सावोमबंग और क्षेत्रेइगाओ के कुछ हिस्सों में इरिल नदी का पानी उफान पर है।

अधिकारी ने कहा, "भारी मात्रा में नदी का पानी आवासीय इलाकों में घुस गया है। भारत-म्यांमा सड़क का तीन किलोमीटर से अधिक हिस्सा बाढ़ के पानी में डूब गया है और 1,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।" राहत और बचाव कार्य जारी उन्होंने बताया कि प्रभावित लोगों के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार की दोपहर में सेनापति नदी में गिरे 25 वर्षीय एक व्यक्ति का शव स्थानीय लोगों की मदद से 'भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी' की एक टीम ने नदी से बाहर निकाल लिया। पूर्वोत्तर राज्य के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश हुई है।

क्या होता है 'कंगारू कोर्ट', बंगाल में महिला से बदसलूकी के बाद चर्चा में आया नाम

कोलकाता, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में बीते दिनों महिला से सरेआम बदसलूकी या कहे कि तालिबानी सजा का वीडियो काफी वायरल हो रहा है। तृणमूल कांग्रेस का लोकल लीडर एक महिला और उसके साथी को सरेआम डंडे से बुरी तरह पीट रहा था। इस घटना के बाद एक बार फिर से देश में 'कंगारू कोर्ट' का नाम चर्चा में आ गया है।

तो ये कंगारू कोर्ट होता क्या है? क्या इसका तालिबानी सजा से कोई कनेक्शन है? क्यों हमेशा इसे लेकर विरोध होते रहते हैं? आइए जानते हैं इन सबी सवालों के जवाब हमारे इस एक्सप्लेनर के माध्यम से। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के मुताबिक, कंगारू कोर्ट बिना किसी ढंग के सबूतों के बिना किसी अपराध या दुराचार के संदिग्ध व्यक्ति का ट्रायल

करता है। आम तौर पर इसे एक नकली अदालत माना जाता है जिसमें कानून और न्याय के सिद्धांत को दरकिनार किया जाता है। गैर-जिम्मेदार प्रक्रियाओं के द्वारा फैसले किए जाते हैं। कुल मिलाकर कहे तो कंगारू कोर्ट ऐसी कार्यवाही या फिर काम को प्रदर्शित करती है जिसमें पक्षपातपूर्ण और अन्यायपूर्ण तरीके से फैसला किया जाता है। किसी भी लोकतांत्रिक और संवैधानिक देश में कंगारू कोर्ट का होना खतरनाक माना जा सकता है। कंगारू कोर्ट को कई बार तालिबानी सजा से भी कंपेयर किया जाता रहा है। इसमें व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का हनन कर के उसे गैर-कानूनी सजा दी जाती है। हालांकि, आपको बता दें कि कंगारू कोर्ट का एक और मीडिया ट्रायल को भी माना जाता है। भारत में अगर कंगारू कोर्ट के उदाहरणों की बात करें तो पश्चिम बंगाल में महिला के साथ हुई बदसलूकी की घटना भी कंगारू कोर्ट का उदाहरण है। इसके अलावा खाप पंचायतों को भी कंगारू कोर्ट बताया जाता रहा है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में शालिशी सभा भी खाप की तरह है। कई बार मीडिया या सोशल मीडिया ट्रायल को देखें तो इसमें भी कंगारू कोर्ट की झलक दिखती है।

ट्विटर, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी मामले में लोग पहले ही अपना फैसला सुना देते हैं। जबकि मामला अदालत के समक्ष होता है। कई बार मामला शुरू होने से पहले ही किसी को दोषी ठहरा दिया जाता है। कुछ साल पहले भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने भी कहा था कि मीडिया ट्रायल और कंगारू कोर्ट को न्याय के लिए बाधा और लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक बताया था।

राहुल गांधी ने हिंदू धर्म परउद्धव ठाकरे का बयान, क्या गलत कहा

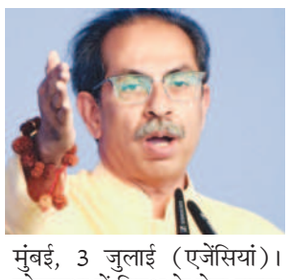

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के संसद में दिए बयान के बाद घमासान मचा हुआ है। एक ओर नेताओं ने राहुल गांधी पर प्रहार जारी रखा है तो वहीं दूसरी ओर उद्धव ठाकरे ने उनका बचाव करते हुए सवाल किया कि मुझे बताएं कि राहुल गांधी ने क्या गलत कहा?

उन्होंने हिंदू धर्म का अपमान कहां किया?

ठाकरे ने कहा कि राहुल गांधी को संसद में भगवान शिव की तस्वीर प्रदर्शित करने से रोका गया। जिससे भाजपा के कथानक के तहत हिंदुत्व की परिभाषा को चुनौती मिली। ठाकरे ने कहा, क्या ये सही है? उन्होने कहा कि पीएम मोदी चुनावी रैलियों में जय श्री राम का नारा लगा सकते हैं। जब ऐसा कोई संसद में करे तो उसे अस्वीकारा जाता है। मुझे नहीं लगता कि राहुल गांधी ने कल संसद में हिंदुत्व का अपमान किया।

राहुल गांधी की बात दोहराई और कहा कि भाजपा हिंदुत्व के बराबर नहीं है। ठाकरे बोले, हम भी हिंदू हैं और हममें से कोई भी हिंदुत्व का अपमान नहीं करेगा और हिंदुत्व का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा और राहुल गांधी भी इसमें शामिल हैं ठाकरे ने कहा कि भाजपा का हिंदू धर्म पर एकाधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, हमारा हिंदुत्व पवित्र है। इस विचार को पुष्ट करते हुए कि सच्चा हिंदुत्व राजनीतिक संबद्धताओं से परे है और इसे भाजपा की व्याख्याओं तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए

मुंबई में दाऊद इब्राहिम की फैक्ट्री डी कंपनी अब क्या कर रही मायानगरी में, रडार में आया अंडरवर्ल्ड डॉन का करीबी

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम भले ही पाकिस्तान में छुपा बैठा है, लेकिन उसने भारत के कई राज्यों में ड्रग्स का पूरा जाल बिछा रहा है। मीरा भायंदर पुलिस ने बुधवार ड्रग्स की एक बड़ी खेप पकड़ते हुए डी कंपनी के इस ड्रग्स कारोबार का भंडाफोड़ किया। इस ड्रग्स की कीमत 350 करोड़ रुपये बताई जा रही है। दरअसल ठाणे के घोड़बंदर रोड इलाके में पुलिस ने ड्रग्स की एक बड़ी खेप पकड़ते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया। उनसे हुई पूछताछ में डी कंपनी की ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ। इस मामले में पुलिस के भी कान खड़े हो गए और उसने तुरंत एक्शन

लेते हुए 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि 6 की तलाश जारी है।

ड्रग्स रैकेट का किंगपिन सलीम डोला

ड्रग्स के इस काले कारोबार का किंगपिन दाऊद का खास गुर्गा सलीम डोला निकला। पुलिस के मुताबिक, डोला की निगरानी में ही ड्रग्स की ये फैक्ट्रियां चल रही थीं, जहां से पूरे महाराष्ट्र के अलावा गुजरात, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश तक ड्रग्स की सप्लाई की जाती थी। मुंबई के पुलिस कमिश्नर मधुकर पांडेय ने इस संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, 'हमने इस कारवाई में अब तक 327 करोड़ की ड्रग्स पकड़ी है। इसके साथ ही ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है, जिसे दाऊद इब्राहीम का खास गुर्गा सलीम डोला ऑपरेट कर रहा था। वह गिरफ्तार किए गए कई गुर्गों के संपर्क में था।' उन्होंने बताया कि सलीम डोला के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है। वहीं दाऊद इब्राहिम के रोल की भी जांच की जा रही है। दरअसल मई 2024 से मीरा भयंदर पुलिस इस केस पर काम कर रही थी और शुरुआत से ही सलीम डोला पर उसकी नजर थी। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, वाराणसी, तेलंगाना के विखाराबाद, गुजरात के सूरत सहित देश के कई अन्य राज्यों में वह यह रैकेट चला रहा था। पुलिस के मुताबिक, सलीम डोला दाऊद का बेहद ही खास गुर्गा है। वह दुबई और तुर्की में बैठकर भारत में फैले दाऊद के ड्रग्स कारोबार को संभालता है। वहीं गिरफ्तार किए गए कुछ आरोपियों से डायरेक्ट संपर्क में था। वहीं गुजरात से पकड़े गए आरोपी के पास ही ड्रग्स के सभी पैसे जमा होते थे।

पुलिस ने बागेश्वर धाम से इन 7 चेन स्नेचर महिलाओं को किया गिरफ्तार

छतरपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छतरपुर में बड़ा मामला सामने आया है। बागेश्वर धाम तीर्थ स्थल पर लंबे समय से चेन स्नेचिंग होने की शिकायतें लगातार बागेश्वर धाम चौकी को मिल रही थी। जिसके बाद एसपी अगम जैन और पुलिस वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना बमीठा पुलिस और बागेश्वर धाम चौकी पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए चेन स्नेचिंग करने वाली महिला गिरोह को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। मंगलवार और शनिवार को दर्जनों चेन स्नेचिंग की घटनाएं सामने आ रही थी। पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लेकर भारतीय न्याय संहिता की नई धाराओं में मामला पंजीबद्ध किया है।

करनाल में पुलिस भी सुरक्षित नहीं

बदमाशों ने एएसआई की गोली मारकर हत्या की, मचा हड़कंप

करनाल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में पुलिस भी सुरक्षित नहीं दिख रही है। यहां बेखौफ बदमाशों ने एक एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी है। इस घटना के सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। एएसआई की पहचान संजीव के रूप में हुई है। स्टेट क्राइम ब्रांच यमुनानगर में तैनात संजीव की दो बाइक सवार बदमाशों ने हत्या कर दी। उन्हें पुलिस की टीम घायल अवस्था में अस्पताल लेकर पहुंची थी, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से संजीव के परिवार में मातम पसर गया है। करनाल में आपराधिक वारदातें लगातार बढ़ रही हैं। कल करनाल के ओंगद गांव में बाइक सवार बदमाशों ने दुकान के बाहर गोलियां चलाईं तो आज एक वारदात फिर से हुई। ये वारदात करनाल के कुटेल गांव के पास हुई, जहां पर संजीव रहता था। संजीव हरियाणा पुलिस के जवान थे और यमुनानगर में स्टेट क्राइम ब्रांच में एएसआई के पद पर तैनात थे। संजीव ने कुछ समय पहले ही अपना ऑपरेशन करवाया था। शाम के समय जब वो अपने घर के बाहर सैर कर रहे थे, तभी 2 बाइक सवार बदमाश आए और दो राउंड फायरिंग की। एक गोली संजीव के माथे पर और दूसरी कमर पर लगी। संजीव को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां संजीव ने दम तोड़ दिया। कुछ समय पहले ही संजीव के भाई और पिता का भी देहांत हो चुका है। घर की सारी जिम्मेदारी संजीव के कंधों पर थी। पुलिस आस-पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

संत दूसरों को दुःख से बचाने के लिए कष्ट सहते रहते हैं, दुष्ट लोग दूसरों को दुःख में डालने के लिए।

बाल श्रम उन्मूलन के लिए कड़े कदम: तरुण जोशी

ऑपरेशन मुस्कान के प्रदर्शन पर चर्चा

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त तरुण जोशी ने आह्वान किया है कि जिन बच्चों को खुशी से पढ़ना और खेलना चाहिए उनका बचपन बर्बाद करने वाली बाल श्रम की प्रथा को खत्म किया जाना चाहिए। ऑपरेशन मुस्कान दसवीं समन्वय बैठक आज नेरेडमेड में राचकोंडा आयुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में ऑपरेशन मुस्कान-10 के प्रदर्शन पर चर्चा की गई, जिसका उद्देश्य लापता बच्चों की पहचान करना और भीख मांगने, बाल श्रम, मानव तस्करी, जेबतराशी आदि में शामिल लोगों को बचाना है। कार्यक्रम में बोलते हुए कमिश्नर ने कहा कि बाल श्रम प्रथा समाज में एक बीमारी की तरह बन गई है और यह कई मासूम बच्चों का बचपन बर्बाद कर रही है. उन्होंने चिंता व्यक्त की कि मुख्य रूप से माता-पिता की गरीबी के कारण बच्चे भिक्षावृत्ति के चंगुल में फंस रहे हैं और अपना सुनहरा भविष्य खो रहे हैं। माता-पिता की आर्थिक स्थिति कैसी भी हो, उन्हें अपने बच्चों को भीख मांगने के जाल में नहीं धकेलना चाहिए और सरकार बच्चों की शिक्षा के लिए कई निःशुल्क कार्यक्रम और योजनाएं चला रही है और उनका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने बाल नौकरियों के उन्मूलन में जनभागीदारी का आह्वान किया और लोगों को भी इसे अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझनी चाहिए। सीपी ने कहा कि राचकोंडा में मानव तस्करी और बाल श्रम को खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम मानव तस्करी पर नकेल कस रहे हैं, कई लोगों को विशेष टीमों ने बचाया है और मामले दर्ज किये गये हैं। एक जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2024 तक "ऑपरेशन मुस्कान-10" के माध्यम से एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य बेघर बच्चों और भीख मांगने और बाल श्रम में पकड़े गए मजबूर बच्चों को बचाना और उनका पुनर्वास करना है। इस उद्देश्य के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है, जिसमें एक उप-निरीक्षक और चार पुलिस कांस्टेबल (एक महिला पुलिस कांस्टेबल सहित) शामिल हैं। ये टीमें तस्करी के शिकार बच्चों को बचाती हैं और उनका पुनर्वास करती हैं। "दर्पण" नामक चेहरे की पहचान करने वाले सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन का उपयोग उन बच्चों की पहचान करने के लिए किया जा रहा है जो विभिन्न कारणों से अपने परिवारों से अलग हो गए हैं या लापता हैं। उन्होंने याद दिलाया कि कार्यस्थल पर स्कूल उनके आवासीय क्षेत्रों में चलाए जा रहे हैं ताकि ओडिशा और बिहार जैसे अन्य राज्यों से लाई गई ईंटों के कारण श्रमिकों के बच्चे शिक्षा से वंचित न हों। कार्यक्रम में डीसीपी महिला सुरक्षा उषा विश्वनाथ, एसीपी वेंकटेशम, रंगारेड्डी जिला कल्याण अधिकारी पद्मजा रमानी, मेडचल जिला कल्याण अधिकारी कृष्ण रेड्डी, रंगारेड्डी जिला सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष नरेंद्र रेड्डी, मेडचल जिला सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष राजा रेड्डी, यदाद्री सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष जयश्री , मेडचल जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रघुनाथ स्वामी, मेडचल एवं यदाद्री जिला डी.सी.पी.ओ. इम्तियाज, सैदुलु, बालारक्षा भवन के अधिकारी, श्रम विभाग के अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, बचपन बचाओ आंदोलन के प्रतिनिधि वेंकटेश्वरलु, चाइल्ड लाइन के अधिकारी और अन्य राचकोंडा पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

फसल ऋण माफी तय समय के अनुसार एक बार में की जाएगी : भट्टी

बीआरएस, भाजपा के कारण तेलंगाना ने सात मंडल खो दिए

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने दोहराया है कि विधानसभा चुनावों में किए गए वादे के अनुसार, कांग्रेस सरकार घोषित कार्यक्रम के अनुसार एक बार में किसानों के लिए 2 लाख रुपये की ऋण माफी को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। बुधवार को यहां गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पहले ही विधानसभा में घोषणा की थी कि ऋण माफी 15 अगस्त तक की जाएगी और राज्य सरकार ने इस संबंध में दिशानिर्देश तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, "तेलंगाना में छह गारंटियां तय समय से पहले लागू की गई हैं। इसी तरह, 15 अगस्त तक कर्ज माफी करने का प्रयास किया जा रहा है।" उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने एक लाख रुपये तक के फसल ऋण माफ करने का वादा किया था, लेकिन उसने पांच साल में भी ऐसा नहीं किया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार धन का दुरुपयोग किए बिना सभी कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है। लोगों द्वारा दिए गए करों का उपयोग तेलंगाना राज्य के विकास के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रायतु भरोसा और फसल ऋण माफी योजनाओं के दिशानिर्देश लोगों की राय लेकर तैयार किए जाएंगे। भट्टी ने कहा कि बाद में, रिपोर्ट पर विधानसभा में चर्चा की जाएगी और बाद में, सरकार की सहमति से इन योजनाओं को लागू किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां- भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तेलंगाना के सात मंडलों के पीछे मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी को उन सात मंडलों की मांग करने का कोई अधिकार नहीं है, जिन्हें तेलंगाना राज्य के गठन के समय आंध्र प्रदेश में मिला दिया गया था। "आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में सात मंडलों का कोई उल्लेख नहीं है। 2014 में केंद्र में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद, एक अध्यादेश के साथ तेलंगाना के सात मंडलों को आंध्र प्रदेश में मिला दिया गया था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में के चंद्रशेखर राव ने 10 वर्षों में सात मंडलों को वापस लाने का कोई प्रयास नहीं किया," उन्होंने बताया। लंबित मुद्दों पर चर्चा के लिए दोनों तेलुगु राज्यों के मुख्यमंत्रियों की प्रस्तावित बैठक पर प्रतिक्रिया देते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने स्पष्ट किया कि बैठक में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम से संबंधित मुद्दों और पिछले 10 वर्षों से लंबित अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार शीघ्र ही रोजगार कैलेंडर की घोषणा करेगी।

अधिकारी पूरी जानकारी के साथ आम बैठक के लिए तैयार रहें : आम्रपाली काटा

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने संबंधित अधिकारियों को 6 जुलाई को होने वाली जीएचएमसी की 9वीं आम बैठक के लिए पूरी विस्तृत जानकारी के साथ तैयार रहने का निर्देश दिया है। बुधवार को आयुक्त ने अपने कक्ष में जीएचएमसी के संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और स्थायी समिति और परिषद की आम बैठक के एजेंडा मदों पर चर्चा की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि परिषद की बैठक में उन्होंने सुझाव दिया कि संबंधित विभागों के अधिकारियों को उत्तरों के बारे में विस्तृत स्पष्टीकरण देने के लिए तैयार रहना चाहिए। अधिकारियों को पूरी जानकारी देने के लिए कहा गया और कहा कि परिषद की बैठक के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाएं की जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और कई सुझाव दिए। बैठक में ई एनसी जियाउद्दीन, परियोजना सीई देवानंद और सीई कोटेश्वर राव, अतिरिक्त आयुक्त के. श्रीवास्तव, स्नेहा सबरीश, शिव कुमार नायडू, नलिनी पद्मावती, गीता राधिका, यादगिरी राव, सुनंदा रानी, सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नाइक, सीएम एंड एचओ डॉ. पद्मजा, प्रमुख कीट विज्ञान डॉ. रामबाबू, मुख्य पशु चिकित्सक डॉ. अब्दुल वकील, स्वच्छता, झील, इंजीनियरिंग और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य लोग उपस्थित थे।

आइए मिलकर समन्वय से काम करें : रंगनाथ

हैदराबाद 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी के प्रवर्तन, सतर्कता और आपदा प्रबंधन आयुक्त एवी रंगनाथ ने कहा कि विभाग और पुलिस को समन्वय में काम करना चाहिए और शहर में बारिश को रोकने के लिए उचित उपाय करना चाहिए। बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए शहर में सड़कों पर बरसात का पानी जमा न हो इसके लिए ईवीडीएम कमिश्नर के निर्देशन में अतिरिक्त ट्रैफिक कमिश्नर के साथ ट्राई कमिश्नरेट (हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा) के डीसीपी, एसीपी और ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक की व्यवस्था की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में जल जमाव वाले स्थानों पर जल जमाव को रोकने के लिए शीघ्र उपाय किये जाने तथा फुटपाथों पर अतिक्रमण कर यातायात की समस्या पैदा करने वाले व्यवसाय चलाने वालों को हटाने के उपाय किये जाने तथा यातायात अधिकारियों ने मुख्य जल क्षेत्रों की पहचान की। आयुक्त ने अधिकारियों को बाढ़ के पानी की त्वरित निकासी के तरीकों पर विशेष ध्यान देने की जानकारी दी।

बीआरएस सांसद केशव राव कांग्रेस में शामिल हुए

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस महासचिव और राज्यसभा सदस्य के केशव राव बुधवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केशव राव को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर पार्टी का दुपट्टा भेंट कर कांग्रेस में आमंत्रित किया। वे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी और केसी वेणुगोपाल और मधु यशकी गौड़ सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए केशव राव ने कहा कि उन्होंने प्रियंका गांधी के अनुरोध पर बीआरएस छोड़ने और कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, "मैं मरते दम तक कांग्रेस में ही रहूंगा। कांग्रेस मेरे अपने घर की तरह है। जो लोग तीर्थ यात्रा पर जाते हैं, वे हमेशा घर पहुंचते हैं। मैं भी अपने घर कांग्रेस में शामिल हो रहा हूं। मैंने 53 साल तक कांग्रेस में काम किया है। मैंने केवल दस साल बीआरएस में काम किया।"

आयुक्त आम्रपाली काटा ने स्वच्छता को लेकर किया औचक निरीक्षण

हैदराबाद, 3 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने बुधवार को शहर के कई इलाकों का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर कमिश्नर ने जोनल कमिश्नर को नारायणगुड़ा चौराहे पर बने मार्केट रूम के आवंटन की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने शंकर मठ में आरएफसी वाहन के चालक से बात की और कचरा उठाव की जानकारी ली। कमिश्नर ने छात्र से बात करते हुए उसे समझाया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखना चाहिए, कूड़ा-कचरा साफ ऑटो को देना चाहिए और साथी छात्रों को जागरूक कर स्वच्छ हैदराबाद की दिशा में काम करने का प्रयास करना चाहिए। आयुक्त के साथ अपर आयुक्त स्वच्छता रवि किरण ने भाग लिया।

पर्यटन विकास के लिए नई मसौदा नीति तैयार : जुपल्ली

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने बताया कि राज्य सरकार ने पर्यटन के लिए एक नई मसौदा नीति तैयार की है, जिसका उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करना और तेलंगाना में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है।

बुधवार को यहां सचिवालय मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में इको, मंदिर और चिकित्सा पर्यटन में बहुत सारे अवसर हैं और राज्य सरकार राज्य में पर्यटन क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए गंभीरता से काम कर रही है। जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा, "पिछले दस सालों में पिछली बीआरएस सरकार यह भूल गई थी कि तेलंगाना में पर्यटन विभाग है। इसने पर्यटन क्षेत्र के विकास में लापरवाही बरती।

बीआरएस सरकार केंद्र सरकार से धन लाने में विफल रही। राज्य में पर्यटन को विकसित करने के लिए एक भी कदम नहीं उठाया गया। इसके अलावा, जब तक तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार सत्ता में आई, तब तक तारामती बारादरी रिसॉर्ट और हरिता होटल का रखरखाव खराब स्थिति में था।" जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता दे रही है और इस क्षेत्र को बड़े पैमाने पर मजबूत करने के लिए कदम उठा रही है, खासकर इको, मंदिर और चिकित्सा क्षेत्रों में। उन्होंने कहा कि पर्यटन के लिए एक नई मसौदा नीति तैयार की गई है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सलाह और सुझावों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। जुपल्ली कृष्ण राव ने बताया, "पर्यटन विभाग ने पहले ही तेलंगाना में सोमसिला, रामप्पा, लक्कवरम, नागार्जुन सागर और अनंतगिरी हिल्स को डेस्टिनेशन वेडिंग सेंटर के रूप में विकसित करने का फैसला किया है।

इसी तरह, अनंतगिरी हिल्स में वेलनेस टूरिज्म रिसॉर्ट और नागार्जुन सागर में बुद्ध वनम स्थापित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार सार्वजनिक-निजी भागीदारी में पर्यटन स्थलों को विकसित करके और बुनियादी ढांचा प्रदान करके आय प्राप्त करने के तरीकों की तलाश कर रही है।

सरकार को एईई (सिविल) चयनित उम्मीदवारों की सूची तुरंत घोषित करनी चाहिए : केटीआर

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (टीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आज कहा कि कांग्रेस सरकार बीआरएस सरकार के सत्ता में रहने के दौरान आयोजित एईई (सिविल) परीक्षा के पदों के लिए 1,180 उम्मीदवारों की चयन सूची घोषित करने में लापरवाह रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार उन लोगों की सूची जारी करने में देरी कर रही है, जिनका अब तक नौकरियों के लिए चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के लिए अधिसूचना लगभग 22 महीने पहले जारी की गई थी और पिछले साल सितंबर तक परीक्षा और प्रमाण पत्र सत्यापन भी पूरा हो गया था, जबकि उन्होंने कहा कि चुनाव आचार संहिता के कारण चयनित उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने के सात महीने बाद भी अंतिम सूची जारी नहीं की गई है। केटीआर ने कहा कि चयनित उम्मीदवार काफी असमंजस में हैं और उन्होंने सरकार से तत्काल सूची घोषित करने का आग्रह किया। परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों ने केटी रामा राव से नंदीनगर स्थित उनके घर पर मुलाकात की। उन्होंने केटीआर से अपील की कि वे सरकार पर तत्काल सूची घोषित करने के लिए दबाव डालें। केटीआर ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे निश्चित रूप से उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने तुरंत टीजीपीएससी के चेयरमैन महेंद्र रेड्डी को फोन किया और उनसे बात की।

उन्होंने चेयरमैन से अनुरोध किया कि वे तत्काल चयनित उम्मीदवारों की सूची जारी करें।

डिप्टी सीएम ने तेलंगाना व आंध्रा के सीएम के बैठक की व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 3 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने आज इस महीने की 6 तारीख को हैदराबाद के प्रजा भवन में तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश राज्य के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के बीच बैठक की व्यवस्था की समीक्षा की। उनके साथ राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रजा भवन का दौरा किया। संबंधित विभाग के अधिकारियों को सुचारू व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समन्वय बनाकर बैठक की समुचित व्यवस्था करने का आदेश दिया। बैठक में वित्त विभाग के विशेष मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, सार्वजनिक प्रसारण की विशेष अधिकारी दिव्या, सड़क एवं भवन विभाग के विशेष सचिव हरिचंदना, प्रोटोकॉल विभाग के निदेशक वेंकट राव और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

मियापुर थाने में बलात्कार का मामला दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर थाने की पुलिस ने बलात्कार का मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़िता ने बताया कि 30 जून को सुबह नौ बजे वह मियापुर गई थी, जहां संगारेड्डी और जनार्दन नामक सन सिटी के रियल एस्टेट सेल्समैन ने उससे मुलाकात की, उसे श्री लक्ष्मी हॉस्टल, मियापुर में एक छात्रावास में रहने का प्रस्ताव दिया और बताया कि वे उसे दोपहर में ले जाएंगे। उसी दिन दोपहर 12 बजे संगा रेड्डी और जनार्दन ने उसे उक्त छात्रावास से एक कार में लेकर और यादगिरिगुट्टा के लिए रवाना हुए। देर रात उन्होंने अपनी कार एक निर्माणाधीन इमारत के पास रोकी और उससे कहा कि कार खराब हो गई है, उससे पूछा कि क्या वह कुछ खाना चाहेगी, लेकिन उसने खाने से मना कर दिया, हालांकि जनार्दन ने उसके लिए एक ठंडा पेय, मिठाई लाई और उसे ठंडा पेय पिलाया।

इसे खाने के बाद उसे चक्कर आने लगा, जिसके बारे में उसने उन्हें बताया, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने उसे यह कहकर कि उसने कुछ नहीं खाया है, उसे मिठाई दी, जिसे खाने के बाद भी उसे चक्कर आ रहा था। इसका फायदा उठाकर संगा रेड्डी, जनार्दन दोनों ने उसके कपड़े उतार दिए, उसके शरीर के अंगों को छुआ और उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसे पीटा। इसके अलावा, एक के बाद एक उन्होंने उसका यौन उत्पीड़न किया, जिसके परिणामस्वरूप उसे शरीर में बहुत दर्द हुआ। इसके बाद, वे उसे श्री लक्ष्मी छात्रावास, मियापुर में छोड़कर भाग गए। इसलिए, शिकायतकर्ता ने सांगा रेड्डी, जनार्दन रेड्डी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया। मामले की रिपोर्ट उप्पल में जीरो एफआईआर के रूप में दर्ज की गई और इसे मियापुर पीएस में स्थानांतरित कर दिया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 376,323,509,420 के तहत मामला दर्ज किया। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

रेलवे ट्रैक पार करते समय बुजुर्ग की मौत

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार देर रात बीबीनगर के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय एक अज्ञात बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, बुजुर्ग व्यक्ति ने कथित तौर पर उस समय रेलवे ट्रैक पार करने की कोशिश की, जब एक यात्री ट्रेन लाइन से गुजर रही थी और उसकी मौत हो गई। उसका शव ट्रेन के इंजन में फंस गया और पांच किलोमीटर से अधिक समय तक वहीं पड़ा रहा। स्थानीय लोगों ने रेलवे क्रॉसिंग पर इंजन से चिपके शव को देखा और रेलवे अधिकारियों को सूचित किया, जिन्होंने आरपीएफ कर्मियों को सतर्क किया, जिन्होंने घाटकेसर के पास ट्रेन को रोका और शव को हटाया। रेलवे पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के समय मृतक ने नीली शर्ट और नारंगी लुंगी पहनी हुई थी। यह दुर्घटना उस समय हुई जब यात्री ट्रेन वारंगल से सिकंदराबाद की ओर जा रही थी। रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. 30246566, दिनांक: 26.06.2024

कार्य का नाम: हैंड रबड़ कंटेनर PP-CP कंटेनर में असेम्बल की हुई 2V 80AH कम रखरखाव वाली लीड एसिड सेकेंडरी CELLS साथ में नट, बोल्ट, इंटर कनेक्टर, सेरामिक वेंट प्लग, बैटरी फ्लोट इत्यादि। विनिर्देश सं. IRS: S-88/2004 के साथ नवीनतम संशोधन साथ में कनेक्टर, नट, बोल्ट, वेंट प्लग इत्यादि। मात्रा: 2445 संख्यक। TPI द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य: 60 दिनों के अंदर सामग्रियों की आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 26.07.2024 को 1500 बजे।

सम्पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/

PR-263/P/24-25 वाल्टियर

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Ambalam Phani Kumar, F/o: A SESHA PAVANI, R/o:9-2-8a, Bapatla Vari Street, AG College Road, Bapatla, AP-522101 had changed my Daughter's name from A. SESHA PAVANI TO AMBALAM PAVANI and after marriage with Syam Sundara Pavan Gopal Kanduri her Surname has changed hence her name after marriage is PAVANI KANDURI is recorded

I, GURUGUNTLA RACHEL W/o GURUGUNTLA CHRISTOPHER R/o. F.No.403, Chandra Residency, Block-A, Hasmathpet Road, Old Bowenpally, Hyd-11, TS. have changed my name as GURUGUNTLA ANURADHA.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हाथरस के मृतकों का रातभर हुआ पोस्टमॉर्टम

> 6 डॉक्टर-3 फार्मासिस्ट लगे > 38 डेड बॉडी यहां लाई गई थी

अलीगढ़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस में सत्संग की भगदड़ में घायलों और शवों को अलीगढ़ लाया गया है। शवों का पोस्टमॉर्टम करने के लिए प्रशासन ने रात में ही डॉक्टरों और मेडिकल टीम का पैनल तैयार कर दिया है, जो रात में ही शवों का पोस्टमॉर्टम करने में जुट गया।

डीएम के निर्देश के बाद सीएमओ की ओर से 6 डॉक्टर और 3 फार्मासिस्ट की ड्यूटी लगी। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी रात चली, जिसके बाद शवों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया जाएगा। वहीं पोस्टमॉर्टम हाउस में पुलिस और प्रशासन की टीम भी तैनात कर दी गई है। जो हर गतिविधि पर नजर रख रही है।

देर रात तक अलीगढ़ पहुंचे 38 शव

हाथरस हादसे में 122 मौतें हो चुकी हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने 116 मौतों की पुष्टि की है। उनका कहना है कि पूरी रिपोर्ट 24 घंटे में आ जाएगी। इसके बाद शवों को हाथरस के साथ एटा, कासगंज, आगरा और अलीगढ़ में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। अलीगढ़ में देर रात तक 38 शव पहुंच गए थे, जिन्हें जेएन मेडिकल कालेज, मलखान सिंह जिला अस्पताल और पं. दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया है। शवों के अलीगढ़ पहुंचने के बाद इनके पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी गई है, जिसके बाद रात में ही इनका पोस्टमॉर्टम का काम शुरू कर दिया जाएगा।

एक पोस्टमॉर्टम में लगता है 20-25 मिनट

डीएम के निर्देश के बाद रात में ही पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू की गई। सीएमओ डॉ नीरज त्यागी ने इसके लिए तत्काल टीम का गठन कर दिया है। शवों का पंचनामा भरने के बाद उन्हें एक-एक करके पोस्टमॉर्टम हाउस भेजा जा रहा है। जिससे उनकी पहचान के साथ पोस्टमॉर्टम किया जा सके। रात 1 बजे तक की बात करें तो 5 शवों के पोस्टमॉर्टम किए जा चुके थे। डॉक्टरों ने बताया कि एक शव का पोस्टमॉर्टम होने में 20-25 मिनट का समय लग रहा है। ऐसे में जब सारी रात पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया चलेगी, तो ही सुबह समय से शवों को परिजनों के सुपुर्द किया जा सकेगा। सीएमओ डॉ नीरज त्यागी ने बताया कि डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

आगरा लाए गए 21 शव

सभी का कराया गया पोस्टमार्टम; 24 घंटे सक्रिय कंट्रोल रूम

आगरा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के हाथरस में सिकंदराराऊ में भोले बाबा उर्फ साकार हरि के सत्संग में भगदड़ मच गई। इसमें 124 लोगों की मौत हो गई। साकार हरि सत्संग में हुए हादसे में आगरा के 17 लोगों की मौत हुई है। मंगलवार रात 2:00 बजे तक 21 शवों को आगरा पोस्टमार्टम हाउस लाया गया था। इनमें से आठ लोग आगरा के थे। जबकि 13 लोग मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, फरीदाबाद आदि जिलों के थे। पोस्टमार्टम करने के लिए पुलिस की विशेष टीम लगाई गई थी। हर शव के साथ दो सिपाहियों की ड्यूटी थी, जो कि पोस्टमार्टम करने के बाद शवों को परिजन के साथ विशेष वाहन से गंतव्य तक पहुंचाने का काम कर रहे थे। आगरा जोन कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया था। इस पर हर कार्रवाई का अपडेट भी लिया जा रहा था। लोगों को भी जानकारी दी जा रही थी। 24 घंटे से यह कंट्रोल रूम कार्यरत है। घटना की जांच के लिए एडीजी आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ और कमिश्नर अलीगढ़ की संयुक्त टीम बनाई गई है। इसकी रिपोर्ट तैयार करने का काम किया जा रहा है।

घटनास्थल पर पहुंचे सीएम योगी बताया कैसे हुआ हादसा

कहा-दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा

हाथरस, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस में मंगलवार कल सत्संग के दौरान मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई है। भोले बाबा के सत्संग में यहां देश के कई राज्यों से भक्त पहुंचे थे। इस मामले को लेकर सीएम योगी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसमें जो भी जिम्मेदार होगा, उसको कड़ी सजा मिलेगी।

आज सीएम ने हाथरस पुलिस लाइन में हालात का जायजा लेने के बाद सरकारी अस्पताल में भगदड़ की घटना में घायलों से मुलाकात की। घायलों से मुलाकात के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम योगी ने कहा कि इस पूरे हादसे में 121 भक्तों की मौत हुई है। जो उत्तर प्रदेश के साथ साथ हरियाणा, राजस्थान और मध्यप्रदेश से भी जुड़े हुए थे। वहीं प्रदेश में हाथरस, बदायूं, कासगंज, अलीगढ़, एटा, ललितपुर, फैजाबाद, आगरा जनपद के लोग शामिल हैं। हाथरस के जिला अस्पताल में कई लोगों का इलाज चल रहा है। इस घटना के चश्मदीद से बात की उन्होंने बताया कि हादसा कार्यक्रम के दौरान ही हुआ। इस कार्यक्रम में जो सज्जन अपना उपदेश देने आए थे और मंच से उतरने के बाद जीटी रोड के पास उनका काफिला आया तो उसे छूने की कोशिश में महिलाओं का एक काफिला आगे बढ़ा और लोग इस हादसे का शिकार हो गए।

इसका सबसे दुखद पहलू यह था कि जो सेवादार प्रशासन को भी अंदर नहीं जाने देते। ऐसे लोगों ने इस घटना को दबाने का प्रयास किया। सीएम ने कहा कि इसकी जांच के लिए एडीजी आगरा की अगुवाई में एक कमेटी गठित की गई है। इस घटना की तह तक जाने के लिए उनसे कहा गया है। इस घटना में आयोजकों को भी पूछताछ के लिए भी बुलाया जाएगा। सीएम ने कहा कि क्या यह हादसा या साजिश? अगर साजिश है तो उसकी भी जांच की जाएंगी। इस तरह का हादसा दोबारा न हो इसके लिए एक एसओपी बनाई जाएंगी ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस के हादसे पर कहा, 'इस पूरी घटना की तह तक जाने के लिए शासन स्तर पर हमने कल भी व्यवस्था बनाई थी लेकिन हमारी प्राथमिकता राहत-बचाव कार्य थी।

सहारा इंडिया के लखनऊ स्थित मुख्यालय पर ईडी रेड

कर्मचारियों से लिए गए फोन, कोलकाता से है कनेक्शन

लखनऊ, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का छापा पड़ा है। सहारा इंडिया के मुख्यालय में ईडी की छापेमारी हो रही है। कोलकाता की चिटफंड कंपनी में घोटाले से जुड़े मामले में ईडी की टीम सहारा इंडिया मुख्यालय को खंगाल रही है। ईडी की टीम ने सहारा के मुख्यालय में दाखिल होते ही सभी कर्मचीारियों के फोन जब्त कर लिए। इसके बाद तमाम सेक्शन में पहुंच कर घोटाले से संबंधित जानकारियों को एकत्र किया जा रहा है। इस आधार पर कार्रवाई को लेकर चर्चा का बाजार गर्म किया जा रहा है।

चिटफंड घोटाले में छापेमारी

सूत्रों के अनुसार, सहारा इंडिया मुख्यालय में छापेमारी कोलकाता की चिटफंड कंपनी में हुए कथित घोटाले से जुड़ी हुई है। इस मामले में सहारा इंडिया के ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन

चल रहा है। इसी क्रम में ईडी की टीम लखनऊ के कपूरथला स्थित सहारा इंडिया के हेड ऑफिस में भी पहुंची। यहां जांच और छापेमारी चल रही है।

फोन जब्त किए जाने से गहराया मामला

छापेमारी और जांव के दौरान ईडी की टीम ने मुख्यालय में मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों के सेल फोन जब्त कर लिए गए। फोन जब्त किए जाने से मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। तरह-तरह की चर्चा का दौर शुरू हो गया है। ईडी की टीम दस्तावेजों की जांच कर रही है। इस घोटाले से जुड़े सबूत इकट्ठा कर रही है।

लखनऊ यूनिट भी छापेमारी में शामिललखर

प्रवर्तन निदेशालय लखनऊ यूनिट को भी इस छापेमारी में शामिल किया गया है। इस संयुक्त कार्रवाई के जरिए कोलकाता की चिटफंड कंपनी में हुए घोटाले की तह तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। चिटफंड घोटाले में शामिल सभी लोगों को न्याय के कटघरे तक लाना है। यह छापेमारी सहारा इंडिया के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। ईडी की इस कार्रवाई से सहारा इंडिया के खिलाफ आरोपों की गंभीरता पर चर्चा शुरू हो गई है।

उत्तर बिहार में बाढ़ के समाधान का पता लगाएगी केंद्रीय जल आयोग की टीम

संजय झा बोले-बड़ी पहल है

पटना, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर बिहार में आने वाली बाढ़ का समाधान का पता अब केंद्रीय जल आयोग की टीम लगाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के निर्देश पर केंद्रीय जल आयोग द्वारा पांच सदस्यीय समिति का गठन भी कर दिया गया। यह समिति उत्तर बिहार की नदियों के लिए नये बराज एवं अन्य संरचनाओं के निर्माण की संभावनाओं का पता लगाएगी।

जनता दल यूनाईटेड के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने कहा कि यह उत्तर बिहार में बाढ़ के दीर्घकालिक समाधान की दिशा में एक बड़ी पहल है। सोशल मीडिया पर उन्होंने आज सुबह लिखा कि बिहार के विकास तथा उत्तर बिहार में बाढ़ के दीर्घकालिक समाधान से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से विस्तृत चर्चा के बाद मैंने 28 जून को केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से संसद भवन स्थित उनके कक्ष में मुलाकात की थी, जो काफी सार्थक रही है। सांसद संजय झा ने कहा कि वित्त मंत्री ने उत्तर बिहार में बाढ़ के प्रभाव को कम करने से संबंधित मेरे सुझावों को काफी गंभीरता से सुना; और उसी दिन शाम में एक और उच्चस्तरीय मीटिंग बुलाई, जिसमें मुझे भी शामिल होने के लिए कहा। शाम की मीटिंग में केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय की सचिव देबश्री मुखर्जी के अलावा वित्त, विदेश और जलशक्ति मंत्रालय के कुछ वरीय अधिकारी भी शामिल हुए।

बाढ़ उत्तर बिहार के विकास की राह में बड़ी बाधा है

इस महत्वपूर्ण मीटिंग में उत्तर बिहार में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से बेहतर जल प्रबंधन का एक विस्तृत खाका तैयार करने के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई। मैंने विस्तार से बताया कि नेपाल से आने वाली नदियों की बाढ़ उत्तर बिहार के विकास की राह में कितनी बड़ी बाधा है। साथ ही, बाढ़ से जानमाल की सुरक्षा के कार्यों, राहत एवं पुनर्वास के उपायों में बिहार सरकार को हर साल बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती है, जिससे राज्य का विकास प्रभावित होता है।

पांच सदस्यीय समिति का गठन भी कर दिया गया

वित्त मंत्री की व्यक्तिगत अभिरुचि के कारण मीटिंग में तय किया गया कि एक उच्चस्तरीय समिति उत्तर बिहार की विभिन्न नदियों के जल के बेहतर प्रबंधन के लिए नये बराज एवं अन्य संरचनाओं के निर्माण की संभावनाओं का पता लगाएगी। समिति में लोअर गंगा बेसिन ऑर्गेनाइजेशन (एलजीबीओ), पटना के मुख्य अभियंता अंबरीश नायक को चेयरमैन, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग (जीएफसीसी) के डायरेक्टर संजीव कुमार, केंद्रीय जल आयोग के तहत बीसीडी के डायरेक्टर एसके शर्मा और जल संसाधन विभाग, बिहार सरकार के प्रतिनिधि को सदस्य, जबकि एलजीबीओ के सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर को सदस्य सचिव बनाया गया है।

राहुल गांधी हिन्दू नहीं, विक्षिप्त हैं...संसद में दिए बयान पर जगतगुरू रामभद्राचार्य का गुस्सा

बोले-उन्हें एक अक्षर नहीं पता

सतना, 3 जुलाई (एजेंसियां)। संसद में राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं को लेकर दिए गए विवादित बयान पर चित्रकूट में जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज ने हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उन्हें भारतीय संस्कृति का एक भी अक्षर नहीं आता, हिन्दू कभी हिंसक नही होता है, ना कभी हिन्दू हिंसक हुआ है। हिन्दू शब्द का अर्थ हिंसा को नष्ट करना है। राहुल बताएं कहां से हम हिंसक हो गए। हिंसक तो यह लोग हैं।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन कर्मस्थली पवित्र नगरी चित्रकूट धाम के साधु-संतो सहित आम जनमानस में उबाल देखने को मिल रहा है। जिसके चलते चित्रकूट स्थित तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री राम भद्राचार्य जी महाराज के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास के नेतृत्व में आम जनमानस द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक साथ 10 पुतले फूंके गए। लालबहादुर शास्त्री की मृत्यु में इन्ही के परिवार का हाथ है। हमने तो राम मंदिर बनवाकर उपकार किया है। बंगाल में जो हो रहा है क्या वो हिंसा नही है।

1990 में जो निहत्थे राम भक्तों पर गोलियां चलाई गई, वह हिंसा नही थी क्या? उन्ही के बेटे के साथ आज इन्होंने गठबंधन करके इतनी सीट लाने का ढोंग किया है। आज राहुल गांधी हिंदुओ को गाली दे रहे हैं। यही राहुल कहते थे मैं ब्राम्हण हूं। जनेऊ पहनता हूं। एक ओर गाली दे रहे है, वहीं दूसरी तरफ जनेऊ पहनकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। अरे, राहुल गांधी एक पथ पर रहो। इनकी दादी के पिता स्वयं कहते थे कि मैं दुर्भाग्य से हिंदू हूं, कोई बात नही, उन्होंने फिर पारसी से विवाह किया। यह फिरोज खान के पोते हैं, वह स्वयं हिन्दू नहीं है। हिंदुस्तान की जनता इस अपमान का बदला राहुल से लेगी।

पति ने नहीं खिंचवाई फोटो, पत्नी ने कर लिया सुसाइड

इटावा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इटावा में नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लेकिन फांसी लगाने के पीछे अजीबो गरीब वजह सामने आई है। पति ने पत्नी के साथ मंदिर मे फोटो नही खिंचवाई, इसलिए नवविहिता ने घर के कमरे फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। दोनों की डेढ़ वर्ष पहले ही शादी हुई थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम को भेज दिया है। पुलिस इस प्रकरण की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस के मुताबिक पैनल से पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। जांच में जो भी तथ्य सामने आयेंगे उस आधार पर कार्रवाई की जायेगी। घटना थाना बकेवर क्षेत्र की घटना। बीते मंगलवार सुबह तड़के नवविवाहिता ने सिर्फ इतनी सी बात से नाराज होकर आत्महत्या कर ली कि उसके पति ने मंदिर के अंदर उसके साथ फोटो नही खिंचवाई।

आईएएस अनुज कुमार झा निदेशक स्थानीय निकाय बनाए गए

लखनऊ, 3 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में आईएएस अनुज कुमार झा को निदेशक स्थानीय निकाय उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई है। वह स्वच्छ भारत मिशन के राज्य मिशन निदशक की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। अनुज कुमार झा 2009 बैच के अधिकारी हैं। इसके पहले, मंगलवार को प्रदेश सरकार ने छह आईएएस अधिकारियों को इधर से उधर कर दिया है, जबकि एक आईएएस अधिकारी का पूर्व में किया गया तबादला निरस्त कर दिया गया है।

नरेंद्र सिंह अपर आयुक्त प्रशासन परिवहन लखनऊ से अपर आयुक्त लखनऊ मंडल बनाए गए हैं। लखनऊ के अपर जिलाधिकारी (एडीएम) वित्त एवं राजस्व धर्मेंद्र सिंह को अपर महानिरीक्षक कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं के पद पर तैनाती दी गई है। आईएएस अर्पित उपाध्याय को सीडीओ रायबरेली बनाया गया है। विशेष सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग अजीत कुमार को विशेष सचिव कृषि उत्पादन आयुक्त शाखा के पद पर भेजा गया है। राजस्व परिषद में सदस्य न्यायिक के पद पर तैनात अमरनाथ उपाध्याय को विशेष सचिव दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बनाया गया है।

ट्रेन के आगे कूदे प्रेमी युगल, दोनों के सिर धड से हो गए अलग

आगरा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में बुधवार की सुबह प्रेमी युगल ने ट्रेन के आगे छलांग दे दी। पल भर में दोनों के सिर धड़ों से अलग हो गए। ग्रामीणों ने लाशें देखीं तो उनकी रूह कांप गई। खबर फैली तो आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना थाना व रेलवे पुलिस को दी गई। घटना अछनेरा थाना क्षेत्र के नागर गांव के पास की है। यहां आगरा-जयपुर रेलवे लाइन पर पोल संख्या 15/2 के पास प्रेमी युवल के शव मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाई।

बिहार के सरकारी शिक्षकों के लिए गुड न्यूज

ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए बनी कमेटी; कब होंगे इधर से उधर

पटना, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में सरकारी शिक्षकों के तबादले और नियुक्ति को लेकर नई व्यवस्था बनने जा रही है। शिक्षा विभाग इसके लिए खाका तैयार कर रहा है। विभाग ने शिक्षा सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाया है। इस कमेटी में चार सदस्य हैं। यह कमेटी 15 दिनों में अपनी रिपोर्ट देगी। कमेटी शिक्षकों के तबादले और नियुक्ति के साथ-साथ अनुकंपा नियुक्ति और अवकाश तालिका के लिए भी सुझाव देगी। शिक्षा विभाग के निदेशक (प्रशासन) सह अपर सचिव सुबोध कुमार चौधरी ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

पदस्थापन को लेकर स्पष्ट नीति नहीं

दरअसल, इस वक्त बिहार में लगभग तीन लाख नियोजित शिक्षकों का चयन विशिष्ट शिक्षक के रूप में हुआ है। इनके पदस्थापन को लेकर कोई स्पष्ट नीति नहीं होने से परेशानी हो रही है। नई नीति बनने से यह समस्या दूर होगी। नियोजित शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक के रूप में चयनित होने के बाद उनके पदस्थापन को लेकर कोई स्पष्ट नियम नहीं हैं। पहले से नियोजित शिक्षक के तौर पर

उन्हें जो स्कूल आवंटित थे, क्या विशिष्ट शिक्षक बनने के बाद भी उन्हें वहीं पर रखा जाएगा? इसको लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

माथापच्ची कर रहा शिक्षा विभाग

शिक्षकों के तबादले को लेकर शिक्षा विभाग पहले से ही माथापच्ची कर रहा था। लेकिन इस बारे में कोई एक राय नहीं बन पा रही थी। शिक्षक संघ भी चाहते हैं कि तबादले में शिक्षकों की सुविधा का ध्यान रखा जाए। शिक्षा विभाग सॉफ्टवेयर के माध्यम से शिक्षकों का तबादला करने की योजना बना रहा था। लेकिन इससे बहुत सारे शिक्षकों का तबादला उनके गृह जिले से बहुत दूर होने की संभावना थी। इससे नई समस्याएं खड़ी हो सकती थी। इसके अलावा अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति को लेकर भी काफी दिक्कतें सामने आ रही हैं। इसके लिए आवेदन तो बहुत हैं, लेकिन पद बहुत कम हैं। नई नीति में इस समस्या का भी समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी।

छुट्टी को लेकर भी नई व्यवस्था

शिक्षा विभाग अवकाश तालिका को लेकर भी नई व्यवस्था बनाने की तैयारी कर रहा है। खबर है कि इसे और अधिक व्यावहारिक बनाया जाएगा। इसके तहत मातृत्व अवकाश, पितृत्व अवकाश, चिकित्सा अवकाश, शिशुपालन अवकाश और अध्ययन अवकाश को लेकर नई नीति बनाई जाएगी। ताकि अधिक से अधिक शिक्षकों को लाभ मिल सके।

बिहार में फिर से पुल हादसा

बैक टू बैक तीन पुल ध्वस्त; कई गांव के लोग परेशान

सीवान, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में फिर से पुल हादसा हुआ है। सीवान में बैक टू बैक तीन पुल ध्वस्त हो गए। लगातार बारिश के कारण कुछ ही घंटों में तीन पुल गिरने से कई गांवों के बीच संपर्क टूट गया है। पहली घटना महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा गांव और देवरिया गांव के बीच की है। यहां गंडक नदी पर बना 35 साल पुराना पुल का का एक पाया धंसने लगा। देखते ही देखते पुल गंडक नदी में समा गया।

कई गांवों के बीच संपर्क बाधित

दूसरी घटना महाराजगंज प्रखंड के तेवथा पंचायत की है। नौतन और सिकंदरपुर गांव के गंडक नदी पर बना पुल गिर गया। वहीं तीसरा पुल धीमही गांव में गंडक नदी में बना था। यह भी धाराशायी हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले इस पुल की मरमत भी हुई थी। उसके बाद भी यह पुल टूट गया है। पानी के तेज बहाव के कारण बताया जा रहा है। हादसे के बाद कई गांव के बीच आवागमन बाधित हो गया है। इलाके में हड़कंप मच गया। लोग पुल के निर्माण कार्य पर सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है यह पुल 35 से 40 साल पुरानी थी। हजारों लोगों के आने-जाने का मात्र एक यही साधन था। जो अब पूरी तरह से टूट गया है। ग़नीमत रही कि इस हादसे में जानमाल की कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

इससे पहले 22 जून को गिरा था पुल

इस हादसे के पहले 22 जून को महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और गरौली गांव के बीच गंडक नहर पर पुल अचानक गिर गया था। हादसे के बाद दो गांव के बीच आवागमन बाधित हो गया है। इलाके में हड़कंप मच गया। लोग पुल के निर्माण कार्य पर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि 30 साल पहले बिहार सरकार ने इस पुल का निर्माण करवायाा। कुछ दिन पहले ही विभाग नहर की सफाई करवाई गई थी। साथ ही नहर की मिट्टी काटकर नहर के बांध पर फेंक दी गई थी।

28 जून को मधुबनी में हुआ था हादसा

वहीं इससे पहले मधुबनी जिले के मधेपुर प्रखंड के भेजा कोशी बांध चौक से महपतिया मुख्य सड़क में ललवारही निकट का है। ग्रामीणों का कहना है कि गार्डर के लिए शटरिंग का काम चल रहा था।

कर्नाटक सीएम ने पत्नी को गैरकानूनी ढंग से दी जमीन- बीजेपी, सिद्धारमैया ने किया इनकार

बेंगलूरू, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक बीजेपी ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर जमीन घोटाला करने का आरोप लगाया है। उनपर पत्नी के नाम पर गैरकानूनी ढंग से जमीन ट्रांसफर करने का आरोप लगा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को 'गोलमाल' मुख्यमंत्री बताते हुए विपक्ष के नेता आर। अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी पत्नी के नाम पर अवैध रूप से भूमि आवंटित किए जाने के आरोपों से बच नहीं सकते हैं।

आर अशोक ने इल्जाम लगाते हुए कहा, 'मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के संबंधित अधिकारियों का सिर्फ तबादला किया गया है, उन्हें निलंबित नहीं किया गया है। आप किसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं।' आर अशोक ने कहा कि घोटाले को दबाने के लिए दो आईएएस अधिकारियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा, जमीन घोटाले और भ्रष्टाचार के मामलों को सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए या ऐसे आयोग को दिया जाना चाहिए, जिसका अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश हो।

उन्होंने यह भी पूछा कि सिद्धरामैया की पत्नी के लिए भूमि आवंटित करते समय 50:50 के फार्मूले को अपनाने की अनुमति किसने दी और आवंटन करते समय, भूमि को उच्च स्तरीय इलाकों में क्यों आवंटित किया गया। उन्होंने पूछा, इस संबंध में सिफारिशें किसने कीं? मंत्रिमंडल की सहमति के बिना, भूमि आवंटित करने का अधिकार किसने दिया? क्या मुख्यमंत्री की जानकारी के बिना इतने बड़े पैमाने पर घोटाला हो सकता है?

बीजेपी के कार्यकाल के दौरान ही आवंटित की गई थी जमीन- मुख्यमंत्री

आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें इस बारे में कुछ भी नहीं पता है कि भूमि किसने और कैसे आवंटित की। यह भूमि हमें बीजेपी के कार्यकाल के दौरान ही आवंटित की गई थी। मेरी पत्नी की संपत्ति 3.16 एकड़ है जो रिंग रोड के पास स्थित है। 50:50 का फार्मूला बीजेपी ने दिया था। हमारी 3.16 एकड़ जमीन का अधिग्रहण नहीं किया गया था। मुडा ने साइटें बनाईं और उन्हें वितरित किया।

क्या उन्हें इसे हमें वापस नहीं देना चाहिए? कानून के अनुसार, मुडा 50:50 बंटवारे में साइटें देने के लिए सहमत हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका परिवार इससे सहमत था और जब भाजपा सत्ता में थी, तो मुडा ने उनके परिवार को मुआवजा देने के लिए कहा था। मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने हमें अलग-अलग जगहों पर साइटें आवंटित की थीं। इसमें क्या गलत है? जब हमने पूछा, तो मुडा ने कहा कि हम 50:50 देंगे, आवंटन अलग-अलग जगहों पर किए गए थे। उन्होंने स्पष्ट किया, यह जमीन का टुकड़ा मेरे बहनोई मल्लिकार्जुन ने खरीदा है। उन्होंने एक उपहार के तौर पर मेरी पत्नी को जमीन दी। मुडा ने, जान बुझ कर या अनजाने में, इसे साइटों में बदल दिया और लोगों को दे दिया। यह मुडा की संपत्ति बन गई और हमें मुआवजा दिया। वहीं सरकार ने मुडा के माध्यम से मैसूर शहर में साइटों के आवंटन में आरोपों की जांच का आदेश दिया है और चार सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया है।

शहरी विकास मंत्री भैरथी सुरेश ने उच्च स्तरीय आपातकालीन बैठक बुलाकर 50:50 के फॉर्मूले के तहत बांटी गई जमीनों को रद्द करने की घोषणा की थी। घोटाले के सिलसिले में मुडा कमिश्नर समेत चार अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि जमीन घोटाले के सिलसिले में अधिकारियों का तबादला सबूत मिटाने से रोकने के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री के परिवार की संलिप्तता पर परमेश्वर ने कहा कि आरोपों को सच नहीं माना जा सकता और जांच से ही सच्चाई सामने आएगी।

'लाडली बहना योजना' का लाभ उठाने के लिए डॉक्यूमेंट जमा करने पहुंची महिलाओं से लिए गए पैसे

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने 'लाडली बहना योजना' के तहत महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये देने का प्रावधान किया है। तमाम महिलाएं सरकारी कार्यालय में जाकर इस योजना का फायदा लेने के लिए कागजात जमा कर रही हैं। इस बीच, अमरावती जिले से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें पटवारी प्रत्येक महिलाओं से 50-50 रुपये कागजात जमा करने के लिए ले रहा है। वीडियो सामने आने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

दरअसल, अमरावती जिले के वरुण तालुका में सावंगी गांव के पटवारी तुलसीराम कंठाले को महिलाओं से 50-50 रुपये वसूलते हुए देखा गया है। जो महिलाएं लाडली बहना योजना का लाभ उठाने के लिए अपने कागजात जमा करने जा रही हैं, उनसे 50-50 रुपये की मांग की गई। पैसे लेते हुए वीडियो वायरल होने के बाद अमरावती के कलेक्टर सौरभ कटारिया ने पटवारी को तत्काल सस्पेंड कर दिया है।

भाजपा एमपी कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली महिला कर्मी का ट्रांसफर, सस्पेंड हैं कुलविंदर

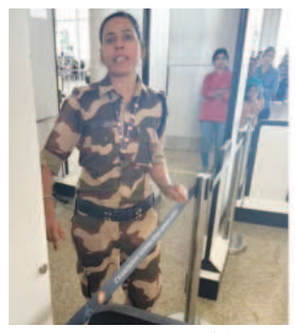

चंडीगढ़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रनौत को शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट चंडीगढ़ पर थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ महिला जवान का तबादला किया गया है। महिला कर्मी कुलविंदर कौर को चंडीगढ़ एयरपोर्ट से बेंगलूरु ट्रांसफर किया गया है। हालांकि अभी तक महिला जवान को बहाल नहीं किया गया है। कुलविंदर कौर अभी ड्यूटी से सस्पेंड चल रही हैं और उनके खिलाफ विभागीय जांच जारी है। शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट चंडीगढ़ पर 7 जून को हिमाचल के मंडी से भाजपा सांसद व बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) की महिला जवान कुलविंदर ने थप्पड़ मार दिया था। कंगना रनौत थप्पड़ कांड के बाद सीआईएसएफ की महिला जवान कुलविंदर को सस्पेंड कर दिया गया था। सूत्रों की मानें तो इस थप्पड़ कांड की जांच के लिए स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई थी। एसआईटी ने मामले की जांच पूरी कर ली है और रिपोर्ट अधिकारियों को सौंप दी है। घटना 7 जून 2024 की है। हिमाचल के मंडी की सांसद कंगना रनौत चंडीगढ़ एयरपोर्ट से दिल्ली जाने के लिए पहुंची थी। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर चेकिंग के दौरान ड्यूटी पर तैनात महिला सुरक्षा कर्मी कुलविंदर कौर ने कंगना को थप्पड़ मार दिया था। कुलविंदर कौर कंगना रनौत के किसान आंदोलन को लेकर दिए गए बयान से गुस्से में थी। इसी के चलते उसने कंगना को एयरपोर्ट पर थप्पड़ जड़

इमरती ने अपनी ही सरकार पर उठाए सवाल, नए कानून पर विवादित बयान

भोपाल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। विवादों से अक्सर चर्चाओं में रहने वाली पूर्व मंत्री इमरती देवी एक बार फिर विवादित बयान को लेकर चर्चा में हैं। इमरती ने प्रदेश में लागू किए गए नए कानून को लेकर सवाल उठा दिए हैं। उनका मानना है कि न्याय पहले भी गरीब और कमजोर लोगों से दूर था, नए कानून आने से भी स्थिति में कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। प्रदेश में एक जुलाई से लागू किए गए नए कानून को लेकर प्रदेशभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पूर्व मंत्री इमरती देवी भी ऐसे ही एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थीं। जहां उन्होंने एक विवादित बयान देकर अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। नए कानून के जागरूकता कार्यक्रम में इमरती देवी ने पुलिस अधिकारियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पुलिस कहती है कि मामले में तहकीकात करेंगे,

हाथरस की घटना पर सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का बड़ा बयान

'सत्संग करने वाले बाबा पर भी कार्रवाई होनी चाहिए

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस जिले के सिकंदराराऊ इलाके में सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में अबतक 121 लोगों की मौत हो चुकी है। इस पूरी घटना पर उद्धव ठाकरे गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का बड़ा बयान सामने आया है। शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, यह दुखद है जिस तरीके से यह घटना घटी है। मैं उम्मीद करती हूं कि राज्य सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आयोजकों के साथ ही जो सत्संग करने वाले बाबा हैं उन पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। आज कल हम देख रहे हैं कि लोगों की जान का कोई मोल नहीं है। इस मामले में पुलिस ने 'मुख्य सेवादार' और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

आज आएगा राजधानी के हाजियों का पहला जत्था

भोपाल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अकीदत के सफर का करीब सवा महीना पूरा कर हाजियों की घर वापसी शुरू हो गई है। प्रदेश के करीब 7227 हाजियों में से पहली फ्लाइट में करीब 159 हाजी इंदौर पहुंच चुके हैं। भोपाल के हाजियों की वापसी का सिलसिला शुक्रवार से शुरू होने वाला है। यहां कुल दो फ्लाइट से करीब 320 हाजी आएंगे। प्रदेश के बाकी हाजियों की वापसी फ्लाइट मुंबई एयरपोर्ट पर 15 जुलाई से आना शुरू हो जाएंगी। प्रदेश हज कमेटी के मार्फत पर हज यात्रा पर गए हाजियों ने तीन इंबोर्केशन पॉइंट्स से सफर पूरा किया था। इनमें इंदौर से एक और भोपाल एयरपोर्ट से दो फ्लाइट से प्रदेश के हाजी सऊदी अरब पहुंचे थे। बाकी हाजियों ने मुंबई एयरपोर्ट से सफर शुरू किया था। प्रदेश के हाजियों की वापसी के सिलसिले में पहली फ्लाइट इंदौर आ चुकी है। इसके बाद शुक्रवार शाम को पहली फ्लाइट भोपाल एयरपोर्ट पर पहुंचेगी। इसमें करीब 177 हाजियों की वापसी होगी। हज कमेटी सूत्रों ने बताया कि हाजियों का दूसरा जत्था शनिवार शाम को भोपाल आएगा। इस फ्लाइट में करीब 143 हाजी शामिल होंगे।

पीएम ने मणिपुर के प्रति नहीं दिखाई संवेदना उनका व्यवहार निष्ठुर था- कांग्रेस

इंफाल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में हुई हिंसा सरकार के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष सरकार पर लगातार हमला करता रहा है। वहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर को लेकर मोदी सरकार को जमकर घेरा। इस बीच बुधवार 3 जुलाई को कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए उन्हें मणिपुर के प्रति निष्ठुर व्यवहार करने वाला बताया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने मंगलवार 2 जुलाई को लोकसभा में मणिपुर के प्रति निष्ठुर व्यवहार दिखाया और राज्य के प्रति कोई संवेदना व्यक्त नहीं की। पार्टी का कहना है कि इस वजह से सदन में हंगामे की स्थिति बनी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई का कहना है कि अगर लोकसभा में बाहरी मणिपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद को बोलने का मौका दिया जाता तो सदन से मणिपुर के लिए अच्छा संदेश जाता।

सांसद अलफ्रेड आर्थर को सदन में बोलने का नहीं मिला मौका

दरअसल कांग्रेस चाहती थी कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर निचले सदन में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी जवाब दें। उससे पहले बाहरी मणिपुर संसदीय क्षेत्र से आने वाले पार्टी के सांसद अलफ्रेड आर्थर को सदन में बोलने की इजाजत मिले लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आसन से सांसद अल्फ्रेड को सदन में बोलने की अनुमति नहीं मिली जिस पर कांग्रेस ने नाराजगी जाहिर की है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने पीएम मोदी के भाषण के दौरान सदन में जमकर नारेबाजी की।

'सदन से मणिपुर के लोगों को गलत संदेश जाएगा'

पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस सासंद गौरव गोगोई ने कहा कि मंगलवार को सदन के अंदर क दुखद नजारा देखने को मिला। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिप्रक्ष राहुल गांधी ने इस बात को उठाया था कि मणिपुर के दोनों सांसदों को अपनी बात सदन में रखनी चाहिए। सासंद गोगोई ने कहा कि राहुल गांधी जानते थे कि अगर दोनों सांसदों को अपनी बात रखने का एक समान मौका नहीं मिलेगा तो ऐसे में मणिपुर के लोगों तक सदन से एक गलत संदेश जाएगा।

'मणिपुर की व्यथा सुनना नहीं चाहते पीएम मोदी'

सांसद गोगोई ने कहा कि आंतरिक मणिपुर के सांसद को सदन में अपनी बात रखने का मैका मिला और उन्होंने अपनी बात रखी। ऐसे में पार्टी चाहती थी कि बाहरी मणिपुर के सांसद को भी बोलने का मौका दिया जाए। लेकिन दुख की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर की व्यथा सुनना ही नहीं चाहते हैं। पीएम पर निशाना साधते हुए गोगोई ने कहा कि सदन में पीएम ने दो घंटे भाषण दिया इस दौरान उन्होंने पुरानी घिसी पिटी बातें की लेकिन मणिपुर के मुद्दे पर कुछ नहीं बोला। उन्होंने कहा कि पीएम में एक सांसद को सुनने धैर्य नहीं था न ही उन्होंने मणिपुर के लिए कोई संवेदना और सहानुभूति जताई। यही वजह है कि इंडिया गठबंधन के लोगों ने साथ में मणिपुर के लिए न्याय की आवाज उठाई।

पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर किया तंज तो संजय राउत बोले

हम इसलिए कहते हैं कि संविधान खतरे में हैं

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राहुल गांधी पर दिए गए बयान को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने वार किया है। राज्यसभा सांसद राउत ने कहा कि जैसे नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं वैसे ही राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं। प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता का सम्मान नहीं करेंगे और इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, हम इसलिए कहते हैं कि संविधान खतरे में हैं और मोदी-शाह संविधान के हत्यारे हैं। संजय राउत ने कहा, "आप राहुल गांधी की बात का प्रतिवाद कर सकते हैं, अगर उनकी बाल बुद्धि है तो आपकी बुद्धि क्या है। जनता ने आपको सबक सिखाया है, आपने अपना बहुमत गंवाया है और इसके लिए राहुल गांधी जिम्मेदार हैं। इसलिए आपका उनके लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना सही नहीं है।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में कहा कि देश में इन दिनों सहानुभूति का खेल और 'बालक बुद्धि' का विलाप जारी है, इसे कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए पीएम मोदी ने कहा, "बालक बुद्धि में न बोलने का ठिकाना होता है, न व्यवहार का ठिकाना और जब उनकी (बालक) बुद्धि पूरी तरह (सिर पर) सवार हो जाती है तो वह सदन में किसी के भी गले पड़ जाते हैं और आंखें भी मारते हैं।" पीएम ने कहा, ''आज देश यह कह रहा है कि तुमसे न हो पाएगा।'' उन्होंने तुलसीदास को उद्धृत करते हुए कहा, ''झूठई लेना, झूठई देना, झूठई भोजन, झूठई चबेना।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने असत्य को राजनीति का हथियार बनाया और उसके मुंह झूठ का खून लग गया है।

जम्मू-कश्मीर में सेना ने बस खाई में गिरने से बचाई

ब्रेक फेल हुआ, लोग कूदने लगे; जवानों ने पहियों के नीचे पत्थर रखकर रोकी

श्रीनगर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बनिहाल में एनएच-44 पर भारतीय सेना की सूझबूझ से एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई। यहां मंगलवार (2 जुलाई) को अमरनाथ यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक बस का ब्रेक फेल हो गया। हाईवे के किनारे गहरी खाई थी। बस में 45 लोग सवार थे, जो अमरनाथ से पंजाब लौट रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बनिहाल के पास नचलाना पहुंचने पर ड्राइवर को ब्रेक फेल होने का पता चला। बस काफी स्पीड में थी। ड्राइवर ने बस से कंट्रोल खो दिया था, जिससे गाड़ी तेजी से खाई की तरफ बढ़ने लगी। इससे बस में सवार यात्री दहशत में आ गए। जान बचाने के लिए यात्री चलती बस से कूदने लगे। इसी दौरान सेना और पुलिस के जवानों ने बस की स्पीड को कम करने की कोशिश की। उन्होंने बस के पहियों के नीचे पत्थर रख दिए। इससे बस रुक गई और खाई में गिरने से बच गई। इस तरह एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें सेना के जवान बस के पीछे भागते हुए नजर आए। पुलिस ने बताया कि बस अमरनाथ से पंजाब के होशियारपुर जा रही थी। हादसे में 10 लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। घायलों में 6 पुरुष और 3 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। इनमें से कुछ को गंभीर चोटें भी आई हैं। पिछले तीन दिनों के दौरान अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं के साथ एक्सीडेंट की यह दूसरी घटना है। इस घटना से दो दिन पहले 30 जून को पहलगाम के पास चंदनवाड़ी में अमरनाथ यात्रियों को ले जा रही एक कार का एक्सीडेंट हो गया था। इसमें दो श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए हर साल होने वाली पवित्र अमरनाथ यात्रा शनिवार (29 जून) से शुरू हो गई। पहले दिन 14 हजार यात्रियों ने अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। 52 दिन की यात्रा 19 अगस्त को खत्म होगी।

3 टियर सुरक्षा, 38 से ज्यादा कंपनियां तैनात

अमरनाथ यात्रा अनंतनाग में पारंपरिक 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल में 14 किलोमीटर छोटे, लेकिन कठिन बालटाल मार्ग से गुजरेगी। अनंतनाग जिले में 3 हजार 880 मीटर ऊंचाई पर स्थित बाबा बर्फानी के दर्शन करेंगे। इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए 3.50 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। जम्मू-कश्मीर के रियासी में 9 जून को श्रद्धालुओं की बस पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इस घटना को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दोनों रूट के हाई सिक्योरिटी पॉइंट्स पर पुलिस की 13, एसडीआरएफ की 11, एसडीआरएफ की आठ, बीएसएफ की चार और सीआरपीएफ की दो टीमों की तैनाती है।

जीतू पटवारी के 'चाशनी' वाले बयान पर अब क्या होगा? इमरती देवी से जुड़ी एफआईआर का है मामला

भोपाल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के पूर्व मंत्री इमरती देवी के खिलाफ विवादित बयान से जुड़े मामले में मंगलवार (2 जुलाई) को हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान शासन की ओर से केस डायरी पेश नहीं की गई। जस्टिस संजय द्विवेदी की सिंगल बेंच ने 8 जुलाई को सुनवाई की अगली तारीख तय करते हुए केस डायरी पेश करने के निर्देश दिए। बता दें, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के एक बयान पर पूर्व मंत्री इमरती देवी ने उनके खिलाफ ग्वालियर के डबरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया था, जिसे चुनौती देते हुए जीतू पटवारी ने हाई कोर्ट की शरण ली है। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नोटिस जारी कर शासन को केस डायरी पेश करने कहा था। जीतू पटवारी की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि उन्होंने जो बयान दिया था, उसमें उन्होंने किसी प्रकार की जाति सूचक टिप्पणी नहीं की थी। इसके अलावा उनका ऐसा कोई इरादा नहीं था, जिसका उल्लेख एफआईआर में दर्ज किया गया है। बयान देने के आठ घंटे बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी भी मांग ली थी। माफी मांगने के घंटों बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट विभोर खंडेलवाल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत गैर जमानती अपराध नहीं बनता है। केस में दर्ज की गई अन्य धाराएं जमानती हैं। बिना किसी साक्ष्य के आधार पर उनके खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

गौरतलब है कि ग्वालियर में लोकसभा चुनाव के दौरान जीतू पटवारी ने पूर्व मंत्री इमरती देवी को लेकर बयान देते हुए कहा था कि 'देखो ऐसा है, अब अंदर जो चाशनी होती है उसका रस खत्म हो गया है।' इसके बाद विवाद बढ़ने पर जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर सफाई पेश की। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मेरे एक बयान को तोड़-मरोड़ कर, गलत संदर्भ में प्रस्तुत किया जा रहा है।

वैष्णव ने एआई से उत्पन्न जोखिमों और खतरों से निपटने के लिए वैश्विक सामूहिक प्रयासों का किया आह्वान

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि दुनिया में सभी देश और समाज एआई से उत्पन्न होने वाले नए खतरों तथा जोखिमों को लेकर जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी चुनौतियों का प्रभावी समाधान केवल सामूहिक वैश्विक प्रयासों से ही मुमकिन है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री ने कहा कि 'इंडिया एआई मिशन' जिसे इस वर्ष की शुरुआत में मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी, उसे अगले दो से तीन महीने में पेश किया जाएगा। वैष्णव ने 'ग्लोबल इंडिया एआई समिट' में कहा, "पूरा 'पैकेज' पूरा एआई मिशन जिसे कुछ महीने पहले मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। दल उसकी नींव और सभी सात स्तंभों को स्थापित करने पर काम कर रहा है। संभवतः दो से तीन महीने में हम इस मिशन को पेश कर देंगे।" गौरतलब है कि मंत्रिमंडल ने इस वर्ष मार्च में 'इंडिया एआई मिशन' के लिए 10,300 करोड़ रुपए से अधिक के आवंटन को मंजूरी दी थी। यह भारत के एआई परिवेश को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अगले पांच वर्षों में दिए जाने वाले इस वित्तीय निवेश का मकसद 'इंडिया एआई मिशन' के विभिन्न घटकों को बढ़ावा देना है, जिसमें 'इंडिया एआई कंप्यूट कैपेसिटी', 'इंडियाएआई इनोवेशन सेंटर' (आईएआईसी), 'इंडियाएआई डेटासेट प्लेटफॉर्म', 'इंडियाएआई एप्लिकेशन डेवलपमेंट इनिशिएटिव', 'इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स', 'इंडियाएआई स्टार्टअप फाइनेंसिंग' और सुरक्षित तथा विश्वसनीय एआई जैसे क्षेत्र शामिल हैं। वैष्णव ने बुधवार को कहा कि एआई मिशन में भारत का दृष्टिकोण प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करना होगा। मंत्री ने 'ग्लोबल इंडिया एआई समिट' में अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि बदलाव और सामाज कल्याण के लिए एआई की क्षमता स्पष्ट है। दुनिया भर के देश इस नई प्रौद्योगिकी से होने वाले खतरों तथा जोखिमों को भी पहचानते हैं। उन्होंने कहा कि एआई आर्थिक तथा सामाजिक चुनौतियों के लिए एक बहुत बड़ा साधन हो सकती है।

गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी की मां की मौत, बीमारी के चलते धोखे से दवाई समझकर खा लिया कीटनाशक

सोनीपत, 3 जुलाई (एजेंसियां)। गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी की मां की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार बीमारी के चलते काला जठेड़ी की मां धोखे से दवाई समझकर कीटनाशक दवा खा ली। इससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जहां इलाज के दौरान काला जठेड़ी की मां कमला देवी ने दम तोड़ दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कमला देवी के शव का कल अंतिम संस्कार होगा। संदीप उर्फ काला जठेड़ी कल अपनी मां कमला देवी की अंतिम यात्रा में शामिल हो सकता है।

बीजेपी की महिला विधायक का चुनाव हो सकता है शून्य, हाईकोर्ट ने लगाई 50 हजार की कास्ट

खंडवा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। खंडवा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर जीत दर्ज कराने वाली महिला विधायक कंचन मुकेश तनवे के जाति प्रमाण पत्र को चैलेंज करते हुए उनके चुनाव को रद्द करने से संबंधित एक याचिका जबलपुर हाईकोर्ट में लगाई गई है। यह याचिका खंडवा से कांग्रेस नेता कुंदन मालवीय ने लगाई है, जिन्होंने भाजपा की कंचन मुकेश तनवे के विरुद्ध कांग्रेस पार्टी से विधायक का चुनाव लड़ा था। बताया जा रहा है कि चुनाव के समय विधायक तनवे ने जो जाति प्रमाण पत्र पेश किया था, उसमें पिता की जगह पति का नाम लिखा हुआ है, जो मान्य नहीं होता है। इसकी शिकायत भी चुनाव आयोग से की गई थी और उसी को लेकर जनवरी माह में एक रिट पीटिशन जबलपुर हाईकोर्ट में लगाई गयी थी । वहीं पिटीशन लगाने वाले कुंदन मालवीया ने बताया कि जब कंचन मुकेश तनवे खण्डवा जिला पंचायत का चुनाव लड़ रही थीं, तब रिटर्निंग आफिसर ने उन्हें इसको लेकर एक नोटिस दिया था कि, आपका जाति प्रमाण पत्र प्रॉपर नहीं है, लेकिन उन्होंने एक शपथपत्र देकर बताया था कि अभी हमारे पास समय नहीं है कि हम जाति प्रमाणपत्र पेश कर सकें, इसलिये हमारे शपथ पत्र को स्वीकार करते हुए हमारी चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं। जिसके बाद जीत दर्ज कर वे जिला पंचायत अध्यक्ष बन गयीं, लेकिन वे सही प्रमाण पत्र पेश नहीं कर पायीं। यही नहीं, इसके बाद जब दोबारा उन्होंने खंडवा विधानसभा का चुनाव लड़ा था तब भी उन्होंने दोबारा वही जाति प्रमाण पत्र पेश किया था और उसके बाद वे जीतकर विधायक बन गईं, लेकिन हमने जब इस संबंध में जानकारी निकली तो यह फैक्ट सामने आये कि भले ही कोई विवाहित महिला ही हो, लेकिन उसका भी जाति प्रमाणपत्र पिता की जगह पति के नाम से ही होना बनाया जाता है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के जो निर्देश हैं, वे सब जगह एक जैसे ही हैं, जिनके अनुसार जाति प्रमाण पत्र और पेन कार्ड पर पिता का ही नाम आता है। बता दें कि इसी नियम को आधार बनाकर कुंदन मालवीया ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी कि, इनका जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं है। अतः इनके चुनाव को शून्य किया जाए। हालांकि हाईकोर्ट की करीब तीन से चार सुनवाई के दौरान खंडवा विधायक कोर्ट में उपस्थित नहीं हो सकी और ना ही उनकी ओर से कोई अधिवक्ता उपस्थित हुए थे। बताया जा रहा है कि इसको लेकर कोर्ट इससे नाराज थी और जब सोमवार को सुनवाई के दौरान विधायक की ओर से उनके अधिवक्ता कोर्ट के सामने पेश हुए तो, उन पर 50000 रुपये की कास्ट लगाई गई।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 4 जुलाई- 2024

महंगाई की मार से आम जनता लाचार

अशोक भाटिया

देश में महंगाई की मार से आम जनता परेशान है. सब्जियों के दाम में भी कमी और उछाल का दौर जारी है. चावलों के दाम बढ़ने के बाद सरकार ने चावलों के निर्यात पर बैन लगा दिया था. जिसके बाद चावल की कीमत तो नियंत्रण में आ गई. लेकिन अन्य वस्तुओं के दाम बढ़ते जा रहे हैं. अभी तक लगातार गर्मी के चलते दाल, राजमा, मटर जैसी चीजों के दाम में उछाल जारी है.फुटकर में टमाटर 120 रुपये प्रति किलो और हरी मिर्च 150 रुपये प्रति किलो तक बिक रहे हैं। भिंडी, अरबी, तोरई, बैंगन 80 रुपये किलो पर पहुंच गए हैं। लौकी 50 रुपये किलो है। अधिकतर हरी सब्जियां आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। कुछ सब्जियां क्षेत्र के हिसाब से भी महंगी हैं।

केवल भारत में ही नहीं दुनिया भर में जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है वो किसी से छुपी नहीं है। बढ़ती कीमतों ने लोगों की समस्याओं को और बढ़ा दिया है, जिसका सबसे ज्यादा खामियाजा समाज के गरीब तबके को उठाना पड़ रहा है। इस पर संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास संगठन (यूएनसीटीडी) द्वारा जारी ताजा विश्लेषण से पता चला है कि खाद्य कीमतों में 10 फीसदी के उछाल से, निर्धन परिवारों की आय में 5 फीसदी की गिरावट आ जाती है। देखा जाए तो यह राशि इतनी है जितनी वो परिवार आमतौर पर अपनी स्वास्थ्य देखभाल सम्बन्धी जरूरतों पर खर्च करता है। यूएनसीटीडी के अनुसार दुनिया भर में तेजी से आसमान छूती महंगाई और बढ़ता कर्ज बड़ी समस्या बन चुका है। इसके साथ-साथ खाद्य पदार्थों और ऊर्जा साधनों की बढ़ती कीमतों के चलते करोड़ों लोग जीवन यापन के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। दो साल तक महामारी जूझने के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति भी तब से ख़राब चल रही है।

ऊपर से यूक्रेन में जारी युद्ध और जलवायु में आते बदलावों ने स्थिति को बद से बदतर बना दिया है। आंकड़ों की मानें तो आज 60 फीसदी मजदूरों की वास्तविक आय महामारी से पहले की तुलना में कम है। इतना ही नहीं दुनिया के 60 फीसदी सबसे कमजोर देश कर्ज के दलदल में फंसे हुए हैं। अनुमान है कि अफ्रीका में 5.8 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बस थोड़ा ऊपर हैं। वहीं वैश्विक स्तर पर 410 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा के दायरे से बाहर हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड' से पता चला है कि 2021 में करीब 82.8 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार थे। यह आंकड़ा कितना विशाल है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यह भारत की करीब 59 फीसदी आबादी के बराबर है।

वहीं 230 करोड़ लोगों को दो जून की रोटी भी नसीब नहीं हो रही है। जिन लोगों को खाना मिल भी रहा है उनकी स्थिति भी कोई ख़ास अच्छी नहीं है। पता चला है कि स्वस्थ आहार दुनिया में 310 करोड़ लोगों की पहुंच से बाहर है।खा जाए तो एफएओ द्वारा जारी फूड प्राइस इंडेक्स करीब-करीब रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है और पिछले साल की तुलना में इस समय 20.8 फीसदी ज्यादा है। यही हाल ऊर्जा क्षेत्र का भी है। जहां कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई है। वहीं ऊर्जा कीमतों में भी 2021 की तुलना में इस साल 50 फीसदी वृद्धि की आशंका है। ऐसा ही कुछ उर्वरकों के साथ भी हो रहा है जिनकी कीमतें 2000 से 2020 के औसत की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा हो चुकी हैं।

देखा जाए तो एशिया और अफ्रीका में रहने वाले 9 करोड़ लोग, जो पहले बिजली इस्तेमाल कर रहे थे अब स्थिति यह है वो अपनी ऊर्जा सम्बन्धी बुनियादी जरूरतों का भुगतान नहीं कर सकते हैं। इस तरह जलवायु परिवर्तन के चलते हर साल करीब 2 करोड़ लोगों को मजबूरी में विस्थापित होना पड़ रहा है। अनुमान है कि जलवायु से जुड़ी आपदाओं की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था को हर साल 41.6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है।नतीजन इसका असर न केवल खाद्य उत्पादों की बढ़ती कीमतों पर पड़ रहा है साथ ही उत्पादन में भी गिरावट आ रही है। यह सब कुछ यहीं तक ही सीमित नहीं रहेगा, इसका असर अगले सीजन में भी बढ़ी कीमतों के रूप में सामने आएगा।यदि आम लोगों के जनजीवन पर पड़ते असर की बात करें तो बढ़ती महंगाई का मतलब है कि खाद्य उत्पादों और ऊर्जा कीमतों में इजाफा आ जाएगा, जिसका असर लोगों की वास्तविक आय पर पड़ेगा। उनके रहनसहन के स्तर में गिरावट आ जाएगी, जो अगले चलकर उनके भविष्य की संभावनाओं को भी प्रभावित करेगा।

अनुमान है कि इसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं और लड़कियों पर पड़ेगा। इसकी वजह से सामाजिक रुपरेखा में जो दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगें वो चिंताजनक हैं। बढ़ती गरीबी से लेकर असमानता की खाई कहीं ज्यादा गहरी हो जाएगी। शिक्षा के स्तर और उत्पादकता में गिरावट आ जाएगी, साथ ही लोगों की मजदूरी भी कम हो जाएगी। इसका असर सरकारों की इस तरह के संकटों से निपटने की क्षमता पर भी पड़ेगा जिससे सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है।इस स्थिति से निपटने के लिए जहां कुछ परिवारों को अपने भोजन की गुणवत्ता से समझौता करना पड़ सकता है। वहीं बच्चों को शिक्षा से वंचित होने से लेकर स्वास्थ्य सम्बन्धी खर्चों के साथ समझौता करना पड़ रहा है। ऐसे में जब परिवार अपने खर्चों में कटौती करने की कोशिश करेंगें तो वो सस्ते उत्पादों की तरफ जाएंगें, जिनकी गुणवत्ता उतनी बेहतर नहीं होगी। नतीजन यह उन्हें आगे चलकर कहीं ज्यादा महंगा पड़ेगा।

इस मामले में यूएनसीटीडी की महासचिव रिबेका ग्रिन्सपैन का उपभोक्ता संरक्षण पर हाल में हुई बैठक में कहना था कि सरकारों को अपने उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए दीर्घकालीन मिशन को जारी रखने की जरुरत है। संगठन का कहना है कि एक तरफ विकसित देश हैं जिन्होंने अपने उत्पाद सुरक्षा ढांचें को मजबूत किया है। इसके लिए उन्होंने कानून उनके क्रियान्वयन, उत्पादों को वापस लेना सहित संचार अभियान जैसे उपायों को शामिल किया है।वहीं दूसरी तरफ विकासशील देशों में इसको लेकर मौजूदा प्रणालियां जर्जर अवस्था में हैं, जो असुरक्षित उत्पादों के अभिशाप को नियंत्रित करने में असमर्थ रही हैं। ज्यादा दुखद यह है कि देश के लगभग सभी राजनैतिक दलों के छोटे से लेकर बड़े नेता सस्ती लोकप्रियता बटोरने के लिए आम जनता का ध्यान भी इन्हीं चीजों की तरफ केन्द्रित करने के प्रयास करते हैं। कैश क्राप्स की कीमत प्रतिदिन सब्जी मंडियों में आने वाली सब्जी की आवक पर निर्भर करती है जिसका सीधा सम्बन्ध किसान से होता है।

किसान के खेत में जितनी उपज होती है वह दैनिक आधार पर मंडी में ले आता है और उस उपज को देखते हुए उस सब्जी या फल के दाम नियत हो जाते हैं। यहां से माल खुदरा बाजार में जाता है और प्रत्येक खुदरा कारोबारी के लाभ के अनुसार उसके दाम बढ़ते जाते हैं। लेकिन असली महंगाई स्थायी उपजों जैसे गेहूं, आटा, चावल, दाल, चीनी, तेल, गुड़ , मसालों, दूध, दही, घी आदि की होती है। उत्तर भारत के गांवों में एक कहावत बहुत प्रचलित हुआ करती थी कि यदि 'गेहूं महंगा तो सब महंगा'। मगर यह संरक्षणात्मक अर्थव्यवस्था के दौर की कहानी है। पिछले तीन दशकों में भारत बहुत बदला है और इसकी अर्थव्यवस्था के मूल मानकों में भारी परिवर्तन आया है। सेवा क्षेत्र का हिस्सा सकल विकास उत्पाद में लगातार बढ़ रहा है। औद्योगिक व उत्पादन क्षेत्र का अंश भी बढ़ रहा है। अतः हमें लोहों से लेकर सीमेंट व अन्य धातुओं के साथ औषधि क्षेत्र व घरेलू टिकाई उपकरणों (बिजली उत्पादों समेत) के उत्पादों की महंगाई की तरफ भी ध्यान देना चाहिए। इन सभी उत्पादों की कीमत बढ़ने का सीधा असर उपभोक्ता सामग्रियों पर पड़ता है।

अर्थात अब अर्थव्यवस्था के समीकरण बदलने लगे हैं। भविष्य में यह चलन और गहरा होगा क्योंकि भारत तरक्की की राह पर चल रहा है और डिजिटल दौर में प्रवेश कर चुका है। अब जाकर हमें अपनी अर्थव्यवस्था के आधारभूत मानकों की तरफ देखना होगा जिनकी वजह से महंगाई पर लगाम कसे जाने की संभावनाएं पैदा होंगी। औद्योगिक उत्पादन से लेकर यदि टिकाऊ घरेलू उपभोक्ता सामग्री का उत्पादन बढ़ रहा है तो हमें ज्यादा फिक्र करने की जरूरत नहीं है और यदि सेवा (पर्यटन समेत) क्षेत्र में भी वृद्धि हो रही है तो सोने पर सुहागा। ये दोनों कारक आय में वृद्धि और उसके वितरण के वाहक होते हैं। बाजार मूलक अर्थव्यवस्था को मोटे तौर पर इससे भी समझा जा सकता है।

परन्तु गैस सिलेंडर से लेकर पेट्रोल व डीजल के दाम इस बात पर निर्भर करते हैं कि सरकारें इनके मूल दामों में किस हद तक उत्पादन शुल्क या बिक्रीकर (वैट) के मामले में समझौता करने को तैयार होती हैं। मगर यह इस बात पर निर्भर करता है कि सरकारों की आमदनी अन्य उत्पादनशील मदों से किस हद तक होती है। पूरा आर्थिक चित्र देखने के बाद यही कहा जा सकता है कि अगले साल के शुरू तक महंगाई का चक्र उल्टा घूमना शुरू हो जाना चाहिए जैसी कि रिजर्व बैंक के गवर्नर की अपेक्षा है। मगर फिलहाल के लिए कुछ न किया जाये तो बेहतर होगा।

हाथरस हादसे पर सवाल

ये तो सही है कि हाथरस जैसी त्रासदियों को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए क्योंकि ऐसी त्रासदियाँ प्रशासन और व्यवस्थापकों की लापरवाही तथा आयोजकों के अंधेपन के कारण होती हैं। हाथरस के पास एक गाँव में हुई इस त्रासदी के बारे में एसडीएम बडी मासूमियत से कह रहे हैं कि अनुमति केवल पचास हज़ार लोगों की माँगी गई थी, लेकिन आ गए 80-90 हज़ार। हो सकता है एसडीएम ही सही हों, लेकिन अब उनसे पूछा जाना चाहिए कि क्या पचास हज़ार लोगों के हिसाब से भी आपने इंतज़ाम किए थे? जानकारी के अनुसार केवल 72 पुलिस वाले ड्यूटी पर तैनात थे। जब पचास हज़ार से ज़्यादा लोग आए तब प्रशासन सो रहा था क्या? छोटे से गाँव में इतने ज़्यादा लोग आए और प्रशासन को भनक ही नहीं लगी? उन्हें किसी अलग स्थान पर रोका क्यों नहीं गया? जहां तक पुलिस का सवाल है, वह तो एसडीएम के बयान को भी झुठला रही है। पुलिस का कहना है कि आयोजकों ने जिस पत्र पर कार्यक्रम की अनुमति माँगी थी, उस पर लोगों की संख्या के बारे में कुछ नहीं लिखा गया था। स्थान ख़ाली छोड़ दिया गया था। अब पुलिस को सही मानें तो बिना संख्या जाने उसने कार्यक्रम की अनुमति कैसे दे दी? इस सत्संग में भगदड़ मचने का कारण तो और भी भयावह है। सत्संग की समाप्ति के बाद अचानक भगदड़ मच गई और 122 लोग दब कर मर गए, डेढ़ सौ से अधिक के घायल होने की ख़बर है। बताया जा रहा है कि सत्संग समाप्ति के बाद जब मुख्य महात्मा का काफ़िला वहां से रवाना हुआ तो भीड़ को जबरन रोक दिया गया। भीषण गर्मी और उमस के कारण कई लोग बेहोश हो गए, जिसकी वजह से भगदड़ मची। हालांकि हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और उसके बाद ही असली वजह पता चल सकेगी। जिस हॉल में कार्यक्रम था, वह लोगों के हिसाब से बहुत छोटा था। माना कि किसी की श्रद्धा पर सवाल नहीं उठाया जा सकता लेकिन इन बाबाओं के भीड़ वाले कार्यक्रम खुले मैदान में क्यों नहीं करवाए जाते? प्रशासन इन्हें साफ़- साफ़ क्यों नहीं कहता कि कार्यक्रम करना हो तो खुले मैदान में कीजिए, वरना नहीं। आख़िर ऐसा क़ानून क्यों नहीं बनाया जाता कि इस तरह की त्रासदी हो तो आयोजकों के साथ इन बाबाओं को भी ज़िम्मेदार माना जा सके। समझ से परे है कि किसी कार्यक्रम के आयोजकों का जितना ज़ोर भीड़ जुटाने पर होता है, उसका एक अंश भी उस भीड़ को व्यवस्थित करने पर क्यों नहीं होता। अक्सर धार्मिक उत्सवों, मेलों, सत्संग, यज्ञ आदि के आयोजन में व्यवस्थागत ख़ामियों के चलते भगदड़ मचने, दम घुटने, पंडाल वग़ैरह के गिरने से लोगों के नाहक मारे जाने की घटनाएं हो जाती हैं। इसके अनेक उदाहरण हैं, मगर उनसे शायद सबक लेने की ज़रूरत नहीं समझी जाती और फिर नए हादसे हो जाते हैं। उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुआ हादसा इसका ताज़ा उदाहरण है। हालाँकि उत्तरप्रदेश सरकार हाथरस हादसे के आयोजकों पर ग़ैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने को कह रही है। सवाल यह है कि राज्य सरकार, पुलिस और प्रशासन, सभी की चेतना किसी बड़े हादसे या त्रासदी के बाद ही क्यों जागृत होती है। ऐसे कार्यक्रमों के लिए पहले से पुख़्ता इंतज़ाम क्यों नहीं किए जाते? आख़िर हमारी चेतना को किसी बड़ी त्रासदी का इंतज़ार क्यों रहता है?

परमाणु युद्ध के संकेत

संजीव ठाकुर

रूस यूक्रेन युद्ध को दो साल से ज्यादा समय हो चुका है यूक्रेन अब जा क र समझौते पर राजी हुआ है पर रूस की अपनी शर्तें हैं जिसके चलते समझौते की कोई गुंजाइश नहीं बनती दिखाई देत है उस पर रूस ने परमाणु हथियारों के प्रयोग से इनकार भी नहीं किया है। उधर इसराइल और फिलिस्तीन युद्ध में फिलिस्तीन और हमास के साथ खाड़ी के देशों के शामिल होने पर तीसरे विश्व युद्ध की संभावना बलवती हो जाती है। ऐसे में परमाणु शस्त्रों का प्रयोग हो जाए तो बड़ी बात नहीं होगी। आज पूरा वैश्विक परिदृश्य परमाणु युद्ध के ज्वालामुखी पर टिका हुआ बैठा है।परमाणु संपन्न देशों के तमाम शासक और हुक्मरान अपनी राजनैतिक आकांक्षाएं, मंसूबे और सनक को पूरा करने के लिए एक दूसरे के रक्त के प्यासे बने हुए हैं। परमाणु संपन्न देशों में चीन ,रूस और नॉर्थ कोरिया ऐसे देश हैं जिनकी बागडोर सनकी तानाशाह प्रशासकों के हाथों में है और ये देश अपनी विस्तार वादी महत्वाकांक्षा और सनक के चलते परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने से नहीं चूकेंगे। इतिहास गवाह है की सनकी प्रशासकों से हमेशा मानवता और शांति को युद्ध और हिंसा का खतरा बना रहता आया है। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में नागासाकी तथा हिरोशिमा में युद्ध की सनक में परमाणु बम से हमला कर लाखों लोगों को मौत के मुंह में भेज दिया था

इसके अलावा परमाणु हथियारों के उपयोग से पैदा हुए विकरण से आज भी जापान में बच्चों पर अप्राकृतिक प्रभाव दिखाई देतें है। इधर हम यदि उत्तर कोरिया के सनकी शासक किम योंग की बात करें तो वर्ष 2022 की शुरुआत के बाद से उत्तर कोरिया ने 100 से अधिक हथियारों के परीक्षण किए हैं विशेष तौर पर कुछ अमेरिकी मुख्य भूमि और उनके खास सामरिक सहयोगी दक्षिण कोरिया और जापान पर हमला करने के लिए डिजाइन की हुई परमाणु मिसाइल भी शामिल हैं। उत्तर कोरिया अमेरिका को लक्ष्य बनाकर क्रूज मिसाइल का प्रक्षेपण भी करता आ रहा है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भारी तबाही का मंजर तो सामने आ ही गया है इसके अलावा यूक्रेन की अमेरिकी तथा नाटो देशों की मदद से नाराज होकर रूस स्पष्ट तौर पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की सार्वजनिक धमकी कई बार दे चुका है,उल्लेखनीय है कि रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को जितना जान माल का नुकसान हुआ है उसके बराबर भी रूस में सामरिक हथियारों और सैनिकों की जाने गई हैं। रूस को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था की यूक्रेन इतने दिन तक युद्ध को खींच सकता है। इन परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप और वहां के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कभी भी अपनी सनक के चलते परमाणु बमों से हमला भी कर सकता है। चीन और ताइवान विवाद में भी चीन के तानाशाह सी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए और अमेरिका के परोक्ष रूप से ताइवान की मदद के कारण नाराजगी के चलते ताइवान पर कभी भी हमला कर सकता है। स्पष्ट है कि रूस चीन और उत्तर कोरिया तीनों परमाणु संपन्न देश अमेरिका के सबसे बड़े और कट्टर दुश्मन नई परिस्थितियों में बन चुके हैं। और यह भी खुला और सर्व विदित तथ्य है अमेरिका का राष्ट्रपति वहां की जनता तथा राजनीतिक पार्टियों के दबाव में विश्व का सुप्रीमो बने रहने के चलते युद्ध मेनिया पर सवार रहता है, विश्व में अमेरिका को सर्वशक्तिमान बनाए रखने के चलते अमेरिका को चीन रूस और उत्तर कोरिया फूटी आंखों नहीं अच्छे लगते हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया की सेना अपने वार्षिक सैन्य अभ्यास की ओर अग्रसर होकर लगातार समुद्र तथा उत्तर कोरिया की सीमा पर चक्कर लगा रही है।

सत्संग में मौत का कौन है जिम्मेदार ?

मनोज कुमार अग्रवाल

वह सब पिछड़े निम्न व निम्न मध्यम वर्ग के आस्थावान लोग थे जो एक स्वयंभू बाबा के सत्संग में हिस्सेदारी करने के लिए श्रद्धा के वशीभूत होकर पहुंचे थे लेकिन भारी भीड़ और उमस भरी गर्मी और हद दरजे की बदइंतजामी के कारण पैदा हुए दमघोटू माहौल में प्रवचन के बाद बाबा के पांव छूने की होड़ से भगदड़ मच गई और एक सौ बीस से अधिक श्रद्धालुओं के लिए मौत का सत्संग साबित हुआ है। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में यह हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां मंगलवार (2 जुलाई) की शाम सत्संग में हुए एक बड़े हादसे में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने के खबर हैं. यह सत्संग नारायण साकार विश्व हरि भोले बाबा का था. सत्संग में अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें अब तक 120 से ज्यादा लोगों के मरभने के सूचना मिली हैं. मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।आस्था और श्रद्धा का जब धर्म के आवरण में छिपे चालाक लोग स्वयं को पुजवाने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो उस की एक परिणिति इतनी भयावह और हृदय विदारक हो सकती है यह तमाशबीन बने प्रशासन को गुमान तक न था।

बता दें कि हाथरस के सिकंदराराऊ जीटी रोड स्थित थाना क्षेत्र के गांव फुलरई में आयोजित भोले बाबा के सत्संग में आए लोगों में भगदड़ मच गई. जिसमें एक सौ बीस से अधिक लोगों के मरने की पुष्टि की जा चुकी है। फिलहाल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सैकड़ों लोग मौत से जूझ रहे हैं , वहीं राज्य सरकार के कई मंत्री समेत वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों का अमला मौके पर पहुंचा और राहत कार्य में जुट गए । एक स्वयंभू बाबा इस हादसे को अंजाम देने के बाद अंडरग्राउंड हो गया लेकिन सरकार पर बाबागिरी इतना हावी है कि हादसे की एफआईआर में बाबा को नामजद तक नहीं किया गया है।

इस तरह एक सत्संग बेचारे भक्ति भाव वाले अभागे लोगों के लिए मौत का संग बन गया। बताया जा रहा है कि यह सत्संग संत नारायण हरी उर्फ भोले बाबा ने आयोजित किया था। हाथरस-एटा सीमा के पास रतिभानपुर स्थित आश्रम में संत भोले बाबा का प्रवचन सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए थे। मौसम के कारण टेंट में अत्यधिक नमी और गर्मी थी, जिससे अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई और भगदड़ में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, अचानक भगदड़ के दौरान ये घटना घटी है। कई लोग मौके पर बेहोश हो गए थे. फिलहाल, प्रशासन द्वारा इस घटना की जांच की जा रही है। मौके पर मौतों का इतना भयावह दृश्य था कि यूपी पुलिस के एक सिपाही को इसे देखकर हार्ट अटैक आ गया और उसकी भी मौत हो गई।

ज्ञात हो कि हाथरस समेत पूरे इलाके में भोले बाबा काफी समय से सत्संग करवाते हैं. वह पहले पुलिसकर्मी थे और भोले बाबा का सत्संग शुरू किया. स्थानीय लोगों के मुताबिक करीब 10 सालों से सत्संग चलता है. मंगलवार को हाथरस के सिंकराराउ के रत्तीभानपुर में सत्संग हो रहा था. सत्संग में करीब 5 से 10 हजार लोग जुटे हुए थे.रिपोर्ट्र्स के मुताबिक गर्मी ज्यादा थी और भगदड़ हो गई. एक के ऊपर एक लोग भागने लगे, यह जानलेवा साबित हुआ. अभी तक 121 श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि की गई है , करीब 150 घायल बताए जा रहे हैं. घायलों को एटा आगरा सिंकराहाउ के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

नारायण हरि या भोले बाबा कौन हैं जिन्होंने खुफिया विभाग की नौकरी छोड़ दी थी। जिस सत्संग में यह घटना घटी, उसका संचालन नारायण हरि करते थे, जिन्हें भोले बाबा के नाम से भी जाना जाता है, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे राजनीति से जुड़े हुए हैं। उनके मंच पर कई बार उत्तर प्रदेश के कई बड़े नेता नज़र आ चुके हैं। हरि मूल रूप से उत्तर प्रदेश के एटा जिले के बहादुर नगरी गांव के रहने वाले हैं, जहां उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी की। पढ़ाई पूरी करने के बाद, वे पुलिस की एलआइयू यूनिट में सिपाही बतौर शामिल हो गए और अध्यात्म की ओर रुख करने से पहले लंबे समय तक काम किया। आध्यात्मिक जीवन में प्रवेश करने के बाद, उन्होंने अपना नाम बदल लिया और नारायण साकार हरि के नाम से जाने जाने लगे।नारायण साकार हरि भगवा वस्त्र या कोई अलग पोशाक नहीं पहनते हैं। उन्हें अक्सर सफ़ेद सूट, टाई और जूते और कभी-कभी कुर्ता-पायजामा में देखा जाता है।

1990 के दशक में साकार हरि ने अपनी सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया और खुद को तथाकथित आध्यात्म में डुबो लिया।दावा है कि समागमों के दौरान मिलने वाला कोई भी दान, चढ़ावा या अंशदान वे अपने पास नहीं रखते, बल्कि भक्तों पर खर्च कर देते हैं।नारायण साकार हरि, जिन्हें साकार विश्व हरि या भोले बाबा के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म पटियाली तहसील के बहादुर गांव में हुआ था। भोले बाबा के पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली सहित पूरे भारत में लाखों अनुयायी हैं।

बाबा के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सूत्र बताते हैं कि हाथरस में सत्संग कराने वाले आरोपी बाबा पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि यह सत्संग संत भोले बाबा द्वारा कराया गया था। हाथरस-एटा सीमा के पास रतिभानपुर स्थित आश्रम में संत भोले बाबा का प्रवचन सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे थे।बाबा को सोशल मीडिया से दूर रहना पसंद है। खास बात यह है कि इंटरनेट के इस दौर में वे दूसरे साधु-संतों और कथावाचकों से अलग सोशल मीडिया से दूर रहते हैं। भोले बाबा का किसी भी प्लेटफॉर्म पर कोई आधिकारिक अकाउंट नहीं है। कथित भक्तों का दावा है कि नारायण साकार हरि यानी भोले बाबा के जमीनी स्तर पर काफी संख्या में अनुयायी हैं।

नल-जल योजना: गांव की कड़वी हकीकत

सुरेश मिश्र

नल-जल योजना, यह नाम सुनते ही हर किसी के चेहरे पर एक चमक आ जाती है। लोग सोचते हैं, अब तो हमारे गांव में भी पानी की किल्लत खत्म हो जाएगी। लेकिन हकीकत इससे परे है। यह कहानी एक छोटे से गांव की है, जहां इस योजना के तहत होने वाले कामों ने गांववालों की जिंदगी को नर्क बना दिया।

यह कहानी 'धन्यपुर' नामक गांव की है, जहां के लोग सरल, मेहनती और सच्चे दिल के होते हैं। गांव के प्रधान, रामदीन सिंह, हमेशा गांववालों के भले की सोचते थे। एक दिन, सरकार की ओर से एक घोषणा आई कि धन्यपुर में नल-जल योजना लागू की जाएगी। रामदीन और गांववाले बहुत खुश हुए। काम की शुरुआत बड़ी धूमधाम से हुई। गांव की मुख्य सड़कें खुदाई के लिए चुनी गईं। ट्रैक्टर और खुदाई मशीनों की गूंज से गांव का हर कोना भर गया। सभी को उम्मीद थी कि जल्द ही उन्हें साफ और पर्याप्त पानी मिलेगा। लेकिन, दिन बीतते गए और सड़कों पर गड्ढों की संख्या बढ़ती गई। गांव की मुख्य सड़क, जो हमेशा साफ-सुथरी हुआ करती थी, अब खुदाई के बाद बचे गड्ढों से भर गई थी।

रामदीन सिंह का पोता, रोहित, जो सिर्फ 8 साल का था, एक दिन अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए गड्ढों के पास आ गया। खेलते-खेलते उसका पैर फिसला और वह एक गहरे गड्ढे में गिर गया। उसकी चोट इतनी गंभीर थी कि उसे तुरंत अस्पताल ले जाना पड़ा। डॉक्टरों ने कहा कि अगर थोड़ी देर और हो जाती, तो उसकी जान भी जा सकती थी। रामदीन के दिल पर गहरा घाव लगा, लेकिन वे कुछ नहीं कर सकते थे। गांव की सुमन देवी, जो गर्भवती थी, अपने पति के साथ अस्पताल जा रही थी। रास्ते में उनकी गाड़ी एक बड़े गड्ढे में गिर गई। सुमन को बहुत चोटें आईं और उसका बच्चा सुरक्षित नहीं रह पाया। इस घटना ने गांववालों के दिलों को झकझोर कर रख दिया। गांव के बुजुर्ग काशी प्रसाद, जो अपनी उम्र के चलते पहले ही कमजोर थे, एक दिन बाजार जा रहे थे। उनकी साइकिल गड्ढों से बचते-बचते अचानक संतुलन खो बैठी और वे गिर गए। उनकी हड्डी टूट गई और अब वे चलने-फिरने में असमर्थ हो गए। गांववाले कई बार नगर निगम के अधिकारियों के पास गए, लेकिन हर बार उन्हें निराशा ही हाथ लगी। अधिकारी अपनी कुर्सियों पर आराम से बैठे रहते और कहते, "काम जारी है, थोड़ा धैर्य रखें।" लेकिन उनका धैर्य अब टूट चुका था। गांववालों का विश्वास अब सरकार और उसके वादों पर से उठ चुका था।

भारत बना विश्व विजेता

नरेंद्र तिवारी

भारत टी-20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट 2024 में विश्वकप विजेता बन गया है। 29 जून को बारबाडोस के कैंसिग्टन ओवल में भारत की टीम ने दक्षिण अफ्रीका की टीम को फायनल मैच में पराजित कर शानदार विजय हासिल की इस जीत में वैसे तो पूरी टीम का अहम योगदान रहा है, किंतु विजय सुनिश्चित करने वाले वह कौनसे महत्वपूर्ण कारक है जिसने अफ्रीका के पक्ष में दिखाई दे रहे मैच के परिदृश्य को बदला और आखिरी ओवर में भारत ने जीत की इबारत लिखी। फायनल मैच अपनी रोमांचकता के सबाब पर था। अफ्रीका की टीम जीत के करीब थी, अंतिम 6 गेंदों पर 16 रनों की दरकार थी, फटाफट क्रिकेट में यह लक्ष्य कोई बड़ी बात भी नहीं है। हार्दिक पंड्या ने आखरी ओवर की पहली गेंद फैंकी जिसे डेविड मिलर ने सीमा रेखा के पार पहुंचाने का भरपूर प्रयास किया, गेंद सीमा रेखा पर पहुंची भी जहां तैनात भारत के सूर्य कुमार यादव ने जो फायनल मैच की बैटिंग में खास प्रदर्शन नहीं कर पाएं, किंतु अंचभित करने वाला उनका कैच जिसे आखों देखा हाल सुना रहे नवजोत सिद्धू ने सूर्यकुमार के जीवन का सबसे शानदार कैच भी बताया। मिलर का कैच सूर्यकुमार के संतुलन, समझ और जज्बे का कैच है। कैच लेते समय बाउंड्री के अंदर सूर्या रहे, जब उनका पैर बाउंड्री के बाहर जाने लगा तो उन्होंने गेंद को उछाल कर सीमा के अंदर धकेला और जब वे सीमा रेखा के अंदर हुए तो कैच वापस लपक लिया। सूर्य कुमार के इस लाजवाब कैच ने अफ्रीका के पाले में जाती दिख रही जीत का रुख भारत की तरफ कर दिया। भारत की इस विजय में विराट कोली की महत्वपूर्ण पारी का भी योगदान रहा उन्होंने शुरुवात तेज की बीच में धीमे हुए फिर अपनी पारी की अंतिम कुछ गेंदों पर चौके छक्के जड़ कर 76 रनों का योगदान दिया। अक्षर पटेल की पारी भी विजय की नींव रखने में कामयाम रही। शुभम दुबे ने भी कुछ अच्छे शाट लगाकर भारत के स्कोर को बढ़ाया। गेंदबाजी में भी अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह , हार्दिक पंड्या, अर्शदीप द्वारा की गई गेंदबाजी जीत की इबारत लिखने में कामयाब हो सकी।

भारत ने 17 साल बाद टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप अपने नाम किया, रोहित की कप्तानी में विश्वकप विजेता बनने का यह पहला मौका है, इससे पूर्व यह अवसर महेंद्रसिंह धोनी की कप्तानी में 2007 में प्राप्त हुआ था।

भारत के कप्तान रोहित शर्मा और दुनियां के शानदार बल्लेबाजों में शुमार विराट कोली ने टी-20 क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा की है। उनका टी-20 क्रिकेट से सन्यास विश्व विजय के साथ होना इन दोनो खिलाड़ियों की शानदार बिदाई का अवसर माना जा रहा है। फायनल मैच की आखरी गेंद पर मिली भारत की विजय पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा धरती पर लेट गए और ईश्वर को धन्यवाद दिया उनकी आंखों से खुशी की धारा फूट रही थी। इस दौरान पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान जो कमेंट्री कर रहे थे उन्होंने कहा यह वही भारतीय कप्तान है जिनकी कप्तानी में भारत 2023 विश्वकप के फायनल मैच में पराजित हुआ था, तब उनकी आंखों से दुख के आंसू निकलें थे। उस समय भी भारत लगातार विजय हुआ था किंतु फायनल में पराजित हो गया था। रोहित अपना दुख छुपा नहीं पाए थे, आंसू उनकी आंखों से निकल रहे थे। बारबाडोस के आंसू खुशी के प्रसन्नता के गर्व और गौरव के आंसू है।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित और पूर्व कप्तान विराट कोली की बिदाई का यह अवसर इन दोनो धाकड़ बल्लेबाजों के लिए अविस्मरणीय पल है। फायनल मैच की शुरुवात में भारत ने टास जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया कप्तान रोहित जल्दी आउट हो गए। ऐसे समय विराट कोली ने संयम का परिचय दिया धीमे ही सही 76 बहुमूल्य रन जोड़े। सेमीफाइनल में जब इंग्लैंड के सामने विराट जल्दी आउट हो गए थे, तब रोहित ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन कर भारत के फायनल में पहुंचने का रास्ता साफ किया था। भारत के इन दोनो महान बल्लेबाजों की आईसीसी टी-20 क्रिकेट से सन्यास का अवसर बहुत बड़ा बन गया है। इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी बात यह रही की भारत अपने सभी मैच जीतकर अपराजेय रहा। दक्षिण अफ्रीका की टीम भी भारत के मुकाबले कमजोर नहीं थी। इस टीम ने भी फायनल छोड़ सभी मैचों में जीत दर्ज की थी। फायनल मैच में भी अंतिम ओवर तक अफ्रीका मैच में बना हुआ था।

आज मनाई जाएगी मासिक शिवरात्रि

जानें शुभ मुहूर्त पूजा विधि और उपाय

प्रत्येक महीने में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का एक खास अवसर होता है। मान्यता है कि इस दिन विधि विधान के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना करने और उपवास रखने से व्यक्ति को मोक्ष मिलता है और उनकी सभी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती है। साथ ही उनके जीवन में सुख, शांति, वैभव और समृद्धि आती है। इस व्रत को करने से जातक को अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त होता है और ग्रह दोषों से मुक्ति भी मिलती है।

शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस बार आषाढ़ माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि का आरंभ 4 जुलाई 2024, दिन वीरवार की सुबह 5 बजकर 44 मिनट पर होगा, और इसका समापन अगले दिन 5 जुलाई की सुबह 5 बजकर 57 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार 4 जुलाई 2024 को मासिक शिवरात्रि मनाई जाएगी और उपवास रखा जायेगा।
निर्वाण काल: रात 11:16 बजे से 12:08 बजे तक।
महाकाल: रात 1:16 बजे से 2:08 बजे तक।
अर्धरात्रि पूजा: रात 12:08 बजे से 1:16 बजे तक।

पूजा विधि

मासिक शिवरात्रि के दिन प्रातः काल जल्दी उठकर घर की साफ सफाई करें और इसके बाद स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें। अब पूजा स्थल या घर के मंदिर की अच्छी तरह से सफाई करें और भगवान शिव के समक्ष व्रत का संकल्प लें। घर के मंदिर या पूजा स्थान में गंगाजल से शुद्ध किए गए शिवलिंग और शिव परिवार की स्थापना करें। अब धूप और दीप जलाकर शिवलिंग का गंगाजल और दूध से अभिषेक करें।

अब बेलपत्र, धतूरा, आक, कमल के फूल, चंदन, रोली, फल आदि अर्पित करें। अब भगवान शिव के मंत्र "ॐ नमः शिवाय" का जाप करें। आप "महामृत्युंजय मंत्र", "शिव स्तोत्र" और शिव चालीसा का भी पाठ कर सकते हैं। पूजा का समापन भोलेनाथ और मां पार्वती की आरती के साथ करें और भगवान को भोग अर्पित कर परिवार के लोगों में प्रसाद वितरण करें। अगले दिन सूर्योदय के बाद व्रत का समापन करें। यदि आप व्रत रख रहे हैं, तो दिन भर हल्का और सात्विक भोजन ग्रहण करें। रात्रि जागरण करें और भगवान शिव का ध्यान करें। नकारात्मक विचारों से दूर रहें और लड़ाई झगडे से बचें।

मासिक शिवरात्रि पर करें ये उपाय
मनोकामना पूर्ति के लिए
मनोकामना पूर्ति के लिए शिवलिंग पर रुद्राक्ष अर्पित करें।

ग्रह दोष
ग्रह दोषों से मुक्ति पाने के लिए शिवलिंग पर नारियल अर्पित करें।

मानसिक शांति
मन की शांति के लिए शिवलिंग पर चंदन अर्पित करना चाहिए।

शीघ्र विवाह
शीघ्र विवाह के लिए शिवलिंग पर कनक वधू पुष्प अर्पित करें। कनक वधू को विष्णुप्रिया या अपराजिता भी कहा जाता है।

रोग मुक्ति
रोगों से मुक्ति पाने के लिए शिवलिंग पर शहद अर्पित करें।

सावन में शिव पूजन की अभिलाषा है तो भीलवाडा में एक साथ होंगे 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन

सावन शुरू होने को है। देवों के देव महादेव को सावन अति प्रिय है। ये महीना भगवान शिव को समर्पित है। सावन में भक्त शिवालय जाकर शिव की आराधना करते हैं और उन्हें प्रसन्न करने के लिए कई प्रकार के जतन भी करते हैं। भीलवाड़ा में एक ऐसा शिव मंदिर है जो अपने आप में बहुत खास और एकलौता है। इसकी खासियत ये है कि यहां एक साथ 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर सकते हैं। भीलवाड़ा के इस शिव मंदिर का नाम है मंशापूर्ण महादेव मंदिर। इस मंदिर की खासियत ये है कि यहां एक देश के 12

ज्योतिर्लिंग के दर्शन एक साथ होते हैं। यहां स्थानीय के अलावा अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। मान्यता है यहां शिवलिंग की परिक्रमा करने से भक्तों का हर कष्ट दूर होता है और उनकी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। मंदिर परिसर में ही शिवलिंग के चारों और दर्पण लगाए गए हैं जिससे भक्त एक जगह पर खड़े होकर एक साथ 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकें।

मंशापूर्ण महादेव

मंशापूर्ण महादेव मंदिर के पुजारी पंडित शिवम शर्मा ने बताया इस मंदिर की स्थापना करीब 33 साल पहले हुई थी। यहां एक साथ देश के 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन होते हैं। मंदिर आने वाले भक्त एक ही स्थान पर खड़े होकर एक साथ 12 ज्योतिर्लिंग देख सकते हैं। शिवरात्रि और हरियाली अमावस के अवसर पर यहां पर भक्तों का तांता लगता है।

एक जगह से 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन

पुजारी शिवम शर्मा ने बताया इस मंदिर में शिवलिंग के चारों तरफ दर्पण लगाए हैं जिससे कोई भी व्यक्ति एक ही स्थान पर खड़ा होकर महादेव के दर्शन कर सकता है। मंदिर में 12 ज्योतिर्लिंग स्थापित किए गए हैं। मंदिर के गर्भ गृह में ऊपर छत पर चारों दिशाओं में कांच लगाए गये हैं जिससे भक्त एक जगह पर खड़े होकर एक साथ 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकते हैं। शिवलिंग की परिक्रमा करने से भक्तों के सारे कष्ट दूर होने के साथ ही उनकी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

श्रावण माह में नीलकंठ मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की क्यों उमड़ती है भीड़, क्या है रहस्य!

उत्तराखंड का ऋषिकेश एक पवित्र तीर्थ स्थल है। ऋषिकेश में स्थापित मंदिर, घाट एवं झरने मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं। यहां देश विदेश से लाखों की संख्या में यात्री दर्शन और घूमने के लिए आते हैं। इसे चार धाम का मुख्य द्वार भी कहा जाता है। ऋषिकेश में कई सारे प्राचीन व मान्यता प्राप्त मंदिर है। इनमें से एक मंदिर नीलकंठ महादेव का है। यहां सावन के समय भक्तों की काफी भीड़ लगती है। इस मंदिर में शिव जी के दर्शन करने से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। यहां के पुजारी बताते हैं कि नीलकंठ महादेव ऋषिकेश से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित शिव जी का एक भव्य मंदिर है। इसकी गिनती ऋषिकेश के प्रसिद्ध व पुराने मंदिरों में की जाती है। इसी वजह से यहां दर्शन के लिए भक्तों की लंबी लाइन लगी रहती है। सावन के महीने में यह भीड़ और बढ़ जाती है। मान्यता है कि सावन में सोमवार के दिन नीलकंठ महादेव के दर्शन करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। कई बार ऐसा होता है कि भीड़ अधिक होने के कारण भक्तों को बाहर से ही आशीर्वाद लेकर घर जाना पड़ जाता है।

भगवान शिव जी ने छह दशक तक की थी तपस्या

मान्यता यह है कि समुद्र मंथन के दौरान जब शिव जी ने समुद्र मंथन से कालकूट विष निकाला तो उसे अपनी हथेली पर मलकर पी लिया था। तब उनकी शक्ति के प्रभाव से उन्होंने उस विष को अपने कंठ तक ही सीमित रखा और गले से नीचे नहीं जाने दिया। इसलिए उन्हें नीलकंठ महादेव कहा जाता है। विष पीने के बाद वे ऐसे स्थान की तलाश में थे, जहां उन्हें शीतल और शुद्ध वायु मिले। घूमते-घूमते वे मणिकूट पर्वत पहुंचे और वहां उन्हें वह शीतलता मिली। इसके बाद उन्होंने यहां लगभग छह हजार वर्षों तक समाधि लगा कर बैठ गए। इसलिए इस स्थान को श्री नीलकंठ महादेव मंदिर के रूप में जाना जाता है। अगर आप ऋषिकेश आए हैं या आने की सोच रहे हैं, तो सावन के महीने में इस मंदिर के दर्शन करना ना भूलें। ऐसा करने से भगवान शिव प्रसन्न होकर आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी करेंगे।

हमेशा धनवान रहता है इन 6 गुणों वाला इंसान
दूर ही रहती है गरीबी

महान गुरु चाणक्य की माने तो मनुष्य के कुछ गुण उसे हमेशा धनवान बनाए रखते हैं। हर काम में कामयाबी मिलती है। आचार्य चाणक्य के मुताबिक, जिस इंसान में ये गुण होते हैं, वो हमेशा प्रसन्न रहता है।

मुसीबतें दूर रहती हैं।

आचार्य के मुताबिक, धन की बचत करना बहुत जरूरी है। हालांकि, जेब में धन रोकना सरल नहीं होता है। ऐसे में जिस मनुष्य में धन को रोकने का गुण हो, वो कभी गरीब नहीं रहता है। उसकी जेब रुपयों से भरी रहती है। चाणक्य की माने तो, जो इंसान मेहनती होता है, वो हमेशा कामयाब होता है। उसकी मेहनत ही उसको सफलता दिलाती है। ऐसे लोगों से धन की देवी भी खुश रहती हैं। इन लोगों को आर्थिक परेशानी नहीं होती है। मनुष्य का धैर्यवान होना भी बहुत जरूरी है। जिस मनुष्य में धैर्य होता है, वो कामयाब जरूर होता है। वहीं आचार्य चाणक्य कहते हैं कि इंसान को अपने कामों में हमेशा ईमानदार होना चाहिए। सत्य का रास्ता चुनना चाहिए। आचार्य चाणक्य के अनुसार, जो इंसान ईमानदारी से काम करता है और सच का रास्ता चुनता है वो हमेशा सफल होता है। जो शख्स वक्त का पांबद हो भी तरक्की करता है।

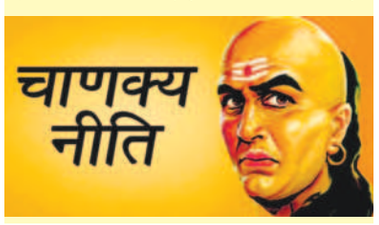

भारत के इन मंदिरों में विदेशी भक्तों की है गहरी आस्था
हर साल आते हैं विदेशी मेहमान

देश में कई ऐसे मंदिर है, जो अपनी सुंदरता के लिए जाने जाते हैं। यहां दर्शन के लिए आने वाले लोग पूजा के साथ-साथ खूबसूरती देखने के लिए भी आते हैं। लेकिन इन पर्यटकों में केवल देश ही नहीं विदेशी नागरिक भी शामिल है। भारत के इन तीन मंदिरों में स्पेशल विदेशी दर्शन के लिए आते हैं।

रामा हरे कृष्णा मंदिर

अक्सर विदेशी पर्यटकों को सबसे ज्यादा भारत में कृष्णा मंदिरों में देखा गया है। केवल मुंबई के हरे रामा हरे कृष्णा मंदिर ही नहीं बल्कि आप दिल्ली के इस्कॉन मंदिरों और मथुरा-वृंदावन के मंदिरों में विदेशी पर्यटकों को देख सकते हैं। ऐसा लगता है जैसे वह भी भगवान कृष्ण के प्रति गहरा स्नेह रखते हैं।यहां मंदिरों में आप उन्हें धार्मिक कपड़ों और माथे पर गहरा लंबा तिलक लगाए देख सकते हैं। इन मंदिरों के आलावा आपको ऋषिकेष में भी विदेशी पर्यटक बहुत देखने को मिल जाएंगे।

काशी विश्वनाथ मंदिर

भारत की धार्मिक राजधानी के नाम से जाना जाने वाला शहर वाराणसी, जो काशी विश्वनाथ मंदिर का घर है। गंगा के तट पर स्थित, यह मंदिर आध्यात्मिक ज्ञान और परमात्मा के साथ गहरा संबंध रखता है। भगवान के प्रति स्नेह रखने वाले तीर्थयात्रियों को यह जगह आकर्षित करती है।यहां रहने वाले लोग, उनका रहन-सहन, खान-पान और संस्कृति विदेशी पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है। यहां के रेलवे स्टेशन, घाट, मंदिर और गलियों में आपको कई विदेशी पर्यटक देखने को मिल जाएंगी। हर साल यहां हजारों की संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं। घाट, वाराणसी में घूमने के लिए अच्छी जगह में से एक है।

स्वर्ण मंदिर

अमृतसर में स्वर्ण मंदिर सिख धर्म के लोगों के लिए सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। लेकिन यहां दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आते हं। यहां पवित्र कुंड के चारों ओर मंदिर की सुनहरी संरचना हर पर्यटक को आकर्षित करती है। यही कारण है कि इसकी खूबसूरती देखे बिना विदेशी पर्यटक भी नहीं रह पाते। सभी धर्मों के लोगों को जगह आकर्षित करती है।

वृंदावन में इस्कॉन मंदिर

यहां देसी और विदेशी श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ता है। सैकड़ों-हजारों मील की यात्रा करके कई ऐसे कृष्ण भक्त आते हैं, जो भक्ति भावना में इतना लीन हो जाते हैं कि खुद को राधा और मीरा मानने लगते हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर यहां के कई बड़े मंदिरों में विदेशी भक्तों हजारों की संख्या में उमड़ पड़ते हैं। इनमें प्रमुख है वृंदावन का इस्कॉन मंदिर। यहां अमेरिका, साउथ अमेरिका, इटली और फ्रांस जैसे देश से आए विदेशी भक्ति भाव में रमे होते हैं। इन भक्तों पर भगवान कृष्ण का ऐसा रंग चढ़ता है कि वे अपना नाम भी बदलकर भारतीय नाम पर रख लेते हैं।

भगवान जगन्नाथ की मूर्ति क्यों रह गई अधूरी

जगन्नाथ पुरी धाम हिंदू धर्म के 4 प्रमुख धामों में से एक है। पुरी धाम में भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। हर साल जगन्नाथ यात्रा के दौरान लाखों लोग पुरी में होने वाली जगन्नाथ यात्रा में भाग लेते हैं। माना जाता है कि एक बार कोई जगन्नाथ पुरी यात्रा में भाग ले ले तो उसके सभी पाप धुल जाते हैं। हालांकि इस पवित्र मंदिर में जगन्नाथ जी की जो मूर्ति है वो अधूरी है और इसके अधूरे रहने के पीछे एक रोचक कथा छुपी हुई है। आज हम इसी बारे में आपको विस्तार से जानकारी देंगे।

जगन्नाथ भगवान की मूर्ति कैसे रह गई अधूरी

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण ने जब अपना शरीर त्याग दिया तो पांडवों के द्वारा उनका दाह संस्कार किया गया। लेकिन शरीर के जलने के बाद भी उनका हृदय बचा रहा। भगवान कृष्ण के दिल को पांडवों ने जल में प्रवाहित कर दिया। माना जाता है कि भगवान कृष्ण का दिल राजा इंद्रदयुम्न को मिला और उन्होंने इस दिल को भगवान जगन्नाथ की मूर्ति में स्थापित करवाया दिया। जिस मूर्ति में भगवान जगन्नाथ जी का हृदय विराजित है उस मूर्ति को बनाने का कार्य राजा ने बूढ़े बढ़ई का भेष धारण किये विश्वकर्मा जी को दिया। विश्वकर्मा जी ने राजा की बात तो मानी लेकिन साथ ही एक शर्त भी रख दी। विश्वकर्मा ने कहा कि, जब तक मूर्तियों के बनने का कार्य पूरा न हो जाए तब तक किसी को भी अंदर आने की इजाजत नहीं होगी, अगर कोई अंदर आया तो मूर्तियों को बनाने का कार्य मैं छोड़ दूंगा। राजा ने विश्वकर्मा की यह बात मान ली। इसके बाद विश्वकर्मा मूर्तियों को बनाने के कार्य में लग गए। जिस दौरान मूर्तियों का निर्माण किया जा रहा था, राजा दरवाजे के बाहर से आवाजें सुनते रहते थे। आपको बता दें कि, विश्वकर्मा न केवल जगन्नाथ जी की बल्कि उनकी बहन सुभद्रा और भाई बल भद्र की मूर्तियां भी तैयार कर रहे थे। राजा दरवाजे के बाहर से आवाजें सुनकर संतुष्ट हो जाते थे कि, अंदर मूर्तियों को बनाने का कार्य जारी है। लेकिन एक दिन अचानक से आवाजें आना बंद हो गईं। राजा को लगा की अब मूर्तियों के बनने का कार्य संपन्न हो चुका है। राजा ने इसी गलतफहमी में दरवाजा खोल दिया, दरवाजा खोलते ही विश्वकर्मा वहां से गायब हो गए। उसके बाद जगन्नाथ जी, बलभद्र जी और सुभद्रा जी की मूर्तियों को बनाने का कार्य पूरा नहीं हो पाया। तब से ये मूर्तियां अधूरी ही हैं।

साल 2024 में जगन्नाथ रथ यात्रा

7 जुलाई से शुरू होने जा रही है। रथ यात्रा 16 जुलाई तक चलेगी और इस दौरान जगन्नाथ जी अपने भाई और बहने के साथ अपनी मौसी गुंडिचा माता के घर जाएंगे। रथ यात्रा की यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है और आज भी पूरे विधि विधान से यह यात्रा की जाती है।

नाराज पितरों को करना चाहते हैं प्रसन्न, तो पीपल के पेड़ के नीचे जलाएं दीपक, मिलेंगे कई लाभ

सनातन धर्म में कई पेड़ पौधों की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मत है कि पीपले के पेड़ की डाल में ब्रह्मा जी, तने में श्री हरि और सबसे ऊपरी हिस्से में भगवान शिव का वास होता है। जो इंसान इस पेड़ की सच्चे मन से पूजा करता है, उसे इन तीनों देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। शास्त्रों के अनुसार, पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से जातक को जीवन में कई तरह के लाभ मिलते हैं। क्या आपको पता है कि किस कारण पीपल के पेड़ नीचे दीपक जलाया जाता है, अगर नहीं पता,

ये है वजह

पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि शनिवार के दिन इस पेड़ के पास दीपक जलाने से कुंडली में उत्पन्न शनिदोष से मुक्ति मिलती है और शनि की ढैया या साढ़े साती का असर कम होता है।

इस दिन जलाएं दीपक

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पीपल के पास दीपक जलाने के लिए गुरुवार और शनिवार का दिन बेहद शुभ माना जाता है। हालांकि कुछ मान्यताओं के अनुसार, रविवार के दिन पीपल के पेड़ के नीचे जाना वर्जित है।

करें ये उपाय

सुख-शांति में वृद्धि के लिए तांबे के लोटे में जल लेकर भगवान विष्णु का ध्यान करें। इसके बाद पीपल के वृक्ष को जल अर्पित करें। इसके बाद वृक्ष की पांच बार परिक्रमा करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से श्री हरि की कृपा प्राप्त होती है। इसके अलावा जल में दूध और काला तिल मिलाकर पीपल के पेड़ पर चढ़ाने से पितृ प्रसन्न होते हैं।

एसएस राजामौली की फिल्म में विलेन बनेंगे पृथ्वीराज सुकुमारन! महेश बाबू से होगी भिड़ंत

एसएस राजामौली पिछले काफी समय से अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने महेश बाबू को लीड रोल में साइन किया है। फिलहाल फिल्म का नाम एसएसएमबी 29 रखा गया है और इसकी शूटिंग चल रही है। आरआरआर के बाद से एसएस राजामौली अपने इसी प्रोजेक्ट पर फोकस कर रहे हैं। महेश बाबू भी अपने किरदार के लिए खुद को ट्रांसफॉर्म करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं। लेकिन अब इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन की एंट्री हुई है। खबर है कि वह इसमें विलेन का रोल प्ले करते नजर आएंगे।

'ग गोट लाइफ' और 'सलार' फेम पृथ्वीराज सुकुमारन एसएसएमबी 29 में महेश बाबू से भिड़ते नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस फिल्म के लिए पृथ्वीराज सुकुमारन से बात चल रही है और एक्टर ने फिल्म साइन कर ली है।

फिल्म को लेकर एक्साइटेड पृथ्वीराज सुकुमारन

यह भी बताया गया कि पृथ्वीराज सुकुमारन के किरदार की अपनी एक अलग कहानी है, जो उसे जस्टिफाई करती है और प्लॉट में ट्विस्ट लेकर आएगी। पृथ्वीराज सुकुमारन इस फिल्म को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं क्योंकि महेश बाबू और एसएस राजामौली के साथ उनकी यह पहली फिल्म होगी।

स्टूडियो के अलावा असली जंगल में शूट होगी फिल्म

सूत्रों के मुताबिक एसएस राजामौली अपनी इस फिल्म को असली जंगलों और स्टूडियो में शूट करेंगे। फिल्म के लिए एसएस राजमौली ऐसा सिनेमैटिक एक्सपीरियंस और विजुअल्स क्रिएट करने की प्लानिंग कर रहे हैं, जो अब तक भारतीय सिनेमा के इतिहास में किसी भी फिल्म में नहीं दिखा। वहीं इससे पहले खबर आई थी कि एसएसएमबी 29 में 'रामायण' के भी कुछ एलिमेंट होंगे, और महेश बाबू के किरदार की कुछ चीजें भगवान हनुमान से मिलती-जुलती होंगी।

दिशा पाटनी के हाथों में 'पीडी' टैटू देखकर इस साउथ एक्टर संग डेटिंग रूमर्स, एक्ट्रेस ने ऐसे किया रिएक्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी इनदिनों पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर लाइमलाइट्स में चल रही हैं. फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस की डेटिंग लाइफ पर फैंस की नजर टिकी हुई है. हाल ही में दिशा पाटनी की एक फोटो सामने आई है, जिसमें उनके टैटू को देखकर लोगों ने उनकी रिलेशनशिप को लेकर बातें करना शुरू कर दिया है. वहीं, कुछ लोगों ने उनके नए बॉयफ्रेंड के नाम भी गेस कर लिया है. जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर शुरू हो गई. इसी बीच अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हो रही बातों पर एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने भी अपना रिएक्शन शेयर किया है.

दिशा पाटनी के हाथों में टैटू

हाल ही में पैपराजी ने एक्ट्रेस दिशा पाटनी की फोटो खींचा, जिसमें उन्होंने बटरफ्लाई वाली लाइट पर्पल टॉप और व्हाइट पैंट पहनी हुई नजर आ रही हैं. लेकिन इस सबके बीच सबका ध्यान एक्ट्रेस की एक खास टैटू ने खींचा. जिसके बाद एक्ट्रेस की डेटिंग को लेकर चर्चा होने लगी. दरअसल फोटो में दिशा पाटनी के हाथ में 'पीडी' लिखा हुआ टैटू देखा गया. जिसे देखने के बाद कई लोग हैरान हो गए कि एक्ट्रेस के इस टैटू के फर्स्ट लेटर का मतलब क्या है?

साउथ एक्टर के संग जुड़ा नाम

दिशा पाटनी के हाथों में इस टैटू को देखने के बाद यूजर्स उसे एक्ट्रेस के पर्सनल यानी कि डेटिंग लाइफ से जोड़ने लगे कई इंस्टाग्राम यूजर्स कमेंट सेक्शन में जाकर अपने अनुमान के मुताबिक दावा किया कि ये टैटू दिशा और 'कल्कि' को-स्टार साउथ एक्टर प्रभास के नाम का पहला अक्षर है. जिसके बाद लोगों ने ये कहना शुरू कर दिया कि दोनों स्टार्स एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. एक यूजर ने तो उनके इस फोटो पर रेड हार्ट इमोजी के साथ 'प्रभास' लिखा. तो कई लोगों ने बस 'प्रभास' कमेंट किया.

दिशा पाटनी ने किया रिएक्ट

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस दिशा पाटनी के डेटिंग रूमर्स को लेकर शुरू हुई चर्चा के कुछ घंटो बाद एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपने इस नए टैटू के बारे में बताया. उन्होंने फीड पर एक फोटो शेयर करती हुई कैप्शन में लिखती हैं, 'मेरे टैटू को लेकर इतनी उत्सुकता देखकर खुशी हुई! पता लगाइये कि ये खुशी किस बारे में है. #क्लाउडनाइन. आपको बता दें कि एक्ट्रेस की तरह की बातें उनके टैटू को लेकर हो रहे रूमर्स को हवा दे रही है.

शत्रुघ्न सिन्हा को हॉस्पिटल से मिली छुट्टी एक्टर ने एडमिट होने की वजह का किया खुलासा

दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा को बेटी सोनाक्षी सिन्हा कि शादी के छठे दिन उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था. पिछले कुछ टाइम से हॉस्पिटल में एडमिट एक्टर के हेल्थ को लेकर उनके फैंस काफी चिंता हो रही थी. वहीं, अब शत्रुघ्न सिन्हा को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है. एक्टर के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बाद खबर आई थी कि उन्हें रूटीन चेकअप के लिए भर्ती कराया गया है. इसी बीच में सूत्रों के हवाले बताया गया था कि शत्रुघ्न सिन्हा की सर्जरी हुई है. लेकिन अब हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद एक्टर ने खुद एडमिट होने के पीछे की वजह का खुलासा किया है.

शत्रुघ्न सिन्हा ने कही ये बात

हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद शत्रुघ्न सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि अफवाहों से ठीक उल्टा, वो सिर्फ रेगुलर हेल्थ चेकअप के लिए हॉस्पिटल में गए थे. उन्होंने कहा, 'यह मेरी सालाना रूटीन फुल-बॉडी चेक-अप थी. मैं 60 साल से ज्यादा उम्र के सभी लोगों को इसकी सलाह देता हूं. मैं अपने चुनाव अभियान के लिए तीन महीने तक लगातार यात्रा करता रहा हूं. उसके ठीक बाद मेरी बेटी की शादी हो गई. मैं अब वह जोशीला, ऊर्जा से भरा नौजवान नहीं रहा जो दिन में तीन शिफ्ट कर सकता था और फिर भी पूरी रात पार्टी करने की ऊर्जा रखता था. मुझे अपनी गति धीमी करनी है.

सर्जरी को लेकर क्या कहा

शत्रुघ्न सिन्हा ने सर्जरी करवाने कि अफवाहों पर सफाई देते हुए कहा, 'मैंने यहां तक पढ़ा है कि हॉस्पिटल में मेरी सर्जरी हुई थी. सर्जरी को खामोश अरे भाई! मैंने सर्जरी करवाई और मुझे खुद भी इस बारे में नहीं पता. वहीं, उन्होंने आगे कहा कि मुंबई की एंटरटेनमेंट मीडिया खबरों के लिए इतना भूखी है कि वो कुछ भी बता देती है.

काकुड़ा में हॉरर-कॉमेडी का तड़का लगाने साथ आए सोनाक्षी-रितेश

बॉलीवुड इस साल हॉरर-कॉमेडी की एक सीरीज के साथ हैलोवीन का जश्न मना रहा है। मुंज्या की सक्सेस के बाद, आदित्य सरपोतदार सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख और साकिब सलीम की एक और डरावनी कॉमेडी लेकर आ रहे हैं। काकुड़ा का ट्रेलर 2 जुलाई को रिलीज़ किया गया था और यह स्त्री और भूल भुलैया 2 पर कटाक्ष करता है।

रतोडी के भूतिया गाँव से होती है, जहाँ हर घर में दो दरवाज़े हैं: एक बड़ा और एक छोटा। छोटा दरवाज़ा काकुड़ा नामक भूत के लिए है। साकिब का किरदार सनी सोनाक्षी निभाती है जो इंदिरा से बहुत प्यार करने लगता है। वे शादी कर लेते हैं और रतोडी गाँव में एक नया अध्याय शुरू करते हैं। हालाँकि, उनकी प्रेम कहानी एक अजीब मोड़ लेती है जब उन्हें काकुड़ा के श्राप का सामना करना पड़ता है।

अपनी शादी की रात, शाम 7:15 बजे, सनी ककुड़ा के लिए छोटा दरवाज़ा खोलना भूल गए, जिससे अनजाने में दुष्ट आत्मा का आह्वान हो गया। यह पीड़ित भूत घर के मुखिया को सजा के तौर पर श्राप देने के लिए जाना जाता है, जिसके कारण तेरहवें दिन उनकी पीठ पर एक कूबड़ बन जाता है। सनी की जान खतरे में होने पर, इंदिरा विक्टर से मदद मांगती है, जो रितेश द्वारा निभाए गए एक दिलचस्प भूत शिकारी है।

कभी दाने-दाने को मोहताज भारती सिंह की ऐसी बदली किस्मत, जीती हैं लग्जरी लाइफ

लाफ्टर क्वीन भारती सिंह अपनी कॉमेडी टैलेंट की वजह से लाखों दिलों पर राज करती हैं. वो कॉमेडी की दुनिया का वो चेहरा बन चुकी हैं जो आज के टाइम पर किसी भी स्टेज पर पहुंच जाए तो वहां मौजूद सभी लोगों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर देती हैं. उन्होंने अपनी मेहनत और काबिलियत के दम पर इस मुकाम को हासिल किया है.

आज के समय में भारती सिंह का नाम और काम दोनों बोलता है और उनके पास दौलत-शोहरत की कोई कमी नहीं है. लेकिन भारती के जीवन में ऐसा दौर भी आया जब वो दाने-दाने की मोहताज थी. भारती सिंह आज अपना जन्मदिन मना रही हैं और उनके इस खास दिन पर उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ किस्सों को बताएंगे.

दुख-दर्द में गुजरा था बचपन

कॉमेडियन भारती सिंह का जन्म 3 जुलाई 1984 को अमृतसर पंजाब में हुआ था. उनके गुजरे हुए कल और बचपन पर नजर डालेंगे तो भारती अपने जीवन में बहुत दुख झेली हैं. भारती सिंह ने एक बार नीना गुप्ता के पोसकास्ट में अपने बचपन के दिन याद करते हुए बताया था कि जब वो 2 साल की थी तो उनके पापा का देहांत हो गया था. घर में इतनी गरीबी थी कि उनकी मां दूसरों के घरों में काम करती थी और वहां से बचा हुआ खाना लाती थी जो उनके लिए फ्रेश खाना होता था. वहीं, भाई-बहन एक फैक्ट्री में कम्बल सिलने का काम करते थे. भारती ने अपनी मां के बारे में बात करते हुए बताई कि आर्थिक हालत ठीक नहीं होने के कारण उनकी मां उन्हें कोख में ही मार देना चाहती थी.

ऐसी बदली भारती की किस्मत

बचपन में एक-एक निवाले के लिए तरसी भारती सिंह की की किस्मत 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' से बदली लेकिन इस शो में आने से पहले उन्हें पहला मौका कपिल शर्मा और सुदेश लहरी से मिला था.

दरअसल भारती ने बताया की जब वो कॉलेज के बाहर गार्डन एरिया में लोगों को हंसा रही थी तो सुदेश लहरी ने उन्हें देखा. जिसके बाद उन्होंने टीचर से कहा कि एक मोटी सी लड़की सबको हंसा रही है उसे बुलाओ और यही वो समय था जहां से भारती सिंह को अपनी लाइफ में टर्निंग पॉइंट मिली. भारती ने सबसे पहले नेशनल युथ फेस्टिवल में परफॉर्म किया, जिसके लिए वो आंध्र प्रदेश गई और उनकी मुलाकात कपिल शर्मा से हुई. कपिल शर्मा ने ही कॉमेडी शो में जानें की सलाह दी और उस सलाह ने भारती की जिंदगी बदल दी.

भारती सिंह पर्सनल लाइफ

अपनी मेहनत के बलबूते इंडस्ट्री में कदम टिकाने वाली भारती सिंह की पर्सनल लाइफ पर नजर डालें तो उन्होंने स्क्रिप्ट राइटर, प्रोड्यूसर और होस्ट हर्ष लिंबाचिया से साल 2017 में शादी रचाई और उनदोनों का एक बेटा भी है.

जिसकी हर एक एक्टिविटी सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. भारती सिंह की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोविंग है और वो इंडस्ट्री के कई पॉपुलर शोज में होस्ट के तौर पर नजर आती हैं.

दूसरी बार पिता बनने वाले हैं अरबाज खान? आधी रात को पत्नी को लेकर पहुंचे क्लीनिक

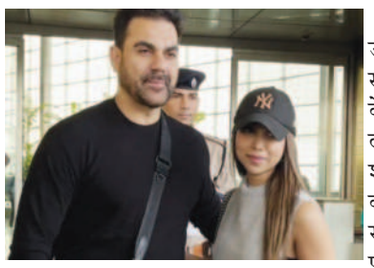

अरबाज खान और उनकी दूसरी पत्नी शुरा खान हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के नए जोड़ों में से एक हैं। दोनों ने दिसंबर 2023 में शादी की और तब से वे कपल गोल्स के लिए छाए रहते हैं। सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को हाइप करने से लेकर उनके क्यूट एयरपोर्ट वीडियो तक, अरबाज और शुरा ने अपनी केमिस्ट्री से सभी को हैरान कर दिया। हालाँकि, हाल ही में इस जोड़े ने ये खबर है की शायद इस जोड़े के पास कोई 'अच्छी खबर' है, क्योंकि उन्हें शहर में घूमते हुए देखा गया।2 जुलाई, 2024 को शुरा और अरबाज खान को शहर में घूमते हुए देखा गया। कई वीडियो में, जोड़े को एक मैटरनिटी क्लिनिक से बाहर निकलते समय एक-दूसरे के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है। इस दिन जोड़े ने ठाठदार कपड़े पहने हुए थे। शुरा आसमानी नीले रंग की शर्ट और शॉर्ट्स में बहुत खूबसूरत लग रही थीं, जबकि अरबाज ने लाइम-ग्रीन रंग की टी-शर्ट पहनी थी और इसे जींस के साथ पेयर किया था।

'सुहागन चुड़ैल' के सेट पर निया शर्मा की कातिल अदाएं, कहीं चुरा ना लें आपका दिल

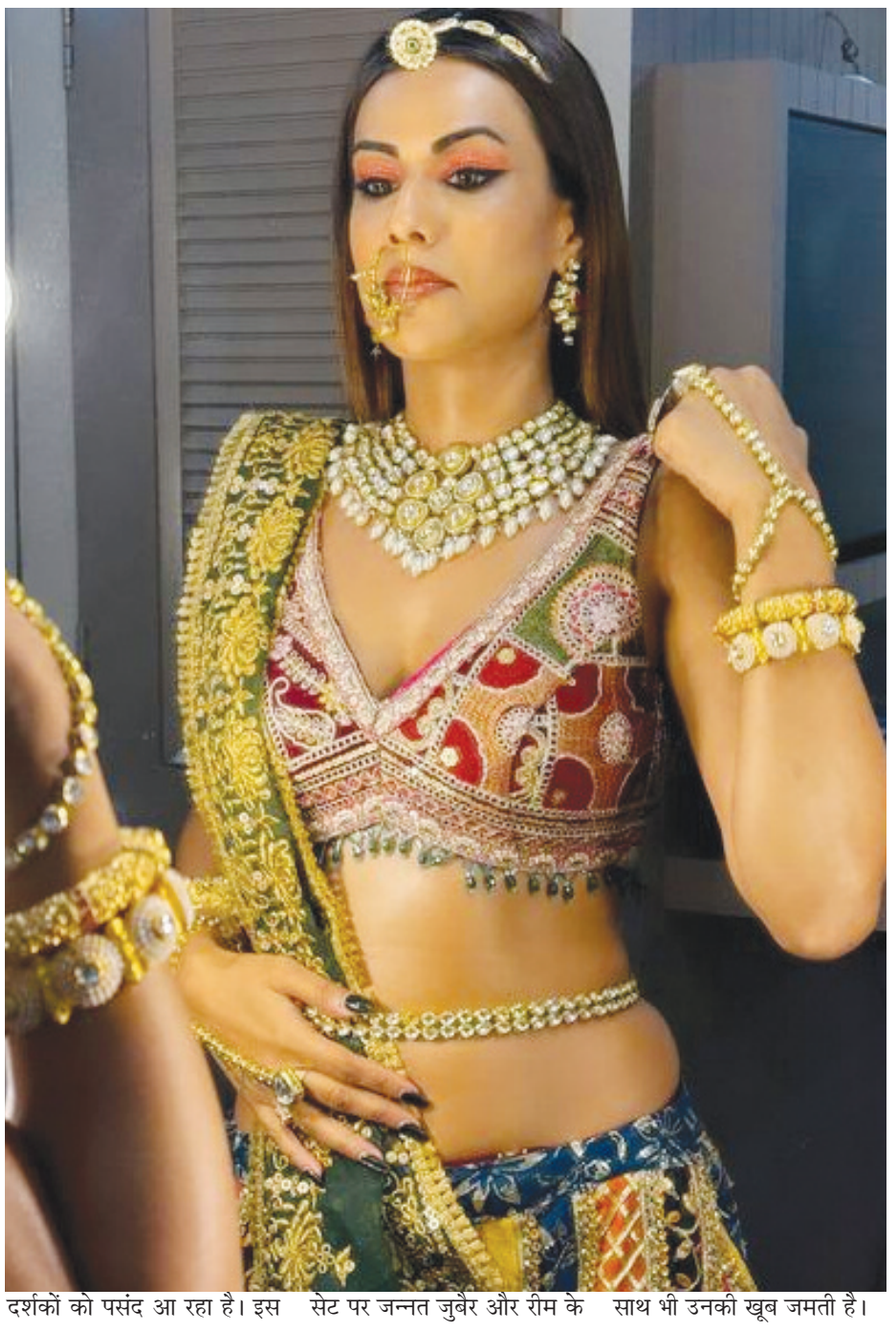

टीवी की फेमस एक्ट्रेस निया शर्मा इन दिनों 'सुहागन चुड़ैल' में चुड़ैल का किरदार निभाकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। अब उन्होंने सेट पर अपनी को-एक्ट्रेस के साथ 'इन आंखों की मस्ती के...' गाने पर क्या बेहतरीन डांस किया है। दोनों का ये BTS वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है। इस शो के अलावा निया को 'लाफ्टर शेफ' में भी देखा जा रहा है, जहां सुदेश लहरी संग उनकी खट्टी-मीठी नोंकझोंक को भी दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

निया शर्मा के इंस्टाग्राम पर 7.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वो फैंस के लिए खूब सारे पोस्ट शेयर करती हैं। करीब 4 साल बाद टीवी पर वापसी करने वाली एक्ट्रेस इन दिनों 'सुहागन चुड़ैल' सीरियल में नजर आ रही है। इस शो में वो चुड़ैल के रोल में हैं, लेकिन सेट पर जमकर मस्ती करती हैं।

निया ने इस सीरियल के सेट से अपना एक डांस वीडियो शेयर किया है। ब्लैक कलर का लहंगा-चोली पहने निया ने को-एक्ट्रेस देबचंद्रिमा सिंघा रॉय के साथ बॉलीवुड के आइकॉनिक सॉन्ग 'इन आंखों की मस्ती के...' पर कदम थिरकाए। अब ये वीडियो वायरल हो रहा है और इसे अब तक 50 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं।

'लाफ्टर शेफ' में सुदेश लहरी संग बनी जोड़ी

निया इस सीरियल के अलावा भारती सिंह का लाफ्टर शेफ शो भी कर रही हैं, जिसमें कॉमेडियन सुदेश लहरी के साथ उनकी जोड़ी जमी है। दोनों खट्टी-मीठी नोंकझोंक करते रहते हैं, जोकि दर्शकों को पसंद आ रहा है। इस सेट पर जन्नत जुबैर और रीम के साथ भी उनकी खूब जमती है।

साउथ में भी है ईशा तलवार की धमक

लोकप्रिय सीरीज 'मिर्जापुर' का तीसरा सीजन आने वाला है। रिलीज डेट है 5 जुलाई और रिलीज होने का ठिकना है प्राइम वीडियो। ट्रेलर तो पहले ही आ चुका है और देखकर यह अंदाजा भी हो गया है कि अगला सीजन पिछले दो सीजन से ज्यादा तूफानी होने वाला है। आखिर घायल शेर की वापसी का मामला है। ट्रेलर में कालीन भैया, गुड्डू पंडित के अलावा महिलाओं को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। इसी सीरीज की एक पात्र हैं 'माधुरी भाभी', इसे निभाया है अभिनेत्री ईशा तलवार ने। सीरीज में उनकी बोल्डनेस, रुआब और अभिनय ने दर्शकों को दीवाना बना दिया है। अगले सीजन में भी वह दमदार अंदाज में नजर आएंगी।

ईशा तलवार ने 'मिर्जापुर' में माधुरी भाभी के किरदार से काफी लोकप्रियता हासिल की है। इस सीरीज में उनकी शादी कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना (दिव्येंदु शर्मा) से हुई है। ईशा तलवार चुनावी मैदान में सक्रिय भागीदारी करती दिखी हैं। इस सीरीज ने बेशक ईशा को लोकप्रियता के शीर्ष पर पहुंचाया है, लेकिन उनका करियर काफी लंबा है। वह साउथ सिनेमा की भी नामी अदाकारा हैं। सबसे दिलचस्प तो उन्होंने फिल्मी करियर की शुरुआत बतौर बाल कलाकार की थी।

ईशा तलवार हिंदी के अलावा मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ईशा तलवार का जन्म 22 दिसंबर 1987 को मुंबई में हुआ। ईशा ने महज 10 साल की उम्र में बॉलीवुड फिल्म 'हमारा दिल आपके पास है' (2000) से डेब्यू किया था। हालांकि, बतौर अभिनेत्री उन्होंने अपना करियर वर्ष 2012 में मलयालम फिल्म 'थात्ताथिन मरयात्हू' से शुरू किया। इसके बाद उन्हें आई लव मी (2012) में देखा गया था।

इसके बाद ईशा तलवार ने मैजिक लव (2013) के साथ तेलुगु फिल्मों में और थिल्लू मुल्लू (2013) के साथ तमिल फिल्मों में शुरुआत की। उन्होंने मलयालम सिनेमा में कई फिल्में की हैं। इसके बाद बॉलीवुड में ईशा ने अच्छा काम किया। वर्ष 2017 में फिल्म 'ट्यूबलाइट' में वह नजर आईं। फिर 'कालकांडी', 'आर्टिकल 15' और 'गिन्नी वेड्स सनी' जैसी कई फिल्मों और सीरीज में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया।

ईशा ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी। वे 40 से ज्यादा विज्ञापनों में काम कर चुकी हैं। इसके अलावा वह एक बेहतरीन डांसर भी हैं। ईशा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर ईशा के 14 लाख फॉलोअर्स हैं। ईशा तलवार काफी आलीशान जिंदगी जीती हैं। अपने फिल्मी करियर में कई चर्चित फिल्मों और सीरीज में काम करते हुए उन्होंने अच्छी-खासी संपत्ति इकट्ठी कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ करीब 26 करोड़ रुपये है।

खूबसूरती में लग जाएंगे चार चांद, करें इस चीज़ का इस्तेमाल, असर देख हो जाएंगे हैरान

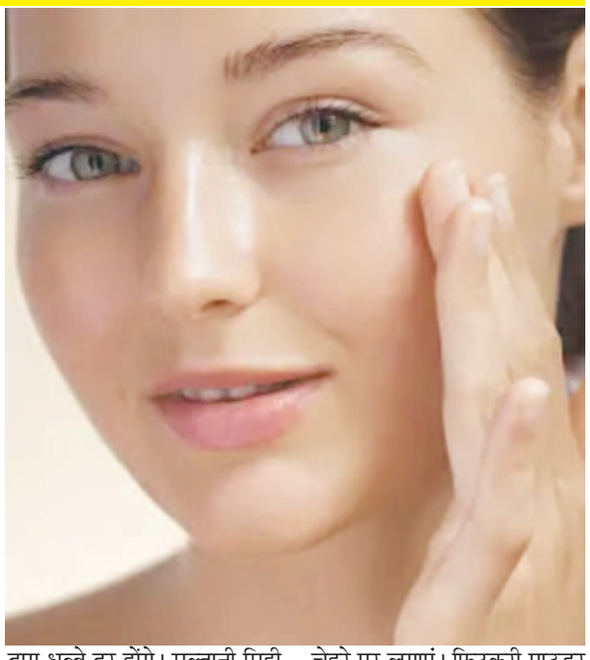

क्या आप भी अपने चेहरे के पिंपल्स, दाग धब्बों से पराशान है और चेहरे को बेहद खूबसूरत, ब्राइट बनाना चाहते है तो इस छोटी सी चीज का इस्तेमाल जरूर करें. ये आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी। चेहरे को बेदाग और खूबसूरत बनाने के लिए यह घरेलू नुस्खा आजमा सकते हैं। इससे आपका चेहरा ग्लो करने लगेगा। इस चीज़ का इस्तेमाल न केवल लड़की कर सकती है, बल्कि यह लड़को के लिए भी बेहद लाभदायक है। आपके चेहरे को चमकदार बनाने के लिए फिटकरी बहुत ही लाभदायक सिद्ध होता है। फिटकरी को पानी में मिलाकर एक सोफ्ट पेस्ट तैयार कर लें, इसे लगभग 1 घंटे तक चेहरे पर लगाएं। इससे एक्ने दूर कर सकते हैं। एक चम्मच फिटकरी पाउडर में जैतून या नारियल का तेल मिलाकर पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरा चमकदार हो जाएगा और दाग धब्बे दूर होंगे। मुल्तानी मिट्टी को एक चम्मच फिटकरी में मिलाएं और थोड़ा एलोवेरा जेल डालकर पेस्ट तैयार करके अपने चेहरे पर लगाएं। फिटकरी पाउडर में बेसन या कॉफी मिलाकर इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाने से इंसटेंट ग्लो मिलेगा।

नींद की कमी भी बन सकती हैं ब्रेस्ट कैंसर का कारण

नींद की कमी और ब्रेस्ट कैंसर के बीच संबंध विशेष रूप से महिलाओं में अध्ययन किए गए हैं। अधिकतर शोध इसे सिर्फ एक संभावना के रूप में देखते हैं और स्पष्ट कारण-प्रतिक्रिया के बीच संबंध को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट निदान नहीं हुआ है। ब्रेस्ट कैंसर के कारकों में एक महत्वपूर्ण कारक एस्ट्रोजन का स्तर होता है, जिसका उत्पन्न होना महिलाओं के ब्रेस्ट कैंसर के लिए बढ़ाता है। नींद की कमी का एक संभावित रूप से कारण हो सकता है कि वह एस्ट्रोजन के स्तरों को प्रभावित कर सकती है। विभिन्न अध्ययनों ने दिखाया है कि जिन महिलाओं में नींद की कमी होती है, उनमें एस्ट्रोजन के स्तर में बदलाव हो सकता है जो ब्रेस्ट कैंसर के विकास का संकेत हो सकता है।

इसके अलावा, नींद की कमी के कारण महिलाओं के शरीर में हार्मोनल बदलाव और इम्यून सिस्टम की कमजोरी हो सकती है, जो कैंसर के विकास के लिए एक संभावित कारक हो सकते हैं।यह सभी कारण संयोजन से, नींद की कमी ब्रेस्ट कैंसर के रिस्क को बढ़ा सकती है, लेकिन इस बारे में और अध्ययन और शोध की आवश्यकता है ताकि इसके सटीक कारण और प्रभाव को समझा जा सके। कार्य या घटना की शुरुआतः एक कार्य या घटना की शुरुआत उसके पहले चरण को कहा जाता है, जब वह अभी आरंभित होती है। इसमें प्रारंभिक योजना, स्थापना और आरंभिक प्रयास शामिल होते हैं। रोग या समस्या की शुरुआतः रोग या समस्या की शुरुआत उसके अवसादीन चरण को संकेत करती है, जब सिम्प्टम्स अभी प्रारंभिक होते हैं और उनका पहला पता चलता है। इस स्थिति में जल्दी चिकित्सा उपचार लेना महत्वपूर्ण हो सकता है। एक अनुभव की शुरुआतः यह किसी नई अनुभव का आरंभिक चरण हो सकता है, जिसमें नयी बातों को सीखने और अनुभव करने का आरंभ होता है। यह अनुभव जीवन में नया दृष्टिकोण लाता है और विकास की प्रेरणा देता है।

अपनी न्यूली वेड वाइफ को भूलकर भी ना बोलें ये बात, नहीं तो पहले ही दिन रिश्ते में आ जाएगी खटास

जब आपकी नई नवेली दुल्हन के साथ रिश्ता बनता है, तो हर लम्हा महत्वपूर्ण होता है। यह समय होता है जब आप एक दूसरे को बेहतरीन ढंग से समझने का अवसर पाते हैं। इसी बीच, कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन्हें अपनी नवेली दुल्हन से कहना ठीक नहीं होता है। इन बातों से आपके रिश्ते में दरार पैदा हो सकती है, इसलिए इन्हें ध्यान में रखना जरूरी हैः

पुराने संबंधों के बारे में चर्चाः

अपने पूर्व संबंधों की चर्चा से बचें। यह आपके और आपकी दुल्हन के बीच असंतोष पैदा कर सकती है।

उसकी परिवार के सदस्यों के बारे में टिप्पणियाँः

उसके परिवार के सदस्यों पर बिना सोचे-समझे टिप्पणियाँ न करें। यह उसकी भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है।

उसके शरीर की व्याख्याः

उसके शरीर के बारे में किसी भी अप्रिय टिप्पणी से बचें। इससे वह असुरक्षित महसूस कर सकती है।

उसकी निजी आदतों और व्यक्तित्व पर अनधिकृत टिप्पणियाँः

उसकी निजी आदतों और व्यक्तित्व के बारे में नकारात्मक टिप्पणियाँ न करें, जैसे कि उसके खर्च करने के तरीके या उसकी सोशल मीडिया पोस्टिंग पर।

उसके आराम के स्थानों पर अनधिकृत बातेंः

उसके आराम के स्थानों जैसे उसके घर, कमरे, और व्यक्तिगत व्यवस्थाओं के बारे में अनधिकृत बातें न कहें।

क्या आपको भी मानसून में खुजली और रैशेज की बढ़ जाती है समस्या? तो मिनटों में पा सकते हैं इन चीजों से राहत

बारिश का मौसम अपने साथ कई परेशानियां लेकर आता है। इस मौसम में डेंगू, मलेरिया जैसी खतरनाक बीमारियों का खतरा तो बढ़ता ही है, इसके साथ ही स्किन इंफेक्शन के मामले भी बढ़ जाते हैं। बता दें कि बारिश में भीगने, पसीने की वजह से खुजली, रैशेज और बहुत ज्यादा खुजली की वजह से घाव हो सकते हैं। अगर खुजली ने आपको बहुत परेशान कर रखा है, तो कुछ घरेलू उपायों की मदद से आप इससे जल्द राहत पा सकते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल सिर्फ खुजली ही नहीं, बल्कि त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं के लिए भी रामबाण इलाज है। एलोवेरा जेल में कूलिंग और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो खुजली के साथ-साथ सनबर्न और गर्मी से होने वाली कई अन्य समस्याओं के इलाज में कारगर हैं।

पुदीने का तेल

मानसून में स्किन पर होने वाली खुजली से राहत दिलाने में पुदीने का तेल भी मददगार है। जी हां, ये सिर्फ खुजली को दूर ही नहीं बल्कि शरीर को ठंडा भी रखता है। खुजली के अलावा दाद और खाज की समस्या भी नहीं होती। दरअसल पुदीने में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण संक्रमण को रोकने का काम करते हैं।

नारियल का तेल

इसके अलावा, नारियल का तेल भी स्किन के लिए सबसे अच्छा माना गया है, जो खुजली और कई दूसरी परशानियों को दूर करता है और इसके साथ ही त्वचा को हाइड्रेट भी रखता है। नारियल के तेल में मौजूद फैटी एसिड के गुण इसे त्वचा के लिए फायदेमंद बनाते हैं।

आपकी फेवरेट पानी पुरी बन सकती है आपके लिए जानलेवा बीमारियों की वजह

यदि आप भी पानी खाने के शौकीन हैं, तो रुकें। यह रिपोर्ट उन पैनी पुरी, गोलगप्पा, बटाशे, पुचका प्रेमियों के लिए है, जिनके दिन फास्ट फूड खाने के बिना समाप्त नहीं होते हैं।

हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें पैनी पुरी को स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक कहा गया है और कैंसर जैसी बीमारियों को बढ़ावा देना है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि कृत्रिम रंगों से भरा पानी खाने से कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा कैंसर और अस्थमा का खतरा बढ़ सकता है।

कई शिकायतों के आधार पर, कर्नाटक में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सड़क के किनारे स्टालों से लगभग 260 नमूने एकत्र किए। इनमें से, 22 प्रतिशत पानी पूर्ण गुणवत्ता परीक्षण में फंस नहीं सकता था।

परीक्षण में पानी पुरी पानी फेल

रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 41 नमूनों में कृत्रिम रंगों के साथ कैंसर -कैसिंग एजेंट शामिल थे। उसी समय, 18 नमूने बासी (खाद्य नहीं) थे।

जून के अंत में, कर्नाटक के खाद्य सुरक्षा और मानक विभाग ने राज्य भर में चिकन कबाब, मछली और सब्जी व्यंजनों में कृत्रिम रंगों के उपयोग के लिए 10 लाख रुपये तक की कारावास का आदेश दिया और सात साल से सजा का एक सजा जीवन कारावास के लिए। था। मार्च में, कर्नाटक में गोभी मंचूरियन और कॉटन कैंडी में इस्तेमाल किए जाने वाले कृत्रिम रंग एजेंट रोडामाइन-बी के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

कैंसर का बढ़ सकता है खतरा

बैंगलोर के क्लिनिकल न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स एस्टर सीएमआई अस्पताल ने बताया, "कृत्रिम रंगों का उपयोग व्यंजनों को अधिक आकर्षक बनाने और स्वादिष्ट बनाने के लिए किया जाता है, जो विभिन्न स्वास्थ्य जोखिमों का कारण बनता है। विशेष रूप से उन लोगों में जो विदेशी भोजन का उपभोग करते हैं।

इस तरह के सिंथेटिक तत्वों के अत्यधिक संपर्क से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है और सूजन में वृद्धि होती है। यह टाइफाइड जैसी भोजन -जन्म रोगों का कारण भी बन सकता है।

सर्जरी बिना हार्ट ब्लॉकेज को खोलकर रख देगी ये चीज, खुल पड़ेंगी सारी बंद नसें

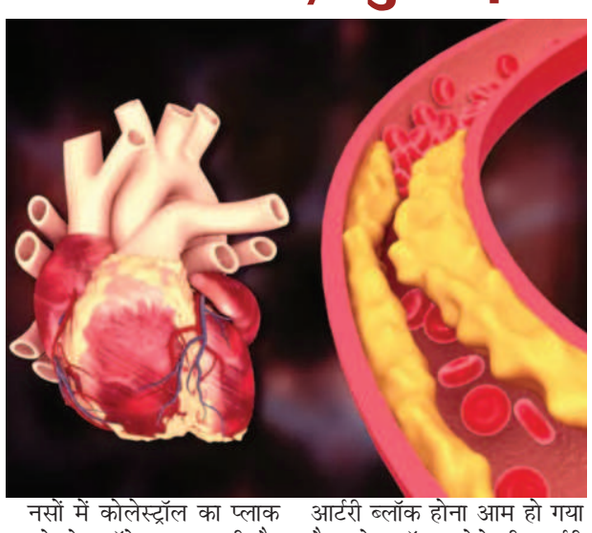

नसों में कोलेस्ट्रॉल का प्लाक जमने से ब्लॉकेज आ जाती है। इसकी शुरुआत में कुछ आयुर्वेदिक दवाओं से ही नसों को खोला जा सकता है। इसके लिए आप आयुर्वेदिक की गुग्गुल औषधि का इस्तेमाल करके फायदा पा सकते हैं।

हार्ट ब्लॉकेज की वजह से ब्लड सर्कुलेशन कम हो जाता है। जब नस पूरी तरह से बंद हो जाती है तो हार्ट अटैक आता है। इसके बाद सर्जरी करके हार्ट स्टेंट डाला जाता है। यह स्टेंट नसों को खोलकर रखता है मगर इसके बाद खानपान और भारी भरकम काम करने पर काफी ध्यान रखना पड़ता है। लेकिन अगर आप वक्त पर ब्लॉक नसों को खोलने वाली चीजों का सेवन करें तो इस दिक्कत से बच सकते हैं।

नसों में ब्लॉकेज के लक्षणः एलडीएल कोलेस्ट्रॉल की वजह से आर्टरी ब्लॉक होना आम हो गया है। इसे क्लॉग्ड कोरोनरी आर्टरी कहते हैं। इसकी वजह से सीने में दर्द जो गर्दन, जबड़े, हाथ, कमर में भी महसूस हो; पसीना, सांस फूलना, चक्कर आना, बेहोशी हो सकती है। अगर आपको ऐसी दिक्कतें हल्की-हल्की महसूस होती हैं जो नसें खोलने वाली चीजें खाएं।

सर्जरी के बिना हार्ट ब्लॉकेज कैसे खोलें?

अगर आपकी नसों में ब्लॉकेज शुरू हुई है तो इसे आयुर्वेदिक दवाओं से कम किया जा सकता है। विकासपीडिया के मुताबिक गुग्गुल कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल की नसों को खोलने में मदद करता है। इसे एथेरोस्क्लेरोसिस और हाइपरलिविडेमिया को कंट्रोल करने वाला बताया गया है।

गुग्गुल है कोलेस्ट्रॉल कम करने की दवा

विकासपीडिया के मुताबिक गुग्गुल को दवा के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन पहले पक्का कर लें कि यह औषधि शुद्ध है या नहीं। पूरे दिन में इसकी 12-16 ग्राम की मात्रा को बांटकर लिया जा सकता है। यह दवा गुनगुने पानी से 3 महीने तक लेनी है।

लहसुन उपयोग करने के फायदे

नसों की ब्लॉकेज खोलने के लिए लहसुन का उपयोग भी किया जा सकता है। यह एक औषधि की तरह काम करने वाला फूड है। खाने में इसका इस्तेमाल करने से प्लाक जमने का खतरा कम हो जाता है। साथ ही हार्ट फंक्शन बेहतर बनता है।

अनार के फायदे

यह फल दिल के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह खून बढ़ाने का काम करता है और हार्ट फंक्शन को सुधारता है। विकासपीडिया के मुताबिक यह दिल की बीमारियों से बचाने वाला फल है। इसका सेवन करने से दूसरे फायदे भी मिलते हैं।

इन चीजों से बचें

गर्म, तेल, मसालेदार फूड
विरुद्ध आहार का सेवन
बहुत ज्यादा या कम एक्सरसाइज करना
अत्यधिक तनाव, डर या गुस्से में रहना
बहुत ज्यादा भूखा रहना
ज्यादा या बेवक्त खाना
तंबाकू, शराब का सेवन
सीने पर चोट

हाई कोलेस्ट्रॉल से हैं परेशान तो खाना शुरू कर दीजिए ये सब्जियां

हेल्दी हार्ट के लिए हेल्दी डाइट लेना जरूरी है। अगर आप चाहते हैं कि भविष्य में आप हार्ट के मरीज न बनें, तो इसके लिए आपको अपना कोलेस्ट्रॉल मेंटेन रखना भी बहुत जरूरी है। जिन लोगों का हाई कोलेस्ट्रॉल है, उन्हें अपनी डाइट में खास ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि ऐसे मरीजों में अटैक का खतरा बढ़ जाता है। बढ़े हुए हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए कुछ सब्जियों का सेवन बहुत लाभकारी हो सकता है। ये सब्जियां न केवल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करती हैं, बल्कि हृदय रोग के खतरे को भी कम करती हैं। यहां जानते हैं कुछ ऐसी ही सब्जियों के बारे में, जो आपके हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करेंगी।

बैंगन

बैंगन में फाइबर और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो बेड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। इसका सेवन पाचन स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा है और यह कब्ज की समस्या में भी राहत देता है।

लहसुन

लहसुन में एलिसिन नामक पावरफुल गुण पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल के लेवल कम करने में मददगार है। इसका सेवन ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल में रखता है।

पालक

पालक में ल्यूटिन, फाइबर और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद हाई एंटीऑक्सीडेंट आर्टीज में प्लाक जमने से रोकते हैं,जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है।

ब्रोकली

हार्ट के लिए ब्रोकली एक सुपरफूड है। ब्रोकली में उच्च मात्रा में फाइबर होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है, जिससे ब्लॉकेज का खतरा भी कम होता है।

अन्य सब्जियां

अधिक फाइबर युक्त सब्जियां, जैसे कि गाजर, टमाटर और ककड़ी में भी कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करती हैं।

ये चीजें आपकी लाइफ में भी हैं, तो समझ लें अभी बच्चा पैदा करने के लिए तैयार नहीं हैं आप

शादी के बाद हर कपल से यही उम्मीद की जाती है कि वो अब जल्द ही फैमिली प्लानिंग कर लें। हालांकि, बच्चे करने को लेकर हर किसी की स्थिति एक जैसी नहीं होती है। कोई शादी के तुरंत बाद बच्चा करना चाहता है, तो वहीं कुछ कपल्स शादी के बाद कुछ साल तक अपनी मैरिड लाइफ को इंजॉय करने के बाद फैमिली प्लानिंग करने की सोचते हैं।

अगर आपको भी लग रहा है कि अभी आप बच्चा करने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं या आप इसे लेकर थोड़े कंफ्यूज हैं, तो यहां बताए गए कुछ संकेतों से आपको यह स्पष्ट हो जाएगा कि आपको अभी बच्चा करना चाहिए या नहीं।

आर्थिक स्थिरता की कमी

बच्चों की परवरिश में काफी खर्चा होता है। यदि आप अपनी आर्थिक स्थिति के बारे में चिंतित हैं या आपके पास आय का स्थिर साधन नहीं है, तो यह एक संकेत हो सकता है कि आप अभी बच्चों के लिए तैयार नहीं हैं। बच्चों की देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं के लिए एक मजबूत आर्थिक स्थिति की जरूरत होती है। अगर ऐसा न हो तो फिर कपल्स को पैसों की तंगी होने लगती है। आर्थिक तनाव बच्चों की परवरिश में कई समस्याएं पैदा कर सकता है।

मानसिक और भावनात्मक अस्थिरता

बच्चों की परवरिश में मानसिक और भावनात्मक स्थिरता का बहुत महत्व है। यदि आप मानसिक रूप से अस्थिर महसूस कर रहे हैं, तनावग्रस्त हैं या डिप्रेशन में हैं, तो आपको अपना फैमिली प्लानिंग का फैसला टाल देना चाहिए। बच्चों को एक स्थिर और सकारात्मक वातावरण की आवश्यकता होती है ताकि वे मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रह सकें। आपके मानसिक स्वास्थ्य का सीधा असर आपके बच्चों पर पड़ेगा।

पति-पत्नी के बीच अनबन

यदि आपके और आपके साथी के बीच लगातार झगड़े होते हैं या आपका रिश्ता तनावपूर्ण है, तो यह एक संकेत हो सकता है कि आप अभी बच्चों के लिए तैयार नहीं हैं या आपको अभी बच्चे नहीं करने चाहिए। बच्चों को एक सुरक्षित और प्यार भरे माहौल की आवश्यकता होती है। रिश्ते की समस्याओं को पहले सुलझाना महत्वपूर्ण है ताकि बच्चों को एक स्थिर और सुखद पारिवारिक माहौल मिल सके।

समय की कमी

बच्चों की परवरिश में समय की बहुत आवश्यकता होती है। यदि आपके पास अपने काम या किसी और वजह से बच्चों के लिए पर्याप्त समय नहीं है, तो यह एक संकेत हो सकता है कि आप अभी बच्चों के लिए तैयार नहीं हैं। बच्चों को आपकी उपस्थिति और देखभाल की आवश्यकता होती है, जो आप तभी दे सकते हैं जब आपके पास पर्याप्त समय हो।

जिम्मेदारियों का एहसास न होना

बच्चों की परवरिश एक बड़ी जिम्मेदारी है। यदि आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर गंभीर नहीं हैं या आपको इस बारे में संदेह है कि आप इन जिम्मेदारियों को निभा पाएंगे या नहीं, तो बच्चे को लेकर आपको दोबारा सोच-विचार कर लेना चाहिए। बच्चों को एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण देने के लिए आपको अपनी जिम्मेदारियों को समझना और उन्हें निभाना आवश्यक है।

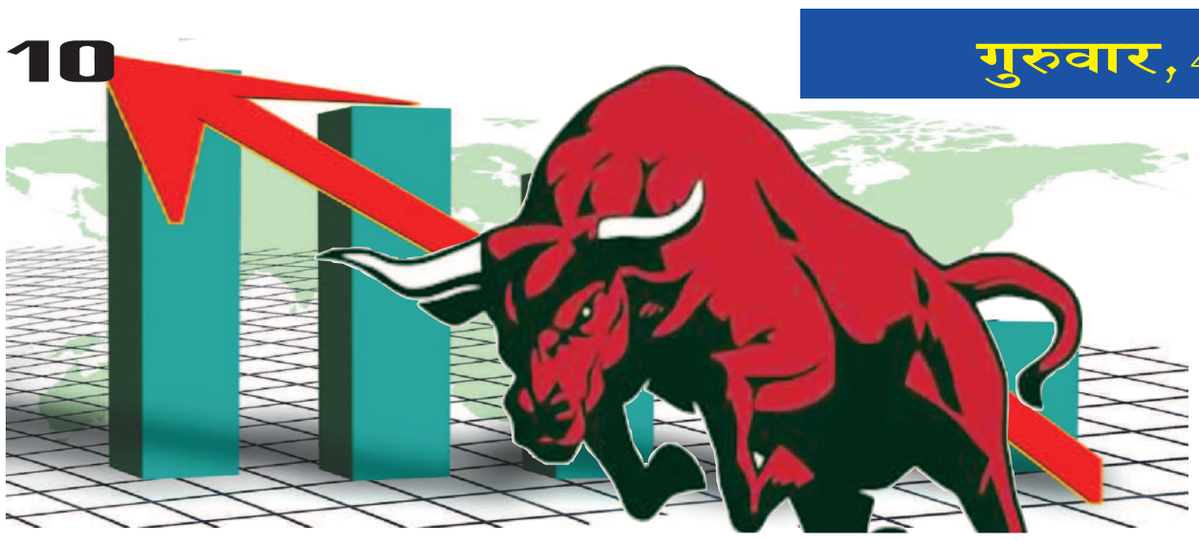

भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कू बंद हुआ

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कू अब बंद हो गया है। कू के फाउंडर्स अप्रमेय राधाकृष्ण और मयंक बिदावतका ने इस फैसले का ऐलान किया। इस ऐप को माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर (अब X) को टक्कर देने के लिए लॉन्च किया गया था। फाउंडर्स ने पार्टनरशिप विफल होने, अनप्रिडिक्टेबल कैपिटल मार्केट और हाई टेक्नोलॉजी कॉस्ट के कारण यह फैसला लेने की बात कही है। इससे पहले कंपनी ने अप्रैल 2023 में कर्मचारियों की बड़ी संख्या को नौकरी से निकाला था।

पीएम ने राज्यसभा में सुधा मूर्ति का किया धन्यवाद

> पूर्व इंफोसिस चेयरपर्सन ने की है मांग

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति की भी प्रशंसा की। उन्होंने महिलाओं से जुड़े अहम मुद्दे सदन में उठाने के लिए इंफोसिस फाउंडेशन की पूर्व चेयरपर्सन सुधा मूर्ति का धन्यवाद किया। समाजसेवी, लेखिका और इंफोसिस फाउंडेशन की पूर्व चेयरपर्सन रहीं सुधा मूर्ति ने 2 जुलाई को राज्यसभा में अपने पहले संबोधन में सरकार की ओर से प्रायोजित टीकाकरण कार्यक्रम की वकालत की थी। अपने भाषण में मूर्ति ने मनु स्मृति के एक प्रसिद्ध श्लोक का पाठ किया- यत्र नर्यस्तु पूज्यन्ते रमंते तत्र देवता, यत्रितास्तु न पूज्यन्ते सर्वस्तत्रफलाः क्रियाः। मतलब जहाँ स्त्रियों का सम्मान होता है, वहाँ देवत्व खिलता है, और जहाँ भी स्त्रियों का अपमान होता है, वहाँ सभी कर्म चाहे कितने ही महान क्यों न हों, निष्फल रहते हैं। सुधा मूर्ति ने कहा कि किसी भी परिवार में अगर मां अगर चली गई तो उसकी कोई क्षतिपूर्ति नहीं। इन्फोसिस फाउंडेशन की पूर्व चेयरपर्सन रही सुधा मूर्ति ने राज्यसभा में अपने पहले ही भाषण में दो अहम मुद्दे उठाए। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर उच्च सदन में हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति ने मांग की कि जिस तरह कोरोना काल में टीकाकरण अभियान चलाया गया था, उसी तरह महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए भी टीकाकरण अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं में इस बीमारी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इससे बचाव के लिए किशोरावस्था में इसके टीके लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। सुधा मूर्ति ने कहा कि हमारी सामाजिक व्यवस्था ऐसी है जिसमें महिलाएं अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पातीं। जब वे अस्पताल पहुंचती हैं तो उनमें सर्वाइकल कैंसर तीसरे या चौथे स्टेज पर होता है। उन्हें बचाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि उनके पिता कहते थे कि महिलाएं परिवार का केंद्र होती हैं और महिला के निधन के बाद पति को तो दूसरी पत्नी मिल जाती है लेकिन बच्चों को दूसरी मां नहीं मिलती। सुधा मूर्ति ने सवाल किया कि कोविड काल में जब कोरोना से बचाव के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया गया तो महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए अभियान क्यों नहीं चलाया जा सकता?

80000 के पार गया सेंसेक्स तो खुशी रोक नहीं पाए पीएम मोदी

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। देश का शेयर बाजार दिन पर दिन नया रिकॉर्ड बना रहा है. बुधवार को कारोबारी सत्र की शुरुआती सत्र में ही सेंसेक्स चढ़कर पहली बार 80000 के पार चला गया. स्टॉक मार्केट में यह तेजी मोदी 3.0 सरकार बनने के बाद आई है. संसद में बोलते हुए पीएम मोदी ने बुधवार को शेयर बाजार के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंचने का जिक्र किया. संसद में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने लोकसभा चुनाव में विश्वास की राजनीति को चुनते हुए धोखे और प्रचार की राजनीति को खारिज कर दिया।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब के दौरान प्रधानमंत्री ने राज्यसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'हमें चुनावों में देश के लोगों की समझदारी पर गर्व है. देश की जनता ने दुष्प्रचार को हराया है. उन्होंने काम को प्राथमिकता दी है. जनता ने धोखे की राजनीति को खारिज कर वश्विास की राजनीति पर जीत की मुहर लगाई है।

भारत का कोयला उत्पादन जून में 14.5 प्रतिशत बढ़कर 84.6 मिलियन टन पहुंचा

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का कोयला उत्पादन जून में रिकॉर्ड 14.5 प्रतिशत बढ़कर 84.63 मिलियन टन हो गया है, जो कि पहले पिछले वर्ष समान अवधि में 73.92 मिलियन टन था। कोयला मंत्रालय की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा जून में 63.10 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया गया। इसमें सालाना आधार पर 8.87 प्रतिशत की बढ़त हुई है। पिछले वर्ष यह 57.96 मिलियन टन था। वहीं, अन्य कंपनियों द्वारा बीते महीने 16.03 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया गया। पिछले वर्ष के मुकाबले इसमें 55.49 प्रतिशत की बढ़त हुई है।

जून 2024 में सीआईएल की ओर से 64.10 मिलियन टन कोयला पहुंचाया गया। इसमें सालाना आधार पर 5.41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष समान अवधि में ये आंकड़ा 60.81 मिलियन टन था। वहीं, अन्य कोल कंपनियों की ओर से जून में 16.26 मिलियन टन (प्रोविजनल) कोयला पहुंचाया गया। इसमें 43.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष समान अवधि में यह आंकड़ा 11.30 मिलियन टन था। कोयला कंपनियों की ओर से किया जाने वाला कोयला भंडारण (जून 30 तक) सालाना आधार पर 41.68 प्रतिशत बढ़कर 95.02 मिलियन टन हो गया है।

थर्मल पावर प्लांट्स (टीपीपी) में कोयले का भंडारण सालाना आधार पर 30.15 प्रतिशत बढ़कर 46.70 मिलियन टन हो गया है। बता दें, गर्मी के दिनों में बिजली की मांग बढ़ने के कारण टीपीपी पर कोयले की मांग अधिक बढ़ जाती है। जून 2024 में इंडिया एनर्जी एक्सचेंज पर इलेक्ट्रिसिटी वॉल्यूम 24.7 प्रतिशत बढ़कर 10,185 मिलियन यूनिट (एमयू) रहा है।

आज सोने-चांदी के दाम में तेजी

गोल्ड 281 रुपए बढ़कर 71,983 रुपए पर पहुंचा
एक किलो चांदी 88,857 रुपए हुई

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 3 जुलाई को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स ए सो सि ए श न (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 281 रुपए बढ़कर 71,983 रुपए पर पहुंच गया है। कल इसके दाम 71,692 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं एक किलो चांदी 842 रुपए बढ़कर 88,857 रुपए में बिक रही है। इससे पहले चांदी 88,015 रुपए किलो प्रति पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी। इस साल अब तक सोने के दाम 8,631 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,870 रुपए पर था। जो अब 71,983 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी। जो अब 88,857 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 15,462 रुपए बढ़ चुकी है।

सेंसेक्स ने 80,074 और निफ्टी ने 24,307 का हाई बनाया

इसके बाद सेंसेक्स 545 अंक चढ़कर 79,986 पर बंद

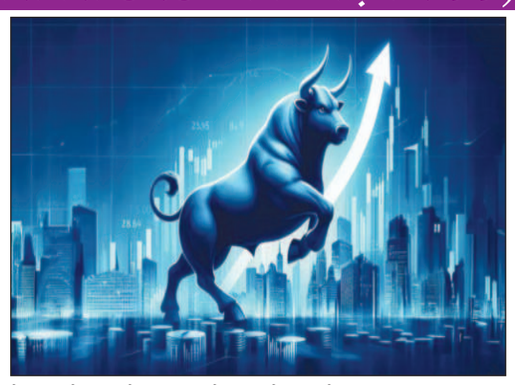

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। शेयर बाजार ने आज यानी 3 जुलाई को लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 80,074 और निफ्टी ने 24,307 का लेवल छुआ। हालांकि इसके बाद बाजार थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 545 अंक की तेजी के साथ 79,986 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 162 अंक की तेजी रही। ये 24,286 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में तेजी और 6 में गिरावट देखने को मिली। बैंकिंग, पावर और मेटल शेयर्स में ज्यादा तेजी है। टाटा कंज्यूमर के शेयर में 3.55% की तेजी रही। एनएसई के सेक्टोरियल इंडेक्स में निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा 2.02% की तेजी रही। फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.82% और निफ्टी बैंक में 1.77% की बढ़त रही। आज मीडिया को छोड़कर सभी सेक्टोरियल इंडेक्स में तेजी रही।

7 महीने में 70 हजार से 80 हजार पर पहुंचा सेंसेक्स

सेंसेक्स को 70 हजार से 80 हजार तक पहुंचने में 7 महीने लगे हैं। 11 दिसंबर 2023 को सेंसेक्स 70 हजार पर था, जो अब, यानी 3 जुलाई को 80 हजार पर पहुंच गया है। वहीं, सेंसेक्स 60 हजार से 70 हजार पर पहुंचने में 2 साल से ज्यादा लगे थे। इस साल इस साल अब तक सेंसेक्स में 10% और बीते 1 साल में 22% की तेजी देखने को मिली है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति

सूर्य-	मिथुन में
चंद्र-	वृष में
मंगल	मेष में
बुध-	कर्क में
गुरु-	वृष में
शुक्र-	मिथुन में
शनि-	कुंभ में
राहु-	मीन में
केतु-	कन्या में

लग्नारंभ समय

मिथुन..	04-30 बजे
कर्क....	06-42 बजे
सिंह....	08-54 बजे
कन्या..	11-00 बजे
तुला.....	13-06 बजे
वृश्चिक..	15-16 बजे
धनु.....	17-29 बजे
मकर..	19-36 बजे
कुंभ....	21-26 बजे
मीन...	23-04 बजे
मेष....	00-40 बजे
वृष....	02-25 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-50 सूर्यास्त. -18-50
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 05-54 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - आषाढ़ कृष्ण, गुरुवार 04 July
नक्षत्र - मृगशिरा 03-54 तक उपरान्त आद्रा
योग - गण्ड 06-59 तक उप वृद्धि
करण- वणिज 05-54 तक उप विष्टी
विशेष:- मासिक शिवरात्री
व्रत -त्योहार - चतुर्दशी तिथि क्षय

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:59 से 15:37 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05:50 - 07:26 शुभ	अमृत	18:50 - 20:15 शुभ
रोग	07:26 - 09:04 अशुभ	चंचल	20:15 - 21:37 शुभ
उत्पात	09:04 - 10:42 अशुभ	रोग	21:37 - 22:59 अशुभ
चंचल	10:42 - 12:21 शुभ	काल	22:59 - 00:21 अशुभ
लाभ	12:21 - 13:59 शुभ	लाभ	00:21 - 01:43 शुभ
अमृत	13:59 - 15:37 शुभ	उत्पात	01:43 - 03:04 अशुभ
काल	15:37 - 17:15 अशुभ	शुभ	03:04 - 04:26 शुभ
शुभ	17:15 - 18:50 शुभ	अमृत.	04:26 - 05:50 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है । यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है, तो आज का दिन सौदे के लिए अनुकूल है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आपको नयी नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है जो की आपके क्षेत्र से अलग होगा । आपको दोनों क्षेत्रो को आपस में तोलना होगा ताकि आप सही करियर का निर्णय ले सके , हालाँकि ये आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा पर आप पूरी तरह से अपना कार्य क्षेत्र को न बदले ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आप आज कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी ले। अगर आप इसे अच्छी तरह से करते हैं, तो आपको एक दैनिक आधार पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस के साथ, वेतन में वृद्धि भी आयेगी । इसलिए ईमानदारी से काम करते रहे और लगातार अपने आप को प्रेरित करते रहे। हो सकता है की लाभ आज दिखाई न दे।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज का दिन सट्टा उद्यमों के लिए सबसे उपयुक्त है । आज एक लॉटरी टिकट या कंपनियों के शेयरों में निवेश करने से धन वृद्धि का एक उच्च मौका है। आपको किसी से एक अच्छा सुझाव मिल सकता है और अगर आप उसे समय पर करते हैं , तो आप अपनी आय बढ़ा सकते हैं। आज का दिन आपके के लिए शांतिपूर्ण रहेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चों पर लगाम लगाएंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

पिछले कुछ दिनों से अलग अलग दिशाओं में आपका मन भाग रहा है और निर्णायक निर्णय लेने में आप असमर्थ रहे है। बहरहाल, आज आपको दृष्टि की एक दुर्लभ स्पष्टता का अनुभव होगा और आप अपने कार्यस्थल पर मुद्दों के बारे में स्पष्ट और उचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे । आपको किसी से अच्छी करियर सलाह मिलने की भी संभावना है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आपका ध्यान कही भटक सकता है , और आपको लगेगा की आप अपने कार्यों को समय पर पूरा नहीं कर पाएंगे । परिणाम स्वरुप आप अपने कार्यों में पीछे रह सकते है । इसका सबसे अच्छा समाधान है की आप कार्य से एक दिन अवकाश ले और बाहरी गतिविधियों में एक दिन बिताए ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नए कारोबार और निर्यात बढ़ने से भारत के सेवा क्षेत्र में मजबूती आई

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बिक्री में अभूतपूर्व विस्तार तथा नए ऑर्डरों में जोरदार वृद्धि के बीच देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जून में तेज हुई जो मई में पांच महीने के निचले स्तर पर थी। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मई के 60.2 से बढ़कर जून में 60.5 पर पहुंच गया।

परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार का मतलब है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत के सेवा क्षेत्र में गतिविधि वृद्धि जून में तेज हुई, सूचकांक 0.3 पीपीटी (प्रतिशत अंक) बढ़कर 60.5 हो गया, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों नए ऑर्डरों में वृद्धि हुई। इसने सेवा क्षेत्र के फर्मों को अगस्त 2022 के बाद से सबसे तेज गति से अपने कर्मचारियों के स्तर को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। मांग की ताकत और नए व्यवसाय से विकास को बढ़ावा मिला। भारतीय सेवा प्रदाताओं को मिले नए ऑर्डर जून में लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे विस्तार का मौजूदा क्रम करीब तीन साल का हो गया है। अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर्स में भी रिकॉर्ड विस्तार हुआ। एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व और अमेरिका सभी जगहों से भारतीय सेवा क्षेत्र को काम मिला। ग्राहकों की सकारात्मकता ने भारत में सेवा प्रदाताओं को पहली वित्तीय तिमाही के अंत में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती के लिए प्रोत्साहित किया। अगस्त 2022 के बाद से सेवा क्षेत्र में रोजगार का स्तर सबसे तेज गति से बढ़ा, क्योंकि नए कार्यों के लिए अल्पकालिक और स्थायी कर्मचारियों को लिया गया था। कीमत के मोर्चे पर देखें तो, उच्च भोजन, ईंधन और श्रम लागत के कारण सेवा प्रदाताओं के औसत खर्चों में मामूली वृद्धि दिखी। मुद्रास्फीति की गति फिर भी चार महीनों में सबसे कमजोर रही।

क्रेडिट कार्ड का बढ़ा जलवा, तीन गुना बढ़ गया सीसी ट्रांजेक्शन

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इस समय लोग खुल कर खर्च कर रहे हैं। पास में पैसे नहीं हैं तो कोई बात नहीं। क्रेडिट कार्ड है ना। समय पर क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं चुका पाए तो ईएमआई बंधवा लिए। लेकिन शौक या आवश्यकता तो पूरी होगी ही। तभी तो पिछले तीन साल में क्रेडिट कार्ड का खर्च तीन गुना बढ़ कर 18 लाख रुपये से भी ऊपर चला गया है। देश में क्रेडिट कार्ड का उपयोग कितनी तेजी से बढ़ रहा है, इसका अंदाजा रिजर्व बैंक के आंकड़ों से ही मिलता है। इस आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीन वर्षों के दौरान क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन तीन गुना बढ़ गया है। यह मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान 18.31 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह तीन साल पहले, मार्च 2021 में, 6.30 लाख करोड़ रुपये था।

गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन मानसून ने बिगाड़ा थाली का स्वाद

टमाटर की सेंचुरी तो अर्धशतक लगा रहा प्याज, आलू पर भी दवाब

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पहले चिलचिलाती धूप और अब मूसलाधार बारिश ने महंगाई को बढ़ा दिया है. सब्जियों की कीमत कम होने का इंतजार कर रहे लोगों को झटका लगा है. बारिश की बूंदों के साथ जो उम्मीद कर रहे थे कि आलू, प्याज, टमाटर की कीमत कम होगी, उन्हें मायूसी हाथ लगी है. मानसून के साथ सब्जियों की कीमत में आसमान छूने लगे हैं. खुदरा बाजार में आलू, प्याज, टमाटर समेत हरी सब्जियों के दाम जेब पर भारी पड़ रहे हैं. मानसून ने गर्मी से राहत तो दी, लेकिन जेब पर बोझ बढ़ा दिया है।

हरी सब्जियों की कीमत बढ़ी

पहले गर्मी ने सब्जियों का रेट बिगाड़ा तो अब मानसून के चलते प्याज टमाटर के दाम बढ़ने लगे हैं. बारिश के बीच मंगलवार को टमाटर का अधिकतम मूल्य 130 रुपये तर पहुंच गया है. वहीं प्याज की कीमत 90 रुपये किलो तक पहुंच गई है, जबकि हर सब्जी की जान आलू भी 80 रुपये पर पहुंच गया है. उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर सब्जियों, चावल-दाल समेत खाने-पीने की चीजों की दैनिक कीमत जारी की जाती है. इस वेबसाइट पर जारी रेट के मुताबिक टमाटर की कीमत ने 100 के आंकडें को पार कर लिया है।

कितना महंगा हुआ टमाटर, प्याज, और आलू

उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी रेट के मुताबिक 2 जुलाई को आलू का अधिकतम मूल्य 80 रुपये किलो, प्याज का अधिकतम मूल्य 90 रुपये किलो और टामटर का अधिकतम मूल्य 130 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है. मानसून के आने के साथ ही अधिकतर शहरों में टमाटरक के भाव 100 रुपये के आंकड़े को पार कर चुके हैं. वहीं औसत रेट 54.50 रुपये है. सबसे महंगा टमाटर अडंमान निकोबार में बिक रहा है. वहां प्याज 60 रुपये और आलू 61.67 रुपये किलो बिक रहा है।

क्यों महंगी हो रही सब्जियां

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार 2 जुलाई को सब्जियों की कीमत औसत से ऊपर पहुंच चुकी थी. यूपी में टमाटर 50 के आंकडे के पास पहुंच गया तो वहीं प्याज 45 से 50 रुपये किलो बिक रहा है. इसी तरह से आलू जो 10 से 12 रुपये किलो बिक रहा था वो भी 40 रुपये पर पहुंच गया है. बिहार में टमाटर 40 से 45 रुपये किलो बिक रहा है तो दिल्ली -एनसीआर का हाल बेहाल है. यहां सब्जियों की कीमत सातवें आसमान पर पहुंच चुकी है. नोएडा में आलू का खुदरा रेट 40 से 45 रुपये, तो प्याज 60 रुपये के आंकड़ें को छूने लगा है, टमाटर की कीमत 50 से 55 रुपये किलो तक पहुंच गई है।

पहले गर्मी ने फसलों को नुकसान पहुंचाया तो अब मानसून की बारिश ने दालों, सब्जियों के भाव बढ़ा दिए हैं. आलू, प्याज और टमाटर, लहसुन जैसी रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दामों बढ़ते जा रहे हैं. मानसून में ट्रांसपोर्टेशन में आने वाली दिक्कत, स्टोरेज की समस्या और भारी बारिश से फसलों को नुकसान की वजह से सब्जियों , दालों, चावल, तेल आदि के रेट बढ़ जाते हैं।

कौन हैं भोले बाबा, हादसे के बाद कहां भागे

30 एकड़ में आश्रम, कारों का काफिला, भक्त परमात्मा बुलाते, पत्नी को मां जी

हाथरस, 3 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। यूपी के हाथरस में मंगलवार को सत्संग के बाद भगदड़ मच गई। इसमें महिलाएं और बच्चे फंस गए। भीड़ ने उन्हें कुचल दिया और शवों के ढेर लग गए। अब तक 122 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में ज्यादातर बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं हैं। हाल के सालों में ये सबसे बड़ी त्रासदी है।

भगदड़ उस समय हुई, जब लोग भोले बाबा के चरणों की धूल लेने को टूट पड़े। वॉलंटियर्स ने वाटर कैनन से पानी की बौछार की। लोग फिसले और जमीन पर गिरे, फिर एक-दूसरे को रौंदते हुए निकल गए। हादसे के बाद भोले बाबा फरार हो गया। हादसे के 17 घंटे बाद भी पुलिस को उसकी लोकेशन नहीं मिली है।

भोले बाबा का आश्रम 30 एकड़ में है। उसने खुद की आर्मी बना रखी है। यौन शोषण समेत 5 मुकदमे दर्ज हैं। यूपी पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल रहते हुए यौन शोषण का आरोप लगा तो उसे बर्खास्त कर दिया गया था। जेल भी गया। बाहर आया तो नाम और पहचान बदल ली। अनुयायी भोले बाबा उर्फ साकार विश्व हरि को परमात्मा कहते हैं, जबकि उसकी पत्नी को मां जी। हर समागम कार्यक्रम में बाबा और उसकी पत्नी शामिल होते हैं, जब बाबा नहीं होते तो पत्नी प्रवचन देती। तीन महीने से पत्नी का स्वास्थ्य खराब है, इसलिए बाबा अकेले ही प्रवचन देने जाते थे।

हादसा हाथरस जिले से 47 किमी दूर फुलरई गांव में मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। उस वक्त भोले बाबा गांव में मौजूद था। लेकिन, भगदड़ मचते ही वह फरार हो गया। अब वह कहां है, इसकी कोई जानकारी नहीं है। इस बीच दो थ्योरी सामने आईं। पहली कि बाबा पुलिस की गिरफ्त में है। उसे मैनपुरी के कस्बा बिछवा स्थित राम कुटीर आश्रम में रखा गया है। आश्रम के अंदर-बाहर फोर्स तैनात कर दी गई है।

मामला ठंडा होते ही पुलिस उसकी गिरफ्तारी दिखा सकती है। दूसरी थ्योरी में यह बताया जा रहा है कि बाबा ने अपना मोबाइल बंद कर लिया है। वह फरार हो गया है। उसकी लोकेशन पुलिस को नहीं मिल रही है।

भोले बाबा का असली नाम सूरज पाल है। वह एटा जिले के बहादुर नगरी गांव का रहने वाला है। शुरुआती पढ़ाई एटा जिले में हुई। बचपन में पिता के साथ खेती-किसानी में हाथ बंटाता था। पढ़ाई के बाद यूपी पुलिस में नौकरी लग गई। यूपी के 12

थानों के अलावा इंटेलिजेंस यूनिट में सूरज पाल की तैनाती रही।

यूपी पुलिस में हेड कांस्टेबल की नौकरी के दौरान 28 साल पहले सूरज पाल इटावा में भी पोस्टेड रहा। नौकरी के दौरान उसके खिलाफ यौन शोषण का मुकदमा दर्ज होने के बाद उसे पुलिस विभाग से बर्खास्त किया गया। जेल से छूटने के बाद उसने अपना नाम नारायण हरि उर्फ साकार विश्वहरि रख लिया और उपदेशक बन गया। लोग उसे भोले बाबा कहने लगे। उसकी पत्नी भी समागम में साथ रहती है।

30 एकड़ में आश्रम, 10 साल पहले मैनपुरी पहुंचा

बाबा का गांव में आश्रम 30 एकड़ में फैला हुआ है। जहां किसी देवता की मूर्ति नहीं है। 2014 में उसने बहादुर नगर से मैनपुरी के बिछवा में अपना ठिकाना बदल लिया और आश्रम का प्रबंधन स्थानीय प्रशासक के हाथों में छोड़ दिया। सूत्रों ने बताया कि उसके ठिकाना बदलने के बावजूद आश्रम में हर दिन 12,000 तक लोग आते थे।

वह कारों के काफिले के साथ चलता है। मीडिया से दूरी बनाए रखने वाले बाबा की गांव-गांव गहरी पैठ है। अनुयायी उसे भगवान शिव की तरह पूजते हैं। इसलिए उसका नाम भोले बाबा पड़ गया।

मॉर्डन लुक अपनाया

भोले बाबा किसी अन्य बाबा की तरह भगवा पोशाक नहीं पहनता। वह अपने सत्संग में थ्री पीस सूट और रंगीन चश्मे में नजर आता है। सूट और बूट का रंग हमेशा सफेद होता है। कई बार कुर्ता-पैजामा और सिर पर सफेद टोपी भी लगाकर सत्संग करने पहुंचता है।

भोले बाबा अपने समागम में दावा करता है- 18 साल की नौकरी के बाद 90 के दशक में उसने वीआरएस ले लिया। उसे नहीं मालूम कि सरकारी नौकरी से अध्यात्म की ओर खींचकर कौन लाया? वीआरएस लेने के बाद भगवान से साक्षात्कार हुआ। भगवान की प्रेरणा से पता चला, यह शरीर उसी परमात्मा का अंश है। इसके बाद उन्होंने अपना जीवन मानव कल्याण में लगाने का फैसला कर लिया।

वह कहता है- मैं खुद कहीं नहीं जाता, बल्कि भक्त मुझे बुलाते हैं। भक्तों की फरियाद पर अलग-अलग स्थानों पर घूमकर समागम करते रहते हैं।

इस समय कई आईएएस-आईपीएस अफसर उसके चेले हैं। अक्सर उनके समागम में राजनेता और अफसर पहुंचते हैं। शादियां भी कराई जाती हैं।

बिना प्रसाद और चढ़ावे के आते हैं भक्त

साकार विश्व हरि उर्फ भोले बाबा के आयोजन में कोई प्रसाद नहीं चढ़ता। अनुयायी भी कोई चढ़ावा नहीं चढ़ाते हैं। बाबा कोई साहित्य या सामग्री नहीं बेचते। समागम कार्यक्रमों के लिए श्रद्धालुओं से चंदा नहीं लिया जाता। अनुयायी मंच के नीचे से बाबा को प्रणाम करते हैं। चढ़ावा नहीं लेने की वजह से बाबा के अनुयायी बढ़ते गए।

अखिलेश यादव समागम में शामिल हुए थे

बाबा का कनेक्शन सियासत से भी है। कुछ मौकों पर यूपी के कई बड़े नेताओं को उनके मंच पर देखा गया। इसमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम भी शामिल है। अखिलेश यादव ने जनवरी, 2023 में एक समागम में हिस्सा लिया था। उन्होंने 4 तस्वीरें X अकाउंट पर पोस्ट की। लिखा- नारायण साकार हरि की संपूर्ण ब्रह्मांड में सदा-सदा के लिए जय जयकार हो।

एससी/एसटी और ओबीसी वर्ग में गहरी पैठ

भोले बाबा के अनुयायी यूपी, राजस्थान और मध्य प्रदेश में हैं। एससी/एसटी और ओबीसी वर्ग में उसकी गहरी पैठ है। मुस्लिम वर्ग के लोग भी अनुयायी हैं। बाबा का यूट्यूब चैनल और फेसबुक पर पेज भी है। यूट्यूब में 31 हजार सब्सक्राइबर हैं। फेसबुक पेज पर भी ज्यादा लाइक्स नहीं हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनके लाखों अनुयायी हैं। उनके हर समागम में लाखों लोगों की भीड़ उमड़ती है।

काली पोशाक में रहती है भोले बाबा की आर्मी

भोले बाबा की खुद की आर्मी है, जिन्हें सेवादार कहा जाता है। हर मंगलवार को होने वाले कार्यक्रम की पूरी कमान यही सेवादार संभालते हैं। सेवादार देश से आने वाले श्रद्धालुओं के पानी, भोजन से लेकर ट्रैफिक की व्यवस्था करते हैं।

समागम में बांटा जाता है पानी

भोले बाबा के सत्संग में जो भी भक्त जाता है, उसे वहां पानी बांटा जाता है। बाबा के अनुयायी ऐसा मानते हैं कि इस पानी को पीने से उनकी समस्याएं खत्म हो जाती हैं। एटा में बहादुर नगर गांव स्थित बाबा के आश्रम में दरबार लगता है। यहां आश्रम के बाहर एक हैंडपंप भी है। दरबार के दौरान इस हैंडपंप का पानी पीने के लिए भी लंबी लाइन लगती है।

कोरोना काल में भी हुआ था विवाद

मई, 2022 में जब देश में कोरोना की लहर चल रही थी, उस समय फर्रुखाबाद में भोले बाबा ने सत्संग किया था। जिला प्रशासन ने सत्संग में केवल 50 लोगों के शामिल होने की इजाजत दी थी। लेकिन, कानून की धज्जियां उड़ाते हुए 50 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए थे। यहां उमड़ी भीड़ के चलते शहर की यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी।

उस समय भी जिला प्रशासन ने आयोजकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। इस बार भी कहा जा रहा है कि कार्यक्रम के लिए जितने लोगों के शामिल होने की बात प्रशासन को बताई गई थी, उससे कहीं ज्यादा लोग जुट गए थे। भोले बाबा पर जमीन कब्जाने के भी कई आरोप हैं। कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र के करसुई गांव में साकार विश्वहरि ग्रुप पर 5 से 7 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगा था।

हाथरस के बाद आगरा में था कार्यक्रम

भोले बाबा का अगला कार्यक्रम 4 से 11 जुलाई तक आगरा में था। सैंया थाना क्षेत्र में ग्वालियर रोड पर नगला केसरी में तैयारी चल रही थी। इसके पोस्टर भी लग गए थे।

नारायणपुर आईईडी ब्लास्ट की जांच करेगी एसआईए

आईटीबीपी के 2 जवान हुए थे घायल, स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को मिला पहला केस

रायपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नवगठित स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) को पहला केस मिल गया है। एजेंसी नारायणपुर आईईडी ब्लास्ट केस की जांच करेगी। जिले में 14 जून को हुए इस ब्लास्ट में आईटीबीपी के 2 जवान घायल हुए थे। विभागीय सूत्रों के अनुसार, एसआईए की टीम जल्द नारायणपुर के कुतुल-मोहंदी का दौरा करके घटनास्थल की जांच करेंगी। साथ ही हादसे में घायल और हादसे के दिन मौके पर मौजूद जवानों से पूछताछ की जाएगी। एडीजी विवेकानंद सिन्हा ने जांच की पुष्टि की है। वारदात में शामिल आरोपियों का पता लगाने के साथ ही एसआईए विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी। इसके साथ ही लोकल नेटवर्क भी खंगाला जाएगा। एसआईए की टीम में शामिल विभागीय अधिकारियों के अनुसार, प्रदेश के 20 से ज्यादा मामलों में एनआईए अलग-अलग अपने स्तर में जांच कर रही है। नक्सली, गौ तस्करी समेत संदिग्ध मामलों में जांच करने के लिए

बनी एसआईए के पास गठन के बाद कोई भी केस नहीं था।

एनआईए ने नारायणपुर ब्लास्ट मामले में अब तक जांच शुरू नहीं की है। नारायणपुर ब्लास्ट मामले में गंभीरता से जांच हो। दोषियों के खिलाफ साक्ष्य जुटाया जा सके, इसलिए एसआईए के अधिकारियों ने केस को स्वतः संज्ञान लेकर मामले में जांच करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दी है। 14 जून 2024 को नारायणपुर में आईटीबीपी की 53वीं बटालियन के जवान नक्सल प्रभावित इलाके कुतुल और मोहंदी के बीच जंगलों में एरिया डोमिनेशन में निकले थे। कुतुल गांव के पास नक्सलियों ने पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखी थी। जवान सुबह करीब 6:30 बजे इलाके में घुसे। गश्त के दौरान एसी धर्मेंद्र और कांस्टेबल नारद कुमार का पैर आईईडी पर आ गया। जिससे धमाका हुआ और दोनों जवानों के पैर उड़ गए और वे बुरी तरह जख्मी हो गए। साथी जवानों ने उन्हें मौके से निकाला और नारायणपुर के अस्पताल में भर्ती कराया। नारायणपुर के बाद घायल जवानों को रायपुर हेलीकाप्टर से भेजा गया था।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का आतंक है। नक्सलियों पर लगातार एक्शन लेकर राज्य सरकार उनको पीछे ढकेल रही है। इसके अलावा प्रदेश में धर्मांतरण, गौ तस्करी की घटनाएं हो रही हैं। पिछले दिनों गौ सेवक की तस्करों ने कवर्धा में गला रेत कर हत्या कर दी। इसका पैटर्न आईएसआईएस जैसा था। इसकी जानकारी होने पर कवर्धा पुलिस ने फरवरी माह में एक्शन लिया और तस्करों को पकड़ा। आरोपियों पर यूएपीए के तहत कार्रवाई की गई है। इसी घटना के बाद राज्य सरकार ने एसआईए बनाने का निर्णय लिया। इसका मकसद है कि टीम अलर्ट मोड पर रहकर त्वरित और सख्त एक्शन लेगी। 7 मार्च को साय कैबिनेट में एसआईए गठन का प्रपोजल पास हुआ और निर्देश जारी कर दिया गया। आतंकवाद, नक्सलवाद, वामपंथी उग्रवाद जैसे मामलों की जांच और कार्रवाई के लिए प्रदेश में राज्य इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) के गठन का निर्णय लिया है। ये एनआईए के साथ समन्वय के लिए राज्य की नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगी। एसआईए गृह विभाग के अधीन है। एडीजी रैंक के अधिकारी को लीड करने की जिम्मेदारी मिली है। एसआईए के गठन के दौरान 74 अधिकारी-कर्मचारी को पदस्थ करने का निर्देश दिया गया था।

वर्तमान में एसआईए में केवल दो एएसपी रैंक के अधिकारी पदस्थ है। पुलिस महकमें के अधिकारियों के अनुसार एसआईए टीम गठन करने का प्रस्ताव मिल चुका है। जल्द ही रिक्त पदों की भर्ती कर दी जाएगी। देश में जम्मू-कश्मीर के बाद छत्तीसगढ़ दूसरा राज्य है, जहां एसआईए का गठन किया गया है। इस टीम को एडीजी विवेकानंद सिन्हा लीड कर रहे है।

हवाला कारोबारी 'नीरू भाई' के ठिकाने पर रेड

महादेव सट्टा-खाईवालों की रकम करता है 'डिलीवर', 80 लाख बरामद, देशभर में दफ्तर

भिलाई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की दुर्ग पुलिस ने हवाला कारोबारी नीरू भाई के रायपुर स्थित ठिकाने पर छापा मारा। टीम ने मौके से 80 लाख रुपए जब्त करने के साथ ही 3-4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नीरू भाई महादेव सट्टा ऐप समेत कई ऑनलाइन ऐप और ऑनलाइन सट्टा खाइवालों की रकम हवाला के जरिए भेजता है।

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) की एएसपी ऋचा मिश्रा के नेतृत्व में मंगलवार रात करीब 10.30 बजे रायपुर के शंकर नगर खम्हारडीह स्थित नीरू भाई के दफ्तर पर छापा मारा गया। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। हालांकि नीरू भाई अभी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है।

बताया जा रहा है कि, नीरू भाई मुंबई में बैठकर देश के अलग-अलग ठिकानों में खुले अपने दफ्तर ऑपरेट करता है। वहां से हवाला की रकम कई जगह ठिकाने लगाई जाती है।

दरअसल, दुर्ग पुलिस ने हैदराबाद में महादेव ऑनलाइन

सट्टा ऐप के बड़े पैनल का भंडाफोड़ किया था। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में पता चला था कि, खाइवालों के करोड़ों रुपए नीरू भाई के जरिए रायपुर और भिलाई भेजे जाते हैं। इसके बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) की टीम ने छापा मारा है। मुंबई में बैठा हवाला कारोबारी नीरू भाई महादेव और दूसरे ऑनलाइन सट्टा ऐप की काली कमाई को इधर से उधर करने का काम करता है। बताया जा रहा है कि केवल हैदराबाद के पैनल ही नहीं देश में जितनी भी जगह दुर्ग और रायपुर के खाईवालों के पैनल चलते हैं वहां की रकम को वो रायपुर भिलाई भेजने का काम करता है। हवाला कारोबारी नीरू भाई की गिरफ्तारी के लिए दुर्ग पुलिस जल्द ही एक टीम मुंबई भेजेगी। बताया जा रहा है कि यदि नीरू भाई गिरफ्तार हुआ तो पुलिस के हाथ ऐसे कई बड़े नाम लगेंगे, जो चौकाने वाले होंगे। दुर्ग पुलिस नीरू भाई के लड़कों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है। पुलिस जल्द पूरे मामले का खुलासा करेगी।

छत्तीसगढ़ के 9 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

रायपुर-दुर्ग और बस्तर में अगले 3 दिन बारिश कम होगी, राजधानी में अब तक 180 .2 एमएम बरसात

रायपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अगले दो दिन सरगुजा और बिलासपुर संभाग में भारी बारिश के आसार हैं। वहीं, रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग के जिलों में अगले तीन दिन हल्की और कम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने आज 9 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के बाकी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में मंगलवार को सबसे ज्यादा बारिश जशपुर (दुलदुला) में 92.5 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। कोटा, रतनपुर, बेलगहना में 80 मिलीमीटर, कोरबा (पाली) में 60, धरमजयगढ़, मुकडेगा, कोरबा, पसान, पैड़ी, बेलतरा, शंकरगढ़, कांसाबेल में 50 मिलीमीटर, लोरमी, पत्थलगांव, भैसमा, करतला, लैलूंगा में 40 मिलीमीटर बारिश हुई।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान डोंगरगढ़ में 32.5 डिग्री रहा। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में दर्ज किया गया। रायपुर में दिन का तापमान 31.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.5 डिग्री कम था। बिलासपुर में दिन का तापमान 28.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.2 डिग्री कम था। पेंड्रा में पारा 25.7 डिग्री रहा, जो सामान से 6 डिग्री कम था। अंबिकापुर में 24.8 डिग्री टेंपरेचर रहा, जो सामान्य से 6.6 डिग्री कम था। दुर्ग में दिन का तापमान 29.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो औसत से 2.2 डिग्री कम था। वहीं राजनांदगांव में 31 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक 1 जुलाई की स्थिति में रायपुर जिले में अब तक 180.2 मिलीमीटर बारिश हुई है। जिले में आज हल्के बादल छाए रहेंगे। गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। रायपुर में अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

20 लाख से ज्यादा के जेवरात की लूट

ज्वेलरी शॉप की महिला कर्मचारी से गहने लेकर भागे नकाबपोश बदमाश, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

रायगढ़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के चक्रधर नगर चौक में स्थित एक ज्वेलरी शॉप में मंगलवार रात लूट की वारदात हुई। ओम ज्वेलर्स की महिला कर्मचारी से बदमाश ज्वेलरी भरा बैग लूट कर फरार हो गए। इसकी कीमत करीब 20 लाख रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। एसपी और पुलिस अधिकारियों की टीम देर रात मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। दुकान के संचालक नटवर अग्रवाल ने बताया कि रोज की तरह दो महिला कर्मचारी सोने-चांदी के गहनों से भरा बैग लेकर घर जा रहीं थी। इसी दौरान दो बदमाश बाइक पर आए। लड़की को धक्का दिया और थैला छीन कर भाग निकले। आरोपियों ने अपने चेहरे ढके हुए थे। घटना मंगलवार रात करीब साढ़े 9 बजे की है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस पूरी तरह से अलर्ट हो गई। एसपी दिव्यांग पटेल के निर्देश पर शहर से बाहर आने-जाने वाले हर रास्ते पर नाकेबंदी कर दी गई। सभी बाहरी रास्ते में पुलिस लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस को आशंका है कि दोनों बदमाशों ने कई दिनों की रेकी के बाद वारदात को अंजाम दिया है। एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि, आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। कुछ सुराग जरूर मिले हैं, जिनके आधार पर जांच की जा रही है। ज्वेलरी लूटने वाले बाइक सवार बदमाशों की पतासाजी की जा रही है।

रेलवे स्टेशन के सामने युवा कांग्रेस ने डीआरएम का फूंका पुतला

रेलवे प्रबंधन पर लगाया मनमानी का आरोप

कोरबा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा में गेवरा स्टेशन से पूर्व में चलने वाली सभी गाड़ियो को पुनः प्रारंभ करने की मांग व रेलवे प्रबंधन की मनमानी को लेकर कोरबा रेलवे स्टेशन के सामने युवा कांग्रेस प्रदर्शन कर डीआरएम का पुतला फूंका। मीडिया से चर्चा के दौरान युवा कांग्रेस के महामंत्री मधुसूदन दास ने बताया कि रेलवे प्रबंधन की मनमानी अपने चरम पर है ट्रेनों की लेटलतीफी तो आम बात है सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की रेलवे प्रशासन नदी उस पार के एक लौते स्टेशन गेवरा से पता नहीं कौन से जन्म का बदला लेने पर उतारू है की कोरोनाकाल से बंद हुए ट्रेनें अभी तक शुरू नहीं हो पाए है या यू कहे की रेलवे प्रबंधन मालगाड़ी बढ़ाने के लिए जागने की अवस्था में है परंतु सवारी गाड़ी के नाम पर कुंभकर्णीय नींद में है।

युवा कांग्रेस माँग करती है की गेवरा स्टेशन से पूर्व में चलने वाली सभी गाड़ियो को पुनः प्रारंभ किया जाये साथ ही साथ कोरबा से चलने वाली सभी गाड़ियों को समय पर चलाया जाये इन्ही सब माँग को लेकर युवा कांग्रेस द्वारा प्रदर्शन किया गया है साथ ही डीआरएम का पुतला फूंका गया यदि 7 दिवस के भीतर मांगों को न मानने पर हमारे द्वारा चरणबद्ध आंदोलन किया जायेगा।

इसकी सम्पूर्ण जवाबदारी आपकी होगी प्रदर्शन कर डीआरएम का पुतला फूंका गया इस दौरान बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे वहीं मीडिया से चर्चा के दौरान युवा कांग्रेस के महामंत्री मधुसूदन दास ने बताया कि रेलवे प्रबंधन की मनमानी अपने चरम पर है ट्रेनों की लेटलतीफी तो आम बात है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की रेलवे प्रशासन नदी उस पार के एक लौते स्टेशन गेवरा से पता नहीं कौन से जन्म का बदला लेने पर उतारू है की कोरोनाकाल से बंद हुए ट्रेनें अभी तक शुरू नहीं हो पाए है या यू कहे की रेलवे प्रबंधन मालगाड़ी बढ़ाने के लिए जागने की अवस्था में है परंतु सवारी गाड़ी के नाम पर कुंभकर्णीय नींद में है युवा कांग्रेस माँग करती है की गेवरा स्टेशन से पूर्व में चलने वाली सभी गाड़ियो को पुनः प्रारंभ किया जाये साथ ही साथ कोरबा से चलने वाली सभी गाड़ियों को समय पर चलाया जाये इन्ही सब माँग को लेकर युवा कांग्रेस द्वारा प्रदर्शन किया गया है साथ ही डीआरएम का पुतला फूंका गया यदि 7 दिवस के भीतर मांगों को न मानने पर हमारे द्वारा चरणबद्ध आंदोलन किया जायेगा। इसकी सम्पूर्ण जवाबदारी आपकी होगी।

बिना अनुमति चैन माउंटेन से मुरम का खनन

खनन की तय सीमा भी संदेहास्पद, खनिज विभाग ने कही जांच की बात

बालोद, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बालोद जिले के कपरमेटा बांध डूबान क्षेत्र में इन दिनों लीज के नाम पर बेतहाशा मुरम का खनन किया जा रहा है परिवहन की जितनी अनुमति है उससे ज्यादा का परिवहन किया जा चुका है वहीं पूरे मामले में खनिज विभाग के जिला अधिकारी मीनाक्षी साहू ने बताया कि गोपाल राठी के नाम से लीज जारी किया गया है और 2 हजार घन मीटर खुदाई की अनुमति दी गई है परंतु यहां पर रोजाना सैंकड़ों गाड़ियां वहां से निकल है 12 व्हीकल हाइवा भी काम में लगाए गए हैं। खनिज विभाग से मिली जानकारी के अनुसार गोपाल राठी के नाम से 2000 घन मीटर की अनुमति मर्म खनन के लिए दी गई है क्योंकि वह क्षेत्र जुबान क्षेत्र में आता है और बंद है इसलिए यह अनुमति भी शक के दायरे में हैं हालांकि जिला अधिकारी मीनाक्षी साहू ने कहा कि 2000 घन मीटर की अनुमति है वह किसी से भी परिवहन कर सकता है और उन्होंने कहा कि अगर उससे अधिक खुदाई की बात सामने आ रही है तो हम खनिज निरीक्षक को भेज कर वहां मामले की ही जांच करवाएंगे। वहां पर मुरम के खनन के लिए चैन माउंटेन की अनुमति नहीं है बावजूद इसके ठेकेदार द्वारा बाकायदा चैन माउंटेन लगाकर वहां से मुरम का खनन किया जा रहा है इस बारे में खनिज अधिकारी मीनाक्षी साहू ने चैन माउंटेन से खुदाई के विषय में अनुमति से इनकार किया है।

जयशंकर एससीओ सम्मेलन में शामिल होने के लिए पहुंचे कजाखस्तान

विदेश मंत्री नुरतलु से की मुलाकात

अस्ताना, 3 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए मंगलवार को कजाखस्तान पहुंचे। दो दिवसीय बैठक से पहले उन्होंने अस्ताना में कजाखस्तान के अपने समकक्ष मूरत नुरतलु से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने मध्य एशिया के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि उन्हें नुरतलु से मिलकर खुशी हुई और दोनों ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा, 'आज अस्ताना में कजाखस्तान के डीपीएम और विदेश मंत्री मूरत नुरतलू से मिलकर खुशी हुई। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन की व्यवस्थाओं के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। हमने रणनीतिक साझेदारी और विभिन्न क्षेत्रों में मध्य एशिया के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी पर चर्चा की। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी किया।' जयशंकर तीन और चार जुलाई को एससीओ शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति और व्यापार को बढ़ावा देने के तरीकों पर बात होने की उम्मीद है। एससीओ में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं और यह एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा समूह है जो सबसे बड़े अंतर-क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है। इसके बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव के समक्ष युद्ध क्षेत्र में भारतीय नागरिकों का मुद्दा उठाया और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। जयशंकर ने कहा, 'रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर आज खुशी हुई। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी और समकालीन मुद्दों पर व्यापक बातचीत हुई। दिसंबर 2023 में हमारी आखिरी मुलाकात के बाद से कई क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा की।' दोनों विदेश मंत्रियों के बीच यह मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने के लिए मास्को की प्रस्तावित यात्रा से पहले हुई है। जयशंकर ने पोस्ट में कहा, 'भारतीय नागरिकों को लेकर अपनी गंभीर चिंता जतायी जो अभी युद्ध क्षेत्र में हैं।

कमला हैरिस लड़ेंगी राष्ट्रपति पद का चुनाव

डेमोक्रेट्स की मांग- इसी हफ्ते उम्मीदवारी छोड़ें बाइडेन, राष्ट्रपति ने माना- डिबेट में उन्हें नींद आ रही थी

वाशिंगटन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में पिछले हफ्ते हुई प्रेसिडेंशियल डिबेट के बाद बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता यह मांग कर रहे हैं कि वे राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी छोड़ दें। टेक्सास से सांसद लॉयड डॉगेट डेमोक्रेटिक पार्टी के पहले नेता हैं, जिन्होंने सार्वजनिक तौर पर इसकी मांग की है।

दूसरी तरफ, अमेरिकी पत्रकार और ट्रम्प समर्थक टकर कार्लसन ने दावा किया कि राष्ट्रपति जो बाइडेन को डिमेंशिया (भूलने की बीमारी) है। डेमोक्रेट्स जल्द ही बाइडेन की जगह कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद का कैंडिडेट बना सकते हैं।

दरअसल, अमेरिका में 28 जून को हुई प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान बाइडेन कई बार अटकते और सुस्त नजर आए थे। विश्लेषकों के मुताबिक, वे ट्रम्प के खिलाफ डिबेट में हार गए। इसके बाद से ही पार्टी में उनकी उम्र और काबिलियत को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के एक सर्वे के मुताबिक, पार्टी के हर 3 में से 1 नेता का मानना है कि बाइडेन को इस हफ्ते राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से अपना नाम वापस ले लेना चाहिए।

अमेरिकी मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, डिबेट के बाद से डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं को लग रहा है कि बाइडेन उन्हें चुनाव में जीत नहीं दिला सकते। पार्टी में उनके खिलाफ विरोध के सुर तेज होने लगे हैं। इसे देखते हुए बाइडेन बुधवार को पार्टी के सांसदों और गवर्नरों से मुलाकात भी करेंगे। बाइडेन ने डिबेट में अच्छा प्रदर्शन न करने पर मंगलवार को सफाई भी दी। उन्होंने कहा कि वे बहस से कुछ दिनों पहले तक कई देशों के दौरे पर गए थे। लगातार यात्रा की वजह से डिबेट आने तक वे थक चुके थे। उन्होंने कहा कि स्टेज पर ट्रम्प के साथ डिबेट करते वक्त उन्हें नींद आ रही थी। उन्होंने अपने स्टाफ की बात नहीं मानी और इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। बाइडेन ने कहा कि वे डिबेट में अच्छा प्रदर्शन न करने के लिए सफाई नहीं देना चाहते हैं। वह सिर्फ इसके कारण बता रहे हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं का कहना है कि बाइडेन बेहद जिद्दी हैं। पार्टी के लीडर्स ने फिलहाल उन्हें अकेले छोड़ दिया है ताकि वे अपनी गलती खुद समझ सकें। अगर यह सिर्फ डिबेट की बात होती, तो हम स्थिति से बाहर निकल सकते थे। लेकिन कई दूसरे ऐसी बातें भी रही हैं, जो राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर सवाल उठाती हैं।

ब्रिटिश नर्स ने 2 घंटे की नवजात को मार डाला

दोषी करार, बीमार-कमजोर बच्चों को टारगेट बनाया, 7 नवजातों की हत्या पर हुई थी उम्रकैद

लंदन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की नर्स लूसी लेटबी को 2 घंटे पहले पैदा हुई बच्ची की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया है। उसे 5 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। लूसी को पहले ही 7 नवजातों की हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है। दोषी पाई गई नर्स लूसी लेटबी 33 साल की है।

सोमवार को लूसी को जिस मामले में सजा सुनाई गई, वह 2016 का केस है। मारी गई बच्ची को बेबी के नाम दिया गया है। बच्ची तय तारीख से करीब 15 हफ्तों पहले पैदा हुई थी और इस वजह से प्री-मैच्योर थी। बेबी के का वजन सिर्फ 1.52 पाउंड (1 किलो से कम) था। लूसी ने बच्ची के सांस लेने के लिए लगाई गई ट्यूब से छेड़खानी की और बेबी मॉनिटर भी बंद कर दिया।

डॉक्टर ने लूसी को रंगे हाथ पकड़ा था

सुनवाई के दौरान प्रॉसिक्यूटर ने बताया कि अस्पताल के सीनियर डॉक्टर रवि जयराम ने लूसी को रंगे हाथों पकड़ा था। तब जयराम बच्चों के वॉर्ड में रूटीन चेकअप के लिए पहुंचे थे। उन्होंने पाया कि तब लूसी बेबी के के बेड के पास खड़ी हुई थी। बच्ची की ब्रीथिंग ट्यूब हटी हुई थी और उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इसके बावजदू लूसी बच्ची की मदद के लिए कुछ नहीं कर रही थी।

बाद में बेबी के को इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में ट्रांसफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पिछले साल भी इस मामले में सुनवाई हुई थी। तब जज किसी फैसले पर पहुंचने में असमर्थ रहे थे। लूसी ने नवजात की हत्या के आरोपों को खारिज किया है। इससे पहले पिछले साल अगस्त में लूसी को 21 अगस्त को उम्रैद की सजा सुनाई गई थी।

2018 में पहली बार गिरफ्तार हुई लूसी लेटबी

उस पर जिन बच्चों की हत्या का जुर्म साबित हुआ, उनमें अधिकतर या तो बीमार थे या समय से पहले पैदा हुए थे। ये हत्याएं उसने जून 2015 से जून 2016 के बीच उत्तर पश्चिमी इंग्लैंड के काउंटेस ऑफ चेस्टर अस्पताल में की थीं।

इस मामले में नर्स को जुलाई 2018 से नवंबर 2020 के बीच तीन बार गिरफ्तार किया गया था। बीच में उसे दो बार छोड़ा गया। नवंबर 2020 में आरोप तय हुए। उत्तरी इंग्लैंड में मैनचेस्टर क्राउन कोर्ट की जूरी 22 दिनों तक विचार-विमर्श करने के बाद फैसले पर पहुंची थी।

सबूत छोड़े बिना हत्या करती थी लूसी

पिछले साल सुनवाई के दौरान प्रोसिक्यूशन ने बताया था, "लूसी लेटबी को कमजोर बच्चों की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया था। उसने हत्या के ऐसे तरीकों का इस्तेमाल किया, जिनसे कोई खास सबूत नहीं छूटा।" लूसी के साथ काम करने वालों ने कोर्ट में बताया कि बच्चों की मौत तब हुई, जब लूसी शिफ्ट में थी। कुछ नवजात बच्चों पर उसी समय हमला हुआ ,जब उनके माता-पिता पालने में छोड़कर गए।

प्रोसिक्यूटर निक जॉनसन ने कहा कि लूसी अपने सहयोगियों को यह विश्वास दिला देती थी कि मौतें प्राकृतिक वजहों से हो रही हैं। वह अपनी तरफ से बच्चों को नहलाने, कपड़े पहनाने और उनकी तस्वीरें लेने की पेशकश करती थी। वह हर बच्चे की मौत के बाद उत्साहित दिखाई देती थी।

भारतीय मूल के हरदम त्रिपाठी चुने गए रिपब्लिकन के वैकल्पिक प्रतिनिधि

राष्ट्रपति चुनाव में होगी अहम भूमिका

वॉशिंगटन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेता और अटॉर्नी हरदम त्रिपाठी को रिपब्लिकन पार्टी का वैकल्पिक प्रतिनिधि चुना गया है। उन्हें जुलाई में मिल्वौकी में होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेन्शन (आरएनसी) के लिए के लिए वैकल्पिक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। बता दें कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से नामित किया जाएगा। 78 वर्षीय ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से मैदान में हैं। उनका मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी के 81 वर्षीय मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन से है। विस्कोन्सिन के मिल्वौकी में चार दिवसीय रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को पार्टी का उम्मीदवार घोषित करेगा। बता दें, रिपब्लिकन पार्टी की आजीवन सदस्य और रिपब्लिकन इंडियन काउंसिल व रिपब्लिकन इंडियन नेशनल काउंसिल की संस्थापक सदस्य डॉ. शिवांगी को लगातार छह बार आरएनसी प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। वहीं, 14 जुलाई से 18 जुलाई तक मिल्वौकी में होने वाले आगामी रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में हरदम त्रिपाठी को एक वैकल्पिक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।

त्रिपाठी ने कहा, 'आरएनसी में राष्ट्रीय प्रतिनिधि के तौर पर मैं पहली बार काम कर रहा हूं और अमेरिका में होने वाले ऐतिहासिक चुनाव में प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है।'

ट्रम्प ने कहा था-24 घंटे में यूक्रेन जंग रुकवा दूंगा

रूस बोला- ये संभव नहीं, पश्चिमी देश चाहते हैं हम लड़ते रहे

वाशिंगटन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा अमेरिका की प्रेसिडेंशियल डिबेट में दावा किया था कि अगर वे राष्ट्रपति बने तो 24 घंटे के अंदर ही रूस-यूक्रेन जंग को खत्म कर देंगे। अब रूस ने इस पर जवाब दिया है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने कहा कि ट्रम्प ऐसा नहीं कर सकते हैं।

नेबेंजिया ने कहा कि जंग अप्रैल 2022 में ही खत्म हो सकती थी। पश्चिमी देशों ने तब ऐसा नहीं होने दिया। वे चाहते थे कि हम लड़ते रहे। जेलेंस्की अलग-अलग पीस समिट में भाग ले रहे हैं। ये पीस समिट एक मजाक है।

दरअसल, 15 जून को स्विट्जरलैंड में यूक्रेन जंग को लेकर एक पीस समिट हुआ था, जिसमें 90 से ज्यादा देश शामिल हुए थे। समिट में 10 पॉइंट का एक प्रस्ताव तैयार किया था। इसमें जंग खत्म करने के लिए यूक्रेन से रूसी सेना की वापसी की मांग की गई थी। रूस ने इसका विरोध किया था।

ट्रम्प ने सबसे पहले मई 2023 में कहा था कि जंग में रूसी और यूक्रेनी मर रहे हैं। मैं ये जंग 24 घंटे में खत्म कर दूंगा। तब उन्होंने कहा था कि वे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की फिर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलेंगे। इसके बाद से ट्रम्प लगातार इस बात को बार-बार दोहराते रहे हैं। प्रेसिडेंशियल डिबेट में ट्रम्प ने ये तक कह दिया था कि बाइडेन ने पुतिन पर जंग थोपी है। अगर वे राष्ट्रपति होते तो ये जंग कभी हुई ही नहीं होती।

रूस-यूक्रेन के बीच 2 साल से ज्यादा समय से जंग जारी

24 फरवरी 2022 को शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग को 2 साल से ज्यादा समय बीत चुका है। यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की जिद के चलते व्लादिमिर पुतिन ने उस पर हमला किया था। पुतिन इस जंग को मिलिट्री ऑपरेशन बताते हैं।

जंग में अब तक 40 लाख से ज्यादा यूक्रेनी नागरिकों को देश छोड़ना पड़ा है। ये लोग अब अन्य देशों में रिफ्यूजी की तरह रह रहे हैं। 65 लाख से ज्यादा यूक्रेनी देश में ही बेघर हो गए हैं।

यूक्रेन के 10 हजार आम नागरिकों की मौत हुई है, जबकि 18,500 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन का दावा है कि रूस 3.92 लाख सैनिक गंवा चुका है। इस बीच अमेरिका ने रूस की 500 रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए था।

इधर, रूस ने भी यूरोपियन यूनियन (ईयू) की कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए थे।

तोशाखाना से जुड़े विरोध मामले में इमरान खान को राहत

अदालत ने किया बरी

इस्लामाबाद, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राहत मिली है। दरअसल, तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में चुनाव आयोग द्वारा जेल में बंद प्रधानमंत्री को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ प्रदर्शन करने पर उन पर और उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ सहयोगियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे। अब अदालत ने दर्ज मामले में खान और उनके सहयोगियों को बरी कर दिया है।

इस मामले में जिला एवं सत्र अदालत ने जिन अन्य नेताओं को बरी किया है, उनमें शाह महमूद कुरैशी, शेख रशीद, असद कैसर, शहरयार अफरीदी, फैसल जावेद, राजा खुर्रम नवाज और अली नवाज अवान शामिल हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट यासिर महमूद ने बुधवार को सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया। इस फैसले को पिछले हफ्ते सुरक्षित रखा गया था।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 71 वर्षीय संस्थापक खान और अन्य राजनेताओं के खिलाफ 2022 में पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) तोशाखाना भ्रष्टाचार के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए आबपारा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इस केस के चलते खान को प्रधानमंत्री पद से अयोग्य घोषित करार किया था।

क्या है तोशाखाना मामला?

दरअसल, पाकिस्तान के कानून के अनुसार किसी विदेशी राज्य के गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त कोई भी उपहार स्टेट डिपॉजिटरी यानी तोशाखाना में रखना होता है। अगर राज्य का मुखिया उपहार को अपने पास रखना चाहता है तो उसके लिए उसे इसके मूल्य के बराबर राशि का भुगतान करना होगा। यह एक नीलामी की प्रक्रिया के जरिए तय किया जाता है। ये उपहार या तो तोशाखाना में जमा रहते हैं या नीलाम किए जा सकते हैं और इसके माध्यम से अर्जित धन को राष्ट्रीय खजाने में जमा किया जाता है।

कहानी इमरान के प्रधानमंत्री रहते हुए शुरू हुई थी। 2018 में सत्ता में आए इमरान खान को आधिकारिक यात्राओं के दौरान करीब 14 करोड़ रुपये के 58 उपहार मिले थे। इन महंगे उपहारों को तोशाखाना में जमा किया गया था। बाद में इमरान खान ने इन्हें तोशखाने से सस्ते दाम पर खरीद लिया और फिर महंगे दाम पर बाजार में बेच दिया। इस पूरी प्रक्रिया के लिए उन्होंने सरकारी कानून में बदलाव भी किए।

सत्संग में भगदड़ के कारण हुई मौतों से पुतिन आहत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजा शोक संदेश

मास्को, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में भगदड़ के बाद हुए हादसे में 121 लोगों की मौत पर रूस के प्रधानमंत्री व्लादिमीर पुतिन ने शोक जताया है और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शोक संवेदना भेजा है। इसे लेकर भारत में रूसी दूतावास की तरफ सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट लिखा गया है। यूपी के हाथरस में मंगलवार को एक धार्मिक आयोजन के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें 121 लोगों की मौत हो गई और 35 लोग घायल हो गए। इस दुखद घटना पर पीएम मोदी समेत देश के तमाम राजनेताओं ने दुख जताया है। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी यूपी में भगदड़ में हुई जानमाल की हानि पर संवेदना व्यक्त की।

भारतवंशी धर्मगुरु पर यौन शोषण का आरोप

झूठे वीडियो दिखाकर खुद को चमत्कारी बताया कहा- स्वर्ग-नर्क जाने का फैसला मैं ही करूंगा

लंदन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में भारतीय मूल के हिंदू धर्मगुरु राजिंदर कालिया पर उनकी एक शिष्या ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, राजिंदर ने अपने उपदेशों और शिक्षाओं के जरिए शिष्यों को गलत तरह से प्रभावित करने की कोशिश की।

68 साल के कालिया दावा करते हैं कि वह मरीजों का इलाज कर सकता है। इसके अलावा उसने झूठे वीडियो के जरिए लोगों के सामने चमत्कार दिखाने की भी कोशिश की। इस दौरान उसने नीबू से खून निकालने और पानी में आने लगाने का वीडियो दिखाया।

राजिंदर ने भारतीय मूल की 4 शिष्याओं की मदद करने के बहाने उनका रेप किया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, इन चारों महिलाओं ने राजिंदर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इनमें से 3 ने आरोप लगाया है कि राजिंदर कई सालों से उनका शोषण कर रहा था। इसके अलावा उस पर 3 लोगों से बिना तनख्वाह दिए काम कराने का भी आरोप है।

राजिंदर ने 22 साल तक शिष्या का रेप किया

57 साल की रेप पीड़िता ने बताया कि वह काफी कम उम्र अपने बच्चे के साथ राजिंदर के आश्रम गई थी। धीरे-धीरे वह नियमित तौर पर हर हफ्ते 3 सेशन में शामिल होने लगीं। एक दिन वह रो रही थी। तब राजिंदर उसके पास आया और कहा कि वह सब जानता है कि कब-क्या होने वाला है। उसका नर्क या स्वर्ग में जाना भी वही तय करेगा।

महिला ने बताया कि राजिंदर ने अगले 22 साल तक करीब 1320 बार महिला का यौन शोषण किया। वह भगवान कृष्ण से खुद की तुलना करता था। वहीं 48 साल की एक दूसरी पीड़िता ने बताया कि राजिंदर 13 साल की उम्र से उसका शोषण कर रहा है। जब 2017 में उसने पुलिस से इसकी शिकायत की तो राजिंदर के कुछ शिष्यों ने मिलकर उसको ऐसिड अटैक की धमकी दी।

37 साल की तीसरी पीड़िता ने बताया कि वह 13 साल की उम्र से राजिंदर के आश्रम में ड्रम बजाने का काम कर रही है। वह तब तक उससे ड्रम बजवाता था, जब तक उसके हाथ से खून न निकलने लगे। इसके अलावा वह छोटी उम्र से ही उसका रेप करता आया है।

पुलिस को रिश्वत देकर केस खारिज करवाया

पीड़ितों ने राजिंदर के खिलाफ 84 करोड़ का मुकदमा दर्ज किया है। राजिंदर पर यह भी आरोप है कि जब उसके शिष्यों ने पुलिस से शिकायत की तो उनसे उन्हें 2.64 लाख की रिश्वत भी दी। इसके बाद पुलिस ने उस पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए केस रद्द कर दिया।

राजिंदर ने अपने खिलाफ अब तक लगे सभी आरोपों को खारिज किया है। उसने आरोप लगाया कि उसे बदनाम करने के लिए यह साजिश रची गई है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान राजिंदर ने दावा किया कि बचपन में हिमाचल प्रदेश में एक बाइक क्रैश में उसका एक्सीडेंट हो गया था। इस दौरान उसके पैर में गंभीर चोट आई थी। हालांकि, कुछ समय बाद वह अपने आप ही ठीक हो गया और फिर से चलने लगा।

चीन को खुश करने में पाकिस्तान हुआ कंगाल तो जिनपिंग ने कर लिया किनारा

रुक गया सीपीईसी का बड़ा प्रोजेक्ट

इस्लामाबाद, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत 6.7 अरब डॉलर की महत्वपूर्ण मेनलाइन-I (एमएल-I) परियोजना की मंजूरी को स्थगित कर दिया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय आर्थिक परिषद (ईसीएनईसी) की कार्यकारी समिति की बैठक में ये फैसला लिया गया। दरअसल चीन ने सीपीईसी प्रोजेक्ट के लिए अब पैसे देने रोक दिए हैं, जिसके चलते पाकिस्तान के लिए इसे पूरा करना मुश्किल होता जा रहा है। हालांकि, ईसीएनईसी की बैठक में सीपीईसी के तहत चीन द्वारा वित्तपोषित दो कम बजट की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इसके तहत ग्वादर में एक हवाई अड्डा बनाना और एक महत्वपूर्ण सड़क मार्ग को पूरा करना है। पाकिस्तान में 7.5 अरब रुपय से अधिक की परियोजनाओं के लिए ईसीएनईसी की मंजूरी लेनी होती है। विदेश कार्यालय के एक बयान के अनुसार, ईसीएनईसी ने एमएल-आई को अपग्रेड करने के लिए मंजूरी देने से परहेज किया और पाकिस्तान रेलवे को छोटे और अधिक प्रबंधनीय वित्तीय विकल्पों को खोजने की सिफारिश की। इसके पहले वित्त मंत्रालय की चिंताओं के बावजूद पाकिस्तान की गठबंधन सरकार ने एमएल-1 परियोजना को मंजूरी दे दी थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हाल ही में सीपीईसी प्रोजेक्ट के लिए फंड मांगने के इरादे से चीन की यात्रा पर गए थे, लेकिन वहां उन्हें कुछ हासिल नहीं किया। इसके उलट चीनी अधिकारियों ने पाकिस्तान को अपनी व्यापक वित्तीय जरूरतों और भारी विदेशी कर्ज के चलते सीमित क्षमता के कारण एमएल-I रेलवे परियोजना को चरणों में पूरा करने की सलाह दे दी। सीपीईसी के तहत बनने वाली मूल एमएल-I परियोजना के तहत 1872 किलोमीटर लंबे रेल ट्रैक का निर्माण होना था, जिसे रेल मंत्रालय ने घटाकर 1726 किलोमीटर कर दिया गया था। योजना आयोग के अधिकारियों के अनुसार, बीजिंग ने पहले परियोजना की लागत को एक तिहाई घटाकर 6.7 अरब डॉलर करने को कहा था।

तालिबान को भारत, रूस और चीन लगा रहे गले लेकिन मुस्लिम देश अपनाने को नहीं तैयार

दोहा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की अगुवाई में हाल ही में कतर की राधानी दोहा में अफगानिस्तान को लेकर तीसरी बैठक हुई थी, तालिबान समेत कई देशों से प्रतिनिधि शामिल हुए। ये पहली बार था जब तालिबान ने अपना प्रतिनिधिमंडल इस बैठक के लिए भेजा। अफगानिस्तान को लेकर हुई पहली बैठक में संयुक्त राष्ट्र ने तालिबान को नहीं बुलाया था। वहीं, दूसरी बैठक में तालिबान ने अफगान सिविल सोसायटी को बाहर रखने और उसे वैध सरकार के रूप में मान्यता देने की शर्त रख थी, जिसे नहीं माना गया था। तालिबान की इस बैठक में शामिल होने का एकमात्र उद्देश्य दुनिया में उसे मान्यता दिलाना रहा, लेकिन वह पूरा नहीं हो पाया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने बैठक के बाद तुरंत साफ किया कि इसका मतलब मान्यता देना कतई नहीं है।

तालिबान को मान्यता देने की बात सिर्फ संयुक्त राष्ट्र तक ही नहीं हैं। अभी तक तालिबान की सरकार को किसी भी देश ने मान्यता नहीं दी है। भारत और उसके दोस्त रूस ने तालिबान के दूसरे शासन काल में उसके साथ आगे बढ़कर रिश्ते कायम किए हैं, लेकिन मान्यता देने से दूरी बनाए रखी है। पड़ोसी चीन भी तालिबान का अपने देश में स्वागत कर चुका है, लेकिन तालिबान के मामले में सबसे दिलचस्प रवैया मुस्लिम देशों का है। एक भी मुस्लिम देश अफगानिस्तान को वैश्विक बिरादरी में शामिल करने के लिए आगे नहीं आ रहा है।

मुस्लिम देशों का सबसे बड़ा संगठन है- इस्लामिक सहयोग संगठन यानी ओआईसी। ओआईसी में 57 देश हैं, जो चार महाद्वीपों में फैले हुए हैं। इसका एक सदस्य अफगानिस्तान खुद भी है, लेकिन अभी तक इनमें से किसी ने भी तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। दोहा बैठक में ओआईसी ने भी भाग लिया था।

किशनगढ़, झालावाड़ और भीलवाड़ा में खुलेंगे फ्लाइंग स्कूल, जयपुर में बनेगी एयरोसिटी

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में प्रदेश में विमानन क्षेत्र में आधारभूत ढांचे के विकास, बिजली क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दृष्टि से नियमों में संशोधन और गांधी दर्शन संग्रहालय के संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय किए गए।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द्र बैरवा, उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

तीन महाविद्यालयों का नामकरण

उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचन्द्र बैरवा ने बताया कि दानदाताओं को सम्मानित करने एवं प्रोत्साहन करने के उद्देश्य से चूरू जिले के राजकीय महाविद्यालय, साहवा का नामकरण मोहनी देवी चाचान राजकीय महाविद्यालय, साहवा, बाड़मेर जिले के राजकीय महाविद्यालय, धोरीमन्ना का नामकरण शांति देवी उदयराज गांधी राजकीय महाविद्यालय, धौरीमन्ना एवं बीकानेर जिले के राजकीय कन्या महाविद्यालय, श्रीडूंगरगढ़ का नामकरण राजकीय सदू देवी पारख कन्या महाविद्यालय, श्रीडूंगरगढ़ करने की स्वीकृति मंत्रिमंडल द्वारा प्रदान की गई।

उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में अक्षय ऊर्जा नीति, 2023 एवं राजस्थान भू-राजस्व (अक्षय ऊर्जा पर आधारित विद्युत संयत्रों की स्थापना हेतु राजकीय भूमि का आवंटन) नियम, 2007 के प्रावधानों में संशोधन किए जाने संबंधी प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। उन्होंने बताया कि राजस्थान को बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य सरकार की ओर से विद्युत क्षेत्र में करीब सवा दो लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए जा चुके हैं। अब इन संशोधनों से प्रदेश में बिजली क्षेत्र में 2 लाख करोड़ के नए निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में उपलब्ध सौर विकिरण का समुचित उपयोग करने हेतु आवंटन नियमों में प्रासंगिक बदलाव किया गया है, जिससे सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन डीएलसी दर के 7.5 प्रतिशत पर किया जा सकेगा। साथ ही अब 2 हैक्टेयर भूमि पर एक मेगावाट की दर से सौर ऊर्जा उत्पादन हो सकेगा। उन्होंने बताया कि इससे राजस्व अर्जन में बढ़ोतरी के साथ निवेश और रोजगार के नवीन अवसर सृजित होंगे। साथ ही अक्षय ऊर्जा से उत्पादित विद्युत का अधिकांश भाग राज्य को प्राप्त हो सकेगा।

कर्नल राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नागरिक विमानन नीति 2024 को मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान की है। उन्होंने बताया कि यह नीति विमानन प्रशिक्षण सुविधाओं, विमानन रखरखाव सेवाओं को बढ़ाने और एयरोस्पेस गतिविधियों को विकसित करने पर केंद्रित है। इसके अंतर्गत किशनगढ़, झालावाड़ और भीलवाड़ा में फ्लाइंग स्कूल खोले जाएंगे और कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जयपुर में एयरोसिटी बनाई जाएगी जिसमें होटल, रेस्त्रां सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रदेश के विभिन्न हवाई अड्डों पर कार्गो सुविधा प्रारम्भ की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस नीति के तहत प्रदेश की पुरानी हवाई पट्टियों को मरम्मत कर पुनः उड़ान योग्य बनाया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गांधी वाटिका न्यास, जयपुर अधिनियम-2023 को समाप्त करने के लिए विधानसभा में विधेयक लाया जाएगा।

राहुल गांधी की हिंदुओं पर टिप्पणी पर राजस्थान में फूटा गुस्सा

अजमेर में पुलिस और प्रदर्शनकारी आपस में भिड़े

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। वहीं, बांसवाड़ा, झालावाड़, राजसमंद सहित कई जिलों में हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया और राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की। बता दें कि सोमवार को लोकसभा में राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए कथित तौर पर हिंदुओं को हिंसक बताया था। उनके इस बयान से हिंदुओं में आक्रोश व्याप्त है।

अजमेर में प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट के बाहर मानव श्रृंखला बनाकर राहुल गांधी के खिलाफ विरोध जताया। जिससे कलेक्ट्रेट के सामने वाली सड़क पर जाम लग गया। तभी एक निजी बस को रास्ता देने पर पुलिस और प्रदर्शनकारी आपस में भिड़ गए। इस दौरान सिविल लाइन थाना प्रभारी छोटूलाल और उप महापौर नीरज जैन के बीच जमकर बहस हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी और थाना अधिकारी को घेर लिया गया। हालांकि, कुछ देर बार मामला शांत हो गया। इसके बाद जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर के नाम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा।

अजमेर के अलावा हिंदू संगठनों ने बुधवार को बांसवाड़ा, झालावाड़ और राजसमंद में भी विरोध प्रदर्शन किया। बांसवाड़ा में हिंदू समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट चौराहे पर नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन। झालावाड़ में बीजेपी और हिंदू संगठनों के साथ मिलकर मिनी सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया और राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने की मांग की। वहीं, राजसमंद में सर्व हिंदू समाज के लोगों कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए राहुल गांधी के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान भाजपा और विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

जूली ने लगाया माइक बंद करने का आरोप

राज्यपाल के अभिभाषण पर मचा हंगामा; कार्यवाही स्थगित

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र बुधवार सुबह 11 बजे शुरू हुआ। हंगामेदार शुरूआत के बाद करीब 45 मिनट में ही सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्षी दलों के नेताओं ने सदन में जमकर नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस साल का पहला सत्र का कारण बताते हुए राज्यपाल का अभिभाषण न होने पर सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने कहा कि लोकसभा के बाद अब यहां भी हमारा माइक बंद किया जा रहा है।

16वीं विधानसभा के इस दूसरे सत्र में विपक्षी दल के नेताओं ने सदन में जमकर नारेबाजी की और स्पीकर से 'प्लास्टिक मुक्त राजस्थान' की जगह 'संविधान बचाने' की शपथ दिलाने की मांग की। दूसरे सत्र में राज्यपाल का अभिभाषण न होने पर भी विपक्ष ने सवाल उठाए और इसे संविधान को चैलेंज करना करार दिया था। जिस पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने जवाब देते हुए कहा कि दूसरे सत्र में राज्यपाल का अभिभाषण जरूरी नहीं है। यह जवाब सुनकर विपक्षी दलों ने फिर हंगामा शुरू कर दिया।

विपक्ष ने इस साल का पहला सत्र होने पर राज्यपाल के अभिभाषण की मांग की। लेकिन सत्ता पक्ष ने दूसरा सत्र का हवाला देते हुए अभिभाषण करवाने से इनकार कर दिया। विपक्ष ने अनुच्छेद 176(1) के तहत राज्यपाल का अभिभाषण की मांग रखी। जिसमें लिखा है कि 'प्रथम सत्र के आरम्भ में तथा प्रत्येक कलैण्डर वर्ष के प्रथम सत्र के आरम्भ में राज्यपाल महोदय विधानसभा को संबोधित करेंगे।'

इन मुद्दों पर बनी सहमति

बता दें कि विधानसभा सत्र की कार्यवाही के दौरान केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और राज्य सरकार द्वारा आचार संहिता के बावजूद कम समय में किए गए जनहित के बड़े फैसलों और कार्यों का सदन में पुरजोर तरीके से उल्लेख करने पर सहमति बनी है।

बाबा का निकला राजस्थान कनेक्शन

पेपरलीक मामले में आश्रम में पड़ा था छापा

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस में सत्संग के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ है। जिसमें अब तक 121 लोगों के मौत की जानकारी सामने आ रही है। इसमें राजस्थान के भी कई लोगों के घायल हुए है।

इसके अलावा भरतपुर की एक महिला की मौत हुई है। चौकानें वाली बात यह है कि नारायण साकार बाबा भोले का राजस्थान कनेक्शन भी रहा है।

बता दें कि दौसा में हाईवे 21 पर बाबा का दरबार लगता था। जिसमें बाबा के इस दरबार में हजारों लोग आते थे। लेकिन पिछले दिनों एसओजी की ओर से पेपर लीक मामले में दौसा में छापेमारी की गई।

जिस जगह छापेमारी की गई, वह पेपर लीक के मास्टर माइंड अमृतलाल का मकान था। इसी जगह पर बाबा का आश्रम भी चलता था।

जब एसओजी की रेड हुई तो उसके बाद बाबा का दिव्य दरबार बंद हो गया। इसके बाद बाबा के भक्त भी कभी यहां पर नहीं आए। वहीं बाबा स्वयं भी इसके बाद कभी दौसा नहीं आए।

स्वर्ण व्यापारी को पिस्टल दिखाकर बैग छीना

बदमाशों को पकड़ने के लिए संभाग में नाकाबंदी

बीकानेर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बीकानेर शहर में देर रात एक ज्वेलर के साथ लूट की घटना सामने आई है। ज्वेलर इमरान देर रात को अपनी दुकान बंद कर अपने घर जा रहा था। इसी दौरान रेलवे फाटक के पास दो बदमाशों ने उसकी मोटर साइकिल के आगे स्कूटी लगाकर उसे रोक लिया और पिस्टल दिखाकर व्यापारी का बैग छीन लिया।

पुलिस ने लुटेरों की तलाश में पूरे संभाग में नाकाबंदी करवा दी है। आधिकारिक तौर पर लूटे गए सामान का पता नहीं चल पाया है। जानकारी के मुताबिक चौखूंटी ओवरब्रिज के नीचे स्वर्ण व्यापारी सोने व चांदी का सामान लेकर जा रहा था तभी दो जने उसका थैला छीनकर फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही आईजी ओमप्रकाश, जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, एएसपी सिटी दीपक शर्मा, सीओ सदर श्रवण दास सन्त सहित कोटगेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर घटना की जानकारी जुटा रही है। आईजी ओमप्रकाश ने घटना के बाद जिले भर में नाकाबंदी कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है।

एमए पास वीरमाराम दोस्त का डमी बना पहले शिक्षक, फिर हैड मास्टर बनाया

बांसवाड़ा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कुशलगढ़ डीएसपी शिवन्या सिंह ने बताया कि रिपोर्ट अनुसार जालौर के भीनमाल निवासी वीरमाराम पुत्र गंगाराम जाट उदयपुर के एक कॉलेज से भूगोल विषय में एमए कर रहा था। इसी दौरान बांसवाड़ा के कुछ लोगों से दोस्ती हुई। इसमें कुशलगढ़ निवासी विजय सिंह मईड़ा अपने साथ में वालसिंह गणवा पुत्र धूलजी गणावा निवासी खेड़पुर को लेकर आया। फिर उनकी दोस्ती हो गई। इसके बाद वर्ष 2008-09 में संस्कृत विभाग में संस्कृत में थर्ड ग्रेड शिक्षक भर्ती निकली। इस पर वालसिंह ने वीरमाराम को ऑफर दिया कि उसका सलेक्शन करा दोगे तो 1.50 लाख रुपए देगा।

ऐसे में वीरमाराम ने खुद ही फॉर्म भरा और एडमिशन कार्ड पर अपना फोटो लगाया और हस्ताक्षर भी किए। जब परीक्षा हुई और रिजल्ट आया तो वालसिंह का सलेक्शन हो गया। ऐसे में तय राशि वीरमाराम को मिल गई। इसके बाद वर्ष 2017-18 में विभाग में हैड मास्टर की जगह निकली।

ऐसे में एक बार फिर से वालसिंह ने वीरमाराम से संपर्क किया और 7 लाख में सौदा तय कर लिया। इस बार भी वीरमाराम ने डमी के रूप में परीक्षा दी। और सलेक्शन हो गया और खेड़पुर में ही पोस्टिंग मिल गई। पर वाल सिंह ने 7 लाख के बजाय 4.50 लाख रुपए ही दिए।

उपचुनाव में क्या भाजपा तोड़ पाएगी कांग्रेस का रिकॉर्ड?

कांग्रेस पक्ष में हो या विपक्ष में हमेशा मजबूत रही

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में इस बार राजस्थान के सात विधायकों ने चुनाव लड़ा। जिसमें से पांच विधानसभा ने विधायक से सांसद बनने का सफर तय किया। इसके चलते राजस्थान विधानसभा की पांच सीटें खाली हो गई। जिस पर संभवत नंबवर में उपचुनाव हो सकते है। इसे लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां तैयारियों में जुट गई है।

बता दें कि पहली बार बहुजन समाज पार्टी भी उपचुनाव के मैदान में उतरने वाली है। जिससे मुकाबला त्रिकोणीय और दिलचस्प होने वाला है। इन 5 सीटों पर टिकटों को लेकर अलग-अलग तरह के कयास लगाए जा रहे है।

हाल ही में राजस्थान उपचुनाव को लेकर भाजपा की बैठक हुई। जिसमें इन पांच विधानसभा सीटों पर चिंतन और मंथन हुआ। कयास लगाया जा रहा है कि बीजेपी इस बार किसी को भी ऐसे ही टिकट नहीं देगी, बल्कि संगठन में काम करने वाले और पुराने चेहरों को तव्वजो दिए जाने की तैयारी में है। देवली-उनियारा, खींवसर में पुराने ही प्रत्याशी पर पार्टी दांव लगा सकती है। इन सीटों पर जातिगत समीकरण को देखते हुए तैयारी चल रही हैं।

टोंक-सवाई माधोपुर से सांसद का चुनाव जीते हरीश मीना के बाद देवली-उनियारा विधानसभा सीट खाली हो गई है। जिस पर भाजपा विजय बैंसला या सौम्या गुर्जर को चुनाव लड़वा सकती है। वहीं कांग्रेस किसी मीणा कैंडिडेट को टिकट दे सकती है।

हॉट सीट खींवसर से कौन?

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव की सबसे हॉट सीट माने जाने वाली नागौर से हाल ही में हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा का चुनाव जीता। अब बीजेपी खींवसर से रेवत राम डांगा या ज्योति मिर्धा को मैदान में उतार सकती है। वहीं, कांग्रेस गठबंधन के तहत रालोपा के नारायण बेनीवाल या कनिका बेनीवाल को टिकट दे सकती है।

दौसा से दम भरेंगे ये नेता!

दौसा लोकसभा क्षेत्र से मुरारी लाल मीणा हाल ही में चुनाव जीतकर सांसद बने। जिसके बाद दौसा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस नरेश मीणा या गजराज खटाना तो वहीं भाजपा शंकर शर्मा या किसी मीणा कैंडिडेट को मैदान में उतार सकती है।

झुंझुनूं लोकसभा से कांग्रेस विधायक बृजेंद्र ओला के सांसद बनने के बाद झुंझुनूं विधानसभा सीट खाली हो गई है। अब इसी विधानसभा सीट से बीजेपी राजेंद्र भाम्बू, बबलू चौधरी या फिर भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश पूनियां को टिकट दे सकती है तो वहीं कांग्रेस से एमडी चोपदार प्रत्याशी हो सकते है।

बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र से विधायक राजकुमार रोत के सांसद बनने के बाद चौरासी विधानसभा सीट खाली हो गई है।

भीषण सड़क हादसे में दो की मौत, 14 घायल

दौसा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 21 पर एक लोडिंग टेम्पो को पीछे से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। ये सभी लोग उप्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। प्रदेश में सड़क को कम करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है लेकिन इसके बावजूद सड़क हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। ताजा मामला दौसा जिले का है, जहां एक लोडिंग टेम्पो को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिसके चलते तीन लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन को गंभीर घायल होने की वजह से जयपुर रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार कल रात दौसा के राष्ट्रीय राजमार्ग 21 पर एक लोडिंग टेम्पो को अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे टेम्पो आगे चल रहे वाहन से टकरा गया और यह सड़क हादसा हो गया। हादसे में 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई आर 14 लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। सदर पुलिस थाना अधिकारी सोहनलाल ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 21 पर दौसा से मुरादाबाद जाते समय लोडिंग टेम्पो नंबर UP 23AT 6697 को एक अज्ञात वाहन टक्कर मारकर फरार हो गया, जिसके चलते टेम्पो में सवार 14 लोगों को चोटें आई हैं और 2 लोगों छोटू और संजना जाटव की मौत हो गई। ये सभी लोग मुरादाबाद से खाटू श्यामजी के दर्शन करके लौट रहे थे।

अब बड़ा सवाल यह है कि जब वाहनों को परिवहन विभाग ने लोडिंग और सवारी वाहन के हिसाब से अलग-अलग अनुमति दे रखी है तो फिर लोडिंग वाहन में सवारियां क्यों जा रही थीं?

बारां की चौदह वर्षीय बालिका की जैसलमेर में गैंगरेप के बाद हत्या

बारां, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के कस्बाथाना इलाके के एक गांव में रहने वाली करीब चौदह वर्षीय आदिवासी बालिका के साथ जैसलमेर के मोहनगढ़ थाना इलाके में सोमवार को सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या का मामला सामने आया है। बालिका का शव लेकर जैसलमेर से ठेकेदार के दो कर्मचारी बारां के कस्बाथाना इलाके में उसके गांव पहुंचे। बालिका के साथ ज्यादती की जानकारी के बाद लोगों ने साथ आए कर्मचारियों को पकड़ लिया।

कस्बाथाना पुलिस ने मृतका के पिता की रिपोर्ट पर तीन जनों के खिलाफ जीरो नंबर की एफआईआर दर्ज की तथा पोस्टमार्टम कराकर बालिका का शव परिजनों को सौंप दिया। अब इसका अनुसंधान जैसलमेर के मोहनगढ़ थाना पुलिस करेगी। सूचना पर बारां से जिला पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी समेत अन्य पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी ने बताया कि कस्बाथाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले मृतका के माता-पिता और बुआ-फूफा जैसलमेर के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में एक कोयला ठेकेदार के मजदूरी करते थे। कुछ दिन पहले गांव में शादी ब्याह होने के कारण उसके माता पिता और बुआ गांव आ गई थी। बालिका और अन्य बच्चे फूफा के पास ही थे। इस मामले में फूफा की जानकारी पर मृतका के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि सोमवार दोपहर ठेकेदार के तीन कर्मचारियों ने मृतका के फूफा को शराब पीने भेज दिया।

फिर तीनों ने बालिका के साथ दुष्कर्म किया। कुछ देर बाद बालिका घायलावस्था में मिली तो उसे उपचार के लिए वे अस्पताल ले गए। वहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बालिका के मृत घोषित करने के बाद फूफा और ठेकेदार के कर्मचारी शव लेकर बारां उसके गांव पहुंचे। सूचना पर कस्बाथाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में ले लिया तथा शाहाबाद चिकित्सालय में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपा।

ट्रैक्टर ट्राली ने पुलिस की गाड़ी को मारी टक्कर

पुलिस कांस्टेबल की मौत

टोंक, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कल जिले के कोतवाली थाना इलाके में डिपो रोड के पास बजरी से भरे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे से गाड़ी में सवार कांस्टेबल को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

जिले में कल बजरी से भरे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी जिससे पुलिस गाड़ी में सवार कांस्टेबल खुशीराम बैरवा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल कांस्टेबल को उपचार के लिए सआदत अस्पताल ले जाया गया, जहां गंभीर हालत होने पर उसे जयपुर रैफर कर दिया गया। आज जयपुर में उपचार के दौरान बैरवा ने दम तोड़ दिया।

कोतवाली थाना इलाके के डिपो रोड के पास हुई घटना में घायल हुए हेड कांस्टेबल के शव को पोस्टमार्टम प्रक्रिया के बाद टोंक लाया जाएगा। कांस्टेबल की मौत के बाद पुलिस महकमे में शोक का माहौल है।

मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर क्रेक करने वाले 4 शातिर पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में ही चोरी व लूट के मोबाइल को अनलॉक कर उनके आइएमईआइ नंबर बदलने का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। कोतवाली थाना पुलिस ने रायसर प्लाजा में चार दुकानदारों को मोबाइल अनलॉक कर उनके आइएमईआइ नंबर बदलने के मामले में गिरफ्तार किया।

डीसीपी राशि डोगरा डूडी ने बताया कि जयपुर के महेश नगर स्थित सूर्य नगर निवासी अतुल गुप्ता, करतारपुरा स्थित महावीर कॉलोनी विस्तार निवासी लोकेश गर्ग उर्फ लालू, जगतपुरा स्थित रवीन्द्र नगर निवासी गौतम सैनी व प्रताप नगर निवासी महेश मुरजानी को गिरफ्तार किया। इन सभी आरोपियों की रायसर प्लाजा में अलग-अलग मोबाइल की दुकानें हैं। आरोपियों से कम्प्यूटर, डेस्कटॉप, साफ्टवेयर डिवाइस व 250 पुराने मोबाइल बरामद किए हैं।

डीसीपी राशि डोगरा ने बताया कि शहर में तेजी से मोबाइल लूट व चोरी होने की वारदात बढ़ गई। चोर-लुटेरे पकड़े भी जा रहे थे, लेकिन जितनी संख्या में मोबाइल की चोरी-लूट हो रही थी, वो बरामद नहीं हो रहे थे। पकड़े जाने वाले चोर-लुटेरों से पड़ताल के बाद शहर में ही मोबाइल रिपेयरिंग व बेचने वाले कुछ दुकानदार संदेह के घेरे में आए। तब कोतवाली थानाधिकारी राजेश शर्मा के नेतृत्व में टीम ने पहले दुकानदारों के संबंध में जानकारी जुटाई, फिर छापा मारा। उन्होंने कहा कि ग्राहक मोबाइल खरीदने के साथ बिल जरूर लें।

प्रत्येक शिकायत को ऑनलाइन दर्ज किया जाए

एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने किया वांकिडी पुलिस स्टेशन का दौरा

आसिफाबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि थाने में आने वाली हर शिकायत को ऑनलाइन दर्ज कर शिकायतकर्ताओं को रसीद दें और प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करें। जिला एसपी ने वांकिडी पुलिस स्टेशन का दौरा किया और थाने के रिकॉर्ड, थाने के परिवेश और पुलिस स्टेशन में कर्मचारियों द्वारा किए गए कर्तव्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने थाना परिसर और अन्य स्थानों का निरीक्षण किया गया।

अदालती ड्यूटी करने वाले अधिकारियों के कक्ष में अभिलेखों के संरक्षण और 5 एस के क्रियान्वयन की जांच की गई। उन्हें थाने के आसपास, कमरों और अभिलेखों को साफ-सुथरा रखने का आदेश दिया गया। इस मौके पर एसपी ने स्टाफ से बात करते हुए सुझाव दिया कि थाने में नियमित रूप से 5एस लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों के लिए उपलब्ध रहने और लोगों की समस्याओं का समाधान करने, जनता की शिकायतों का बिना किसी देरी के तुरंत जवाब देने का आदेश दिया और सभी कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों को जिम्मेदारी से निभाने का आदेश दिया। कार्यक्रम में एसबीसीआई राणा प्रताप, वांकिडी सीआई श्रीनिवास, एसएसआई सागर, आरएसआई ओडेलू और पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन ने हाथरस हादसे पर जताया दुख

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन ने हाथरस हादसे पर दुख जताया है। यूपी के हाथरस में सत्संग में बड़ी दुखद घटना हुई। प्रवचन में भाग लेने आए सैकड़ों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। नार्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष राज नारायण सिंह ने बताया कि इस तरह की घटनाएं रोकने के लिए सरकार को कड़ी कदम उठाना चाहिए। इस तरह की घटना पर किसी प्रकार की राजनीति नहीं करना चाहिए। सभी को मिलकर पीड़ित परिवारों को हादसे से उबारने की कोशिश करनी चाहिए।

महासचिव बिनय कुमार यादव ने बताया कि सरकार द्वारा मारे गए लोगों को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव ने बताया कि लोगों की जान उनके परिवार के लिए बहुत कीमती है। इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो इस पर गंभीरतासे विचार करना चाहिए। इस अवसर पर सभी ने मृतकों को श्रद्धांजली अर्पित की।

****

गांजा तस्कर को 10 साल की कैद और 1 लाख जुर्माना

आसिफाबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद जिला सत्र न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमवी रमेश ने गांजा तस्करी में शामील आरोपी को 10 साल की कैद और 1 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

जैनूर सीआई अंजना के अनुसार, आदिलाबाद जिले के सिरिकोंडा मंडल के रामपुर गांव से दिनाकर सुनील नामक व्यक्ति, 27 अगस्त 2021 को एक ऑटो में 25 किलो 300 ग्राम गांजा ले जाते समय जैनूर पुलिस के कर्मी वाहन जांच में पकडा गया। जब आरोपी से पूछताछ की गई तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। उसके खिलाफ जैनुर पुलिस स्टेशन में सुमोटो मामला दर्ज किया गया था और तत्कालीन आईओ तिरूपति और हनुक ने आरोपी को गिरफ्तार किया और एफआईआर दर्ज कर अदालत में पेश किया। पीपी जगनमोहन राव ने गवाहों से पूछताछ की और यह साबित हो गया कि उसने अपराध किया है, और जिला न्यायाधीश ने आरोपी को 10 साल की कैद और 1लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

आरपीएफ ने बरामद किया यात्री का बैग

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद डिवीजन के अंतर्गत लिंगमपल्ली पोस्ट के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 'ऑपरेशन अमानत' के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए एक यात्री का हैंडबैग बरामद किया, जिसमें 1.1 लाख रुपये नकद थे।

2 जुलाई को, राजमुंदरी से सिकंदराबाद जा रहे एक यात्री ने ट्रेन नंबर 07445 लिंगमपल्ली स्पेशल फेयर एक्सप्रेस के कोच बी1 में खोए हुए हैंडबैग के बारे में रेल मदद शिकायत के माध्यम से एक घटना की सूचना दी थी। त्वरित कार्रवाई करते हुए, आरपीएफ लिंगमपल्ली कर्मियों ने ट्रेन का पता लगाया और ड्यूटी पर मौजूद टीटीई से हैंडबैग बरामद किया।

बैग को आरपीएफ कार्यालय में सुरक्षित रखा गया और मालिक - शिकायतकर्ता एम. भगवद्गीता को सूचित किया गया, जो बाद में लिंगमपल्ली स्थित आरपीएफ कार्यालय आईं, जहां स्पष्ट पावती के साथ बैग, जिसमें नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज थे, उन्हें सौंप दिया गया। यात्री ने सतर्क आरपीएफ टीम के प्रति उनकी त्वरित और त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया।

वर्ष 2024 में "ऑपरेशन अमानत' के तहत लिंगमपल्ली स्थित आरपीएफ पोस्ट ने 54 घटनाओं में 43.8 लाख रुपये मूल्य का खोया हुआ सामान बरामद कर यात्रियों को सौंपा है।

आईआईआईटी छात्रों को सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश

निर्मल, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर अभिलाषा अभिनव ने अधिकारियों को आईआईआईटी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। बुधवार को उन्होंने जिले की एसपी जानकी शर्मिला और भैंसा एएसपी अविनाश कुमार के साथ आरजीयूकेटी बासर का दौरा किया।

महाविद्यालय के सभागार में छात्र-छात्राओं से रूबरू कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अधिकारियों और छात्रों ने शिक्षण, प्रशासन, छात्रों के कल्याण के लिए किए गए उपायों, कार्यक्रमों के प्रबंधन, खेल और सांस्कृतिक क्षेत्रों में छात्रों की प्रतिभा के मुद्दों पर चर्चा की। इस मौके पर बोलते हुए कलेक्टर ने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। विद्यार्थियों की सोच उत्कृष्ट एवं रचनात्मक होनी चाहिए। विद्यार्थियों को नये आविष्कार की शुरुआत करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन छात्रों को आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा। कहा जाता है कि छात्र आधुनिक तकनीक का उपयोग कर नए ऐप बनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के कल्याण के लिए शिक्षा समिति, समाज सेवा, सांस्कृतिक, शिकायत, मेस सलाहकार, कैरियर मार्गदर्शन, सुरक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य, प्लेसमेंट और इंटर्नशिप, फोटोग्राफी, नवाचार सहित विभिन्न विभागों के संबंध में 18 समितियों का गठन किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि समितियां प्रशासनिक अधिकारियों और विद्यार्थियों तथा समितियों के कार्यों, प्रक्रियाओं और उद्देश्यों के बीच एक सेतु का काम करती हैं।

जिले के एसपी ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी और अगर कोई समस्या हो तो सीधे एसपी कार्यालय को बताएं। कलेक्टर एवं एसपी ने विद्यार्थियों के साथ महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। इसके बाद अधिकारियों ने कैंटीन का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों के साथ दोपहर का भोजन किया। इस कार्यक्रम में भैंसा एएसपी अविनाश कुमार, आरडीओ कोमल रेड्डी, आरजीयूकेटी के विशेष अधिकारी सृजना, एसोसिएट डीन इंजीनियरिंग महेश, चीफ वार्डन श्रीधर, पीआरओ डॉ. विजयकुमार, एनएसएस समन्वयक राकेश रेड्डी, राजस्व, पुलिस, कॉलेज के अधिकारी, कर्मचारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

अग्रवाल समाज तेलेंगाना की एर्रागड्डा युवा शाखा गठित

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलेंगाना द्वारा एर्रागड्डा में युवा शाखा का गठन किया। 28 युवा इस शाखा के सदस्य बने है। यह अग्रवाल समाज तेलेंगाना की 5 वी युवा शाखा है।

सोमाजीगूड़ा में आयोजित शाखा गठन कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरषोत्तम अग्रवाल, सह मंत्री कंचन अग्रवाल, शाखा गठन विस्तार समिति के चेयरमैन संजय पंसारी एवं एडवाइज़री कमिटी एरागाड्डा युवा शाखा के सदस्य महेश अग्रवाल एवं चन्द्रकांत अग्रवाल उपस्थित थे।

इस नव गठित युवा शाखा में रौनक़ खैतान अध्यक्ष, नितिन अग्रवाल उपाध्यक्ष, अभिषेक अग्रवाल मानद मंत्री, पलकेश अग्रवाल सह मंत्री, योगेश्वर अग्रवाल कोषाध्यक्ष, अकुंश अग्रवाल केंद्रीय समिति सदस्य चयनित किए गये। इस के अतिरिक्त शरद अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, बृजराज अग्रवाल, राहुल गुप्ता, रजत अग्रवाल चेतन अग्रवाल को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चुना गया। बैठक में नरेंद्र अग्रवाल, भरत अग्रवाल, चिरंज़ीवी अग्रवाल, हार्दिक अग्रवाल, मेहूल अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, इशु अग्रवाल, मोहित गोयल, आकाश अग्रवाल, सौरभ गोयल, रजत केडिया, चेतन अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

वाइन शॉप के पास मृत पाया गया व्यक्ति

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह जीडीमेटला के सुराम में वाइन शॉप के पास 45 वर्षीय व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया।

स्थानीय पुलिस ने वाइन शॉप के पास सड़क पर पड़े व्यक्ति का शव बरामद किया, जिसकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को संदेह है कि व्यक्ति कल रात शराब की दुकान पर आया होगा और बाद में उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

9 वी की छात्रा वर्णिका पारख ने की बुक की संरचना

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ धर्म संघ की बेटी व ज्ञानशाला, हैदराबाद (डी वी कॉलोनी, सिकंदराबाद) की ज्ञानार्थी वर्णिका पारख ने (13) साल की उम्र में वेन फिलिंग फाइंड वर्डस् बुक की संरचना की। नौवीं कक्षा में पढ़ाई करते हुए अपनी कार्यकुशलता का अच्छा परिचय देते हुए समस्त एक मिसाल कायम की। इस उपलब्धी के लिए श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद समस्त हैदराबाद श्रावक समाज की ओर से वर्णिका पारख को शुभकामनाएं दी गई।

आरटीसी ने आईटी कर्मचारियों से कराया यात्रियों का सर्वेक्षण

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) शहर में आईटी कर्मचारियों से इनपुट प्राप्त करने के उद्देश्य से यात्रियों का सर्वेक्षण करा रहा है। आरटीसी अधिकारियों ने कहा कि सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर, वर्तमान मार्गों को बेहतर बनाने, सेवाओं की आवृत्ति बढ़ाने और बेहतर पहुँच जैसे मुद्दों पर उचित निर्णय लिए जाएँगे।

"यात्रा को बेहतर बनाने की योजना है। सर्वेक्षण के आधार पर, आईटी कॉरिडोर में विशेष बस सेवाएँ संचालित की जाएँगी। आईटी कॉरिडोर में कंपनियों तक पहुँचने के लिए बसों में काम करने वाले या नियमित रूप से यात्रा करने वाले सभी लोगों से अनुरोध है कि वे संक्षिप्त सर्वेक्षण में भाग लें, जिसमें केवल कुछ मिनट लगेंगे," आरटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा।

तेरापंथ युवक परिषद द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा जारी मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के अंतर्गत पहाड़ी श्याम हनुमान मंदिर महेंद्रा हिल्स मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पहाड़ी हनुमान मंदिर के ट्रस्टी सुभाष गोयल के साथ परिषद के अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा व मंत्री अनिल दुगड़ ने किया। शिविर मे थेलेशिमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी ने अपनी सेवाएं प्रदान की। युवक परिषद के उपाध्यक्ष मनीष पटावरी, जिनेंद्र बेद, सुशील दुगड़ व नवीन लुनिया के साथ विनय पारख, किशोर मंडल से प्राजल व सम्यक तथा पहाड़ी श्याम मंदिर के अमन सारड़ा ने सहयोग प्रदान किया।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा की सभा संपन्न

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा की प्रथम कार्यकारिणी सभा परामर्शदाता ओमप्रकाश पंसारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। सभा में अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने स्वागत संबोधन और सचिव योगेश अग्रवाल ने पिछली कार्यकारिणी की रिपोर्ट तथा शाखा की विभिन्न गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

सभा में लिए गए निर्णय के अनुसार शाखा द्वारा पिछले 21वर्षों से संचालित सहायतार्थ अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक की 21 वी वर्षगांठ शनिवार 20 जुलाई को दोमलगुडा स्थित शाखा परिसर में मनाई जायेगी। रश्मि अग्रवाल के संयोजन में शाखा की महिला समिति की ओर से दोमलगुडा स्थित एक स्कूल के छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तक और अन्य सामग्री प्रदान करने का निर्णय भी सभा में लिया गया। सभा में क्लिनिक की सेवाओं के विस्तारीकरण, शाखा की आर्थिक स्थिति, नए सदस्यता में विस्तार इत्यादि विषयो पर भी चर्चा की गई। सभा में शाखा के उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, कोषाध्यक्ष विजय कुंछल, के एस सदस्य, विजय जिंदल, पूर्व अध्यक्ष गिरधारी लाल गुप्त, विकास अग्रवाल उपस्थित थे।

चिलकुर बालाजी मंदिर ने शुरू किया नोटबुक दान अभियान

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चिलकुर बालाजी मंदिर के मुख्य पुजारी सी.एस. रंगराजन ने चिलकुर मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए नोटबुक दान अभियान शुरू किया। विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मंदिर के स्वयंसेवकों, कर्मचारियों, विद्यालय के प्रधानाचार्य भीमैया और अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में छात्रों को नोटबुक वितरित की गईं।

नोटबुक दान अभियान का उद्देश्य युवा पीढ़ी को संसाधनों के महत्व के बारे में जागरूक करना और एक सहायक वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना है। मीडिया से बात करते हुए रंगराजन ने कहा, "यह पहल समाज के उच्च तबके के लोगों और संपन्न लोगों को गरीब स्कूली बच्चों के लिए इस तरह के दान अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करेगी"। रंगराजन ने शहरी स्कूली बच्चों को अपने वंचित साथियों की सहायता करने के लिए भी प्रोत्साहित किया, इस तरह की भागीदारी से मिलने वाले समृद्ध अनुभवों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "नोटबुक दान अभियान समाज में सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करने और इसे स्थायी शिक्षा की ओर ले जाने की दिशा में एक छोटा कदम है।"

आज कई इलाकों में बाधित रहेगी पेयजल आपूर्ति

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पानी का सावधानीपूर्वक उपयोग करें और जितना संभव हो सके उतना पानी बचाएं, क्योंकि गुरुवार को शहर के कुछ इलाकों में नल सूखे रह सकते हैं। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड ने गुरुवार सुबह 7 बजे से 24 घंटे के लिए शहर के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति बाधित करने की घोषणा की है। कई जगहों पर आपूर्ति कम दबाव वाली होगी।

जिन इलाकों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बाधित रहेगी, उनमें शेखपेट, जुबली हिल्स, सोमाजीगुडा, बोरबंडा, मूसापेट, नल्लागंडला, चांदनगर, हुडा कॉलोनी, हाफिजपेट, मणिकोंडा, नरसिंगी, मंचिरेवुला, तेलपुर शामिल हैं। भोजगुट्टा जलाशय, बंजारा हिल्स, एर्रागड्डा, केपीएचबी और हैदरनगर में कम दबाव वाली आपूर्ति होगी।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, टीजी ट्रांसको 132 केवी पेड्डापुर और कंडी सब-स्टेशनों पर मरम्मत का काम कर रहा है, जो सिंगुरू 3 और 4 चरणों को बिजली की आपूर्ति करते हैं, जो हैदराबाद को पीने का पानी उपलब्ध कराते हैं। जल बोर्ड ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि ट्रांसको का काम 4 जुलाई को सुबह 7 बजे से 5 जुलाई को सुबह 7 बजे तक चलेगा। एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने प्रभावित क्षेत्रों में अपने उपभोक्ताओं से पानी का संयम से उपयोग करने का आग्रह किया।

अखिल भारतीय ओबीसी विभाग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक, नई दिल्ली में हुई। इस अवसर पर अखिल भारतीय ओबीसी समन्वयक, यूपी प्रभारी निर्मल कुमार यादव पिछले 4 महीनों में पार्टी में किए गए काम के बारे में विस्तार से बताते हुए और साथ में सभी राष्ट्रीय समन्वयक मौजूद थे।

दोमलगुड़ा शाखा द्वारा सरकारी स्कूल में पुस्तक वितरण संपन्न

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज अग्र महिला समिति दोमलगुड़ा शाखा द्वारा दोमलगुड़ा स्थित पंकज मेमोरियल गवर्नमेंट हाई स्कूल में 120 बच्चों को 400 किताबें एवं स्कूल को रजिस्टर बुक वितरित की गई।

कार्यक्रम में के राहुल एवं महेंद्र बाबू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दोमलगुड़ा कॉरपोरेटर जी. रचना श्री,शाखा अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, सरोज देवी, सीमा अग्रवाल, दीप्ति अग्रवाल की भी उपस्थित रही। कार्यक्रम में महिला समिति की मुख्य संयोजिका रश्मि अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, अंजु गोयल, सपना अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, एडवोकेट संतोष अग्रवाल, वेंकटेश, प्रभाकर, केशव राव, रमेश, दिलीप यादव एवं अन्य ने सहयोग किया।

छह वर्षीय बीटेक कार्यक्रमों में लड़कियों ने जीतीं बड़ी संख्या में सीटें

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ नॉलेज टेक्नोलॉजीज (आरजीयूकेटी), बासर द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए जाने वाले छह वर्षीय बीटेक कार्यक्रमों में लड़कियों ने बड़ी संख्या में सीटें जीतीं। इस बार, 428 लड़कों के मुकाबले 976 लड़कियों को अनंतिम प्रवेश मिला, यानी चयनित होने वालों में लड़कियों और लड़कों का अनुपात 69:31 है। कुल मिलाकर, प्रवेश के पहले चरण में विश्वविद्यालय द्वारा 1,404 उम्मीदवारों को अनंतिम प्रवेश दिया गया था।

प्रधान सचिव (शिक्षा), बुर्रा वेंकटेशम और आरजीयूकेटी के कुलपति प्रो. वी वेंकट रमना ने बुधवार को यहां अनंतिम रूप से चयनित उम्मीदवारों की सूची जारी की।

सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। सबसे अधिक 330 छात्र सिद्दीपेट जिले से थे, उसके बाद निजामाबाद से 157 और संगारेड्डी जिले से 132 छात्र थे। चयनित छात्रों में से 95 प्रतिशत सरकारी स्कूलों से थे और शेष निजी स्कूलों से थे। प्रमाणपत्र सत्यापन का पहला चरण 8 से 10 जुलाई तक विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। सभी अनंतिम रूप से चयनित उम्मीदवारों के लिए आवश्यक मूल प्रमाणपत्रों के साथ निर्धारित तिथियों पर काउंसलिंग में शामिल होना अनिवार्य है। आरजीयूकेटी ने कहा कि जो छात्र काउंसलिंग में शामिल नहीं होंगे, वे प्रवेश के लिए किसी भी दावे को खो देंगे। परिसर में रिपोर्टिंग की तारीख उम्मीदवारों को नियत समय में सूचित की जाएगी।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेश की पूजा में भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार, भारत सोंथालिया अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विजय, डॉ राधा कृष्ण विट्ठलदास अग्रवाल, चोपड़ा विजय कुमार दिल्लीवाले, विट्ठलदास अग्रवाल, अशोक लाखोटिया, प्रवीण अग्रवाल, मोहन लाल मित्तल, दसारी श्रीनिवास, प्रवीण अग्रवाल, सुधाकर पम्पती चोपड़ा, अशोक लाखोटिया, राहुल सिंघल, विजय कुमार अग्रवाल, विजय तुम्बी, विट्ठलदास अग्रवाल एवं आदि।

डीसीपी ने किया चेन्नूर पुलिस स्टेशन का दौरा

चेन्नूर, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर सब डिवीजन के चेन्नूर पुलिस स्टेशन में मंचेरियाल डीसीपी ए.भास्कर और जयपुर एसीपी वेंकटेश्वर ने दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस स्टेशन के प्रांगण के क्षेत्र में निरिक्षण किया।

बाद में स्टेशन के संबंधित सभी रिकॉर्ड की जांच की और कर्मचारियों से बात की और पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करने वाले को और ऑनलाइन रसीद देने के लिए कहा। कार्यक्रम में एसआई श्वेता, एसआई वेंकटेश्वर राव एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

श्रीवारी मंदिर के अन्नप्रसादम में कोई बदलाव नहीं : टीटीडी का स्पष्टीकरण

तिरुमला, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने दावा किया है कि सोशल मीडिया की उन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है कि टीटीडी ने तिरुमाला मंदिर में अन्नप्रसादम तैयार करने के लिए जैविक चावल का इस्तेमाल बंद करने का फैसला किया है। टीटीडी के प्रवक्ता ने बुधवार को स्पष्ट किया कि सामान्य चावल के साथ पुरानी प्रथा को बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है और कहा कि इस मुद्दे पर सोशल मीडिया की खबरें बिल्कुल भी सत्य नहीं हैं।

टीटीडी के ईओ जे शामला राव ने दूसरे दिन पुजारियों और मंदिर अधिकारियों के साथ बैठक की और केवल अन्न प्रसादम और उनके महत्व पर विस्तार से चर्चा की। प्रवक्ता ने कहा, इसके अलावा अन्नप्रसादम की तैयारी या दित्तम को बढ़ाने पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा, "कुछ लोग सोशल मीडिया पर अफवाह फैला रहे हैं कि श्रीवारी मंदिर में अन्नप्रसाद की तैयारी में बदलाव किए गए हैं और यह पूरी तरह से गलत है।"

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम इंडिया ने रखा जिम्बाब्वे में कदम

शुभमन गिल भी अमेरिका से हरारे पहुंचे पहली बार दोनों टीमों में इतनी बड़ी सीरीज

हरारे, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे से 5 टी20 मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया के खिलाड़ी हरारे पहुंच चुके हैं. इस दौरे पर भारतीय टीम को जिम्बाब्वे से 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है. जिम्बाब्वे दौरे के लिए शुभमन गिल को टीम इंडिया का कप्तान बनाया गया है. वहीं इस दौरे पर कोच की भूमिका में वीवीएस लक्ष्मण साथ भारतीय खिलाड़ियों के साथ गए हैं. उधर, जिम्बाब्वे टीम की बात करें तो उसने भारतीय टीम के हरारे पहुंचने से पहले ही अपनी प्रैक्टिस को अंजाम देना शुरू कर दिया है.

शुभमन गिल और टीम इंडिया के हरारे पहुंचने की तस्वीरें और वीडियो जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है. टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ी जहां भारत से उड़ान भरकर

जिम्बाब्वे पहुंचे हैं. वहीं शुभमन गिल T20 सीरीज के लिए सीधे अमेरिका से हरारे पहुंचे हैं.

अमेरिका में छुट्टियां मनाकर हरारे पहुंचे गिल

गिल टी20 वर्ल्ड कप 2024 के दौरान भारतीय टीम के रिजर्व स्क्वॉड का हिस्सा थे. लेकिन, उन्हें ग्रुप स्टेज के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था. टीम से रिलीज होने के बाद गिल अमेरिका में ही छुट्टियां मना रहे थे. और, अब उन्होंने वहीं से उड़ान भरकर हरारे में टीम को जॉइन किया है.

पहली बार 5 T20 मैचों की सीरीज

भारत और जिम्बाब्वे के बीच इस दौरे पर पहली बार 5 टी20 मैचों की सीरीज खेली जा रही है. इससे पहले कभी भी टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे के साथ 5 टी20 मैचों की सीरीज नहीं खेली. साल 2010 में जिम्बाब्वे दौरे पर भारत ने 2 टी20 मैचों की सीरीज खेली और 2-0 से जीती. इसके बाद 2015 में भी 2 मैचों की सीरीज जिम्बाब्वे दौरे पर खेली, जो कि 1-1 से ड्रॉ रही. वहीं 2016 में भारतीय टीम ने 3 टी20 मैचों की सीरीज जिम्बाब्वे दौर पर खेली और उसे 2-1 से अपने नाम किया.

भारत का मुकाबला करने के लिए जिम्बाब्वे की प्रैक्टिस शुरू

हरारे पहुंचने के बाद टीम इंडिया अब तैयारियों में जुटेगी. हालांकि, मेजबान टीम ने अपनी प्रैक्टिस पहले से ही शुरू कर दी है. वो लगातार मैदान पर पसीना बहाते दिख रहे हैं.

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष सुमरिवाला ने नीरज को सराहा

ओलंपिक को लेकर कही ये बात

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और विश्व चैंपियन भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा की सराहना की है। सुमरिवाला ने कहा कि नीरज चोपड़ा शांतचित खिलाड़ी हैं, जो दबाव को कभी हावी नहीं होने देते है और दूसरे भारतीय खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। नीरज इस महीने के आखिरी में पेरिस ओलंपिक में एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे।

सुमरिवाला ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रदर्शन पहले से बेहतर होगा, लेकिन उन्होंने यह अनुमान लगाने से इनकार कर दिया कि देश कितने पदक जीतेगा। उन्होंने कहा कि

नीरज की सबसे बड़ी ताकत दबाव को सोखने की है। वह बड़े मैचों में दबाव को हावी नहीं होने देता है इसलिए 87-88 मीटर के थ्रो के साथ भी पदक जीत लेता है। सुमारिवाला ने एक कार्यक्रम में नीरज के बारे में कहा, एक तरफ नीरज है और दूसरी तरफ बाकी सब एथलीट हैं। जहां तक नीरज का सवाल है तो वह काफी शांतचित और एकाग्र है। वह उनमें से एक हैं जो दबाव को हावी नहीं होने देता है। वह न तो अतीत के बारे में सोचता है और ना ही भविष्य की ज्यादा चिंता करता है। वह मौजूदा क्षण के बारे में सोचता है और यही उसका सबसे मजबूत पक्ष है। अगर आप उससे पूछें, क्या आपको डर लगता है? तो वह कहेगा, डर तो सबको लगता है, लेकिन तनाव नहीं लेना चाहिए।

सुमरिवाला ने कहा, 'मैं प्रतिस्पर्धा में जाने से पहले हमेशा इन खिलाड़ियों से वार्मअप क्षेत्र में बातचीत करता हूं। वह कहता है कोई तनाव नहीं है, आप तनाव मत लो मैं कर दूंगा।'

एएफआई अध्यक्ष को उम्मीद है कि नीरज पेरिस ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीतेंगे। उन्होंने कहा, क्या मैं भविष्यवाणी कर सकता हूं कि वह एक और स्वर्ण जीतेगा? ऐसा करना बहुत कठिन है। उनकी ताकत उनकी निरंतरता है। आज दुनिया में कम से कम चार-पांच खिलाड़ी हैं जो 90 मीटर से अधिक थ्रो करते हैं जो नीरज ने कभी नहीं किया है।

शूटर रिदम सांगवान बोलीं- पूरे हिंदुस्तान का आशीर्वाद मेरे साथ है

ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करूंगी

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी बहु-राष्ट्रीय प्रतियोगिता पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होने जा रही है। इसके लिए हर देश तैयारियों में जुटा हुआ है। भारतीय एथलीट्स भी इस मेगा इवेंट को लेकर जमकर तैयारी कर रहे हैं। कुछ एथलीट्स अपने देश में रहकर ही तैयारियों में जुटे हैं तो कुछ को विदेश भेजा गया है। इसी कड़ी में भारत को सबसे ज्यादा उम्मीदें अपने निशानेबाजों से है। भारत को सबसे पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक शूटिंग में ही मिला था, जब 2008 बीजिंग ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा ने स्वर्ण जीता था। इसके अलावा भी देश को गगन नारंग और विजय कुमार जैसे कुछ शीर्ष निशानेबाजों ने ओलंपिक में पदक दिलाए हैं। ऐसे में इस साल भी निशानेबाजी में भारत अपने सबसे बड़ा दल ओलंपिक के लिए भेज रहा है। इसी टीम का हिस्सा रिदम सांगवान भी हैं।

रिदम पिछले साल हुए हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण जीत चुकी हैं। इसके अलावा भी उनके नाम कई पदक हैं। रिदम निशानेबाजी में भी तीन स्पर्धाओं में खेलती हैं। 10 मीटर एयर पिस्टल के अलावा उन्हें 25 मीटर पिस्टल और 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में भी महारत हासिल है। हालांकि, पेरिस ओलंपिक में वह 10 मीटर एयर पिस्टल में हिस्सा लेंगी। रिदम विश्व चैंपियनशिप्स में एक स्वर्ण (2023 बाकू) और तीन रजत (2022 कायरो) पदक जीत चुकी हैं। इसके अलावा आईएसएसएफ विश्व कप में उन्होंने 2023 में 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण अपने नाम किया था। आईएसएसएफ विश्व कप में वह तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य समेत कुल पांच पदक जीत चुकी हैं। 20 साल की रिदम से इस साल पेरिस ओलंपिक में पदक की आस है। रिदम सांगवान ने कहा इस बार तैयारी अच्छी चल रही है। अभी हम लग्जमबर्ग में थे पिछले कुछ दिनों से और अभी 10 दिन बाद हम दोबारा जाएंगे। ओलंपिक से पहले आई थिंक तैयारी अच्छी चल रही है। मेहनत भी जारी है और बेशक हमारा प्रदर्शन अच्छा रहने वाला है। मैं अपने परिवार का, अपने कोच का, अपने रिश्तेदारों का, सबका आशीर्वाद लेकर जाऊंगी। मुझे लगता है कि यही सबसे अच्छा गिफ्ट है।

उन्होंने बस मुझे प्रेरित किया कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं। पेरिस जाकर देश का नाम रोशन करूं।

दबाव लेने की जरूरत ही नहीं है। हम इसे एक अच्छे दबाव का सोच कर भी ले सकते हैं जो हमारे गेम के लिए अच्छा है। तो मैं बस इसको इस तरह से लेती हूं कि हिंदुस्तान के लोगों का आशीर्वाद मेरे साथ है। उनका मुझे समर्थन है। मुझे लगता है कि यह खेल के लिए बहुत अच्छा है।

डाइट प्लान कुछ नहीं है बस जंक फूड से परहेज कर रही हूं। मोटिवेट के बारे में क्या कहूं, क्योंकि हम ओलंपिक में जा रहे हैं। सबसे बड़ा स्टेज है तो मुझे लगता है कि इस इवेंट के लिए हर कोई अपने आप प्रेरित रहता है। इसके लिए अलग से कुछ करने की जरूरत नहीं।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी का लक्ष्य

गुजरात के मुख्यमंत्री ने फ्रांस के राजदूत से की चर्चा

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ. थिएरी माथौ ने मंगलवार को यहां गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने राज्य में ओलंपिक खेलों के आयोजन में इस यूरोपीय देश की विशेषज्ञता का उपयोग करने के तरीकों पर चर्चा की। भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगाने की योजना बना रहा है। फ्रांस इस साल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस में ओलंपिक की मेजबानी करेगा। गुजरात सरकार की ओर से यहां जारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री पटेल ने राजदूत माथौ के साथ बैठक में भारत की बोली सफल होने पर 2036 में गुजरात में ओलंपिक खेलों के आयोजन में फ्रांस की विशेषज्ञता का उपयोग करने पर चर्चा की। बयान के मुताबिक, पटेल ने ओलंपिक की मेजबानी के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाओं में फ्रांस की समझ और कौशल का उपयोग करने में गुजरात की गहरी रुचि व्यक्त की। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने यह भी जानना चाहा कि यह बुनियादी ढांचा आयोजन से परे दीर्घकालीन उद्देश्यों की पूर्ति कैसे कर सकता है।

पहली बार होने वाले मास्टर्स कप टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा हॉकी इंडिया

40 से अधिक उम्र के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा।

हॉकी इंडिया 40 साल से अधिक उम्र के पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए होने वाले मास्टर्स कप टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। यह पहली बार है जब हॉकी इंडिया इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट का मकसद अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के जुनून और कौशल का जश्न मनाने का है। टूर्नामेंट की तारीखों और स्थल की घोषणा

बाद में की जाएगी।

हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा। इन खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया की सदस्य इकाई की वेबसाइट के माध्यम से पंजीकरण करना होगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हम पहली बार हॉकी इंडिया मास्टर्स कप की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। यह ऐसा आयोजन होगा जो हमारे अनुभवी खिलाड़ियों के समर्पण और जुनून को मान्यता देगा। यह टूर्नामेंट खेल के प्रति उनके स्थायी प्रेम के जश्न के साथ हॉकी में उनके अमूल्य योगदान का एक प्रमाण है।

अर्जेंटीना की ओलंपिक फुटबॉल टीम में मेसी को जगह नहीं

विश्व विजेता टीम के सिर्फ चार खिलाड़ी

ब्यूनस आयर्स, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेसी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है।

लियोनल मेसी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। कोच जेवियर माशेरानो ने घोषित टीम में विश्व कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी जिसमें स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं।

इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेसी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में विश्व कप भी जीता था। मेसी ने अपने एकमात्र ओलंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की थी।ओलंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है लेकिन प्रत्येक टीम में तीन अधिक उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे।

जेम्स एंडरसन ने करियर खत्म होने से पहले मचाई तबाही, 7 विकेट लेकर ढाया कहर

लंदन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का करियर बस खत्म ही होने वाला है. 10 जुलाई को ये खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर उतरेगा और ये उनके करियर का आखिरी टेस्ट मैच होगा. एंडरसन 41 साल के हो गए हैं लेकिन इस खिलाड़ी की गेंदबाजी अबतक कमाल है. अपने आखिरी टेस्ट से पहले एंडरसन लैंकशर के लिए काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं जहां उन्होंने नॉटिंघमशर के खिलाफ कहर बरपाती हुई गेंदबाजी की. एंडरसन ने पहली पारी में सिर्फ 35 रन देकर 7 विकेट चटकाए.

साउथ पोर्ट में खेले जा रहे मुकाबले में लैंकशर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 353 रन बनाए. जवाब में नॉटिंघमशर की बैटिंग लाइनअप को एंडरसन ने

तबाह कर दिया. दाएं हाथ के इस गेंदबाज ने अपनी स्विंग और कमाल की लाइन-लेंग्थ से नॉटिंघमशर के बल्लेबाजों को क्रीज पर खड़े रहने के लिए तरसा दिया. एंडरसन ने सबसे पहले कप्तान हसीब हमीद को बोल्ड किया. इसके बाद विल यंग, जो क्लार्क, जैक हेन्स, लिंडन जेम्स भी उन्हीं का शिकार बने. एंडरसन ने शुरुआत के 7 में से 6 बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई. आमतौर पर जेम्स एंडरसन स्विंग के दम पर बल्लेबाजों को आउट करते हैं लेकिन साउथ पोर्ट में कुछ और देखने को मिला. उन्होंने नॉटिंघमशर को शॉर्ट ऑफ गुड लेंग्थ से परेशान किया. एंडरसन की उम्र 41 साल हो गई है लेकिन ये खिलाड़ी आज भी शॉर्ट गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान कर रहा है. एंडरसन ने अपनी इस शानदार परफॉर्मेंस से साफ कर दिया है कि वो अपने करियर के आखिरी टेस्ट में कमाल करने वाले हैं. वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को लॉर्ड्स टेस्ट में बचकर रहना होगा. वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा. दूसरा टेस्ट 18 जुलाई से नॉटिंघम में होगा. तीसरा टेस्ट बर्मिंघम में 26 जुलाई से होगा.

3 खिलाड़ी जिन्होंने रोहित शर्मा से पहले किया था टी 20 में डेब्यू

अभी भी खेल रहे हैं इंटरनेशनल क्रिकेट

खेल डेस्क, 3 जुलाई (एजेंसियां)। विराट कोहली, रोहित शर्मा ओर रविंद्र जडेजा ने टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। वहीं, कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिनका करियर 15 साल से भी ज्यादा का हो गया है और उन्होंने अभी तक संन्यास नहीं लिया है।

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने भी क्रिकेट के इस फॉर्मेट से रिटायर होने का ऐलान कर दिया था। रोहित शर्मा एकमात्र ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2007 के बाद अभी तक जितने भी टी 20 वर्ल्ड कप हुए हैं, उसमे हिस्सा लिया है। वो 2007 में हुए टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे। उस टीम का हर खिलाड़ी अब रिटायर हो गया है। लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिन्होंने रोहित शर्मा से पहले डेब्यू किया था और अभी भी टी20 फॉर्मेट में

खेलते हुए नजर आ रहे हैं। तो आइये जानते हैं, इन खिलाड़ियों के बारें में:

शोएब मलिक

पाकिस्तान दाएं हाथ के बल्लेबाज शोएब मलिक ने 90 के दशक में डेब्यू किया था। वो पिछले तीन दशक से क्रिकेट में सक्रिय है। वो 42 साल के हो गए हैं और अभी तक उन्होंने रिटायरमेंट नहीं लिया है। हालांकि वो इस समय पकिस्तान की नेशनल टीम से बाहर चल रहे हैं। वो अब लीग क्रिकेट में ज्यादा सक्रिय नजर आते हैं।

महमुदुल्ला रियाद

बांग्लादेश के स्टार खिलाड़ी महमुदुल्ला रियाद ने 1 सितंबर 2007 को केन्या के खिलाफ टी20 फॉर्मेट में डेब्यू किया था। महमुदुल्ला रियाद ने बांग्लादेश के लिए 138 टी20 मैच खेले हैं। जिसमे उन्होंने 2000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 40 से ज्यादा विकेट हासिल किए हैं। वो इस बार भी टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की टीम का हिस्सा थे।

शाकिब अल हसन

बांग्लादेश के स्टार शाकिब अल हसन ने भी टी20 वर्ल्ड कप के सारे संस्करण खेले हैं। उन्होंने 2006 में टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया था।

शाकिब अल हसन का टी20 करियर रोहित शर्मा से भी लंबा रहा है। शाकिब का टी20 करियर 17 साल से भी ज्यादा का है, जबकि रोहित शर्मा का टी20 करियर 16 साल से ज्यादा का था।

गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा उलटफेर का शिकार

गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से मिली हार

लंदन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा का खिताब का बचाव का अभियान विंबलडन के पहले ही दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। महिला सिंगल्स वर्ग में पिछले साल की विजेता 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में गैर वरीयता प्राप्त जेसिका बोउजास मानेरिओ से एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 4-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के वर्ग में टूर्नामेंट में यह पहला बड़ा उलटफेर है।

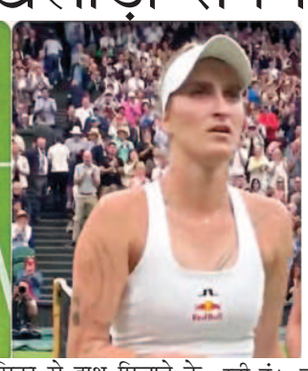

जेसिका पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य दौर में पहुंची थीं और उन्होंने गत चैंपियन खिलाड़ी को उलटफेर का शिकार बनाकर अपना प्रभाव छोड़ा। 1994 में स्टेफी ग्राफ के पहले दौर में बाहर होने के बाद यह पहली बार है जब विंबलडन की गत चैंपियन टीम का सफर शुरुआती दौर में ही समाप्त हुआ है। वोंद्रोसोवा पहले ही राउंड में संघर्ष करती दिखीं और उन्होंने 28 बेजां भूलें की।

हारने के बाद वोंद्रोसोवा काफी निराश दिखीं और मैच के बाद जेसिका से हाथ मिलाने के दौरान उनके चेहरे पर इस हार का दुख साफ झलक रहा था। दूसरी तरफ जेसिका अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाने से खुद को नहीं रोक सकीं और टेनिस कोर्ट पर ही उछल पड़ीं। वोंद्रोसोवा ने मैच में सात डबल फॉल्ट किए, वहीं जेसिका ने गत चैंपियन खिलाड़ी की पांच बार सर्विस तोड़ी और मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

जेसिका ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन और करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक है। मैं बस एक बेहतरीन महिला सिंगल्स खिलाड़ी के खिलाफ खेलने के दौरान उस पल का आनंद लेने के बारे में सोच रही थी। उन्होंने पिछले साल यहां खिताब जीता था। मैं सोच रही थी कि मुझ पर कोई दबाव नहीं है और मैं आनंद लेना चाहती हूं। मैं अपने प्रदर्शन से आश्चर्यचकित थी और शुरुआत में थोड़ी नर्वस भी थी, पहले गेम के बाद यहां का माहौल काफी अच्छा लगा और लग रहा था कि मैं घर में खेल रही हूं। नाओमी ओसाका ने विंबलडन में छह साल में पहली जीत दर्ज की जब वह डियाने पैरी को हराकर महिला सिंगल्स वर्ग के दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहीं। आसोका ने पहले दौर के कड़े मुकाबले में पैरी को 6-1, 1-6, 6-4 से हराया। ओसाका पांच साल विंबलडन में खेली भी नहीं। दो बार की यूएस और ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता ओसाका 2019 में पहले दौर में हार के बाद पहली बार विंबलडन में हिस्सा ले रही हैं। गत यूएस ओपन चैंपियन कोको गॉफ और 2021 की यूएस ओपन विजेता ऐमा राडुकानु भी जीत दर्ज करने में सफल रहे।

कैदियों को नया जीवन जीने का दूसरा मौका : डॉ. सौम्या मिश्रा

कैदियों के लिए परामर्श कार्यक्रम और जाब मेला आयोजित

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की जेलों में बंद (213) दोषी कैदियों को, जो लंबे समय से जेल में बंद थे, तेलंगाना सरकार द्वारा समय से पहले रिहाई दी गई। इसी दिन, तेलंगाना जेलों के केंद्रीय कारागार, चेरलापल्ली के परिसर में रिहा किए गए कैदियों के लिए परामर्श कार्यक्रम और नौकरी मेला आयोजित किया है। इस अवसर पर डॉ. सौम्या मिश्रा, महानिदेशक, जेल एवं सुधार सेवाएं, तेलंगाना, हैदराबाद, वाई. राजेश, जेल महानिरीक्षक (प्रशासन), तेलंगाना, हैदराबाद, एन. मुरली बाबू, जेल महानिरीक्षक (कल्याण), तेलंगाना, हैदराबाद: डॉ. डी. श्रीनिवास, उप महानिरीक्षक जेल, हैदराबाद रेंज, हैदराबाद, एम. संपत, जेल उप महानिरीक्षक, वारंगल रेंज, हैदराबाद, संतोष कुमार राय. जेल अधीक्षक, केंद्रीय कारागार, चेरलापल्ली, एन. शिव कुमार गौड़, जेल अधीक्षक, केंद्रीय कारागार, हैदराबाद, टी. कलासागर, जेल अधीक्षक, कैदी कृषि कॉलोनी, वारंगल; अन्य जेल कर्मी और रिहा किये गये कैदियों के परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में राघवेंद्र, प्रेरक वक्ता और जस्थी राजेश्वरी, फैमिली काउंसलर और मनोवैज्ञानिक द्वारा बंदियों को परामर्श दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए महानिदेशक, जेल एवं सुधार सेवाएं, तेलंगाना, डॉ.सौम्या मिश्रा ने कहा कि यह तेलंगाना जेल विभाग के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है, जिसने विभिन्न जेलों के कैदी 213 दोषियों को रिहा करने के महत्वपूर्ण मील के पत्थर को पार कर लिया है।

उन्होंने कहा कि रिहा किए गए कैदियों के रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों ने नई सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रतिष्ठित प्रजावाणी कार्यक्रम में अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें दोषी कैदियों की समय से पहले रिहाई का अनुरोध किया गया है क्योंकि वे कई वर्षों से जेलों में बंद है। उन्होंने खुद में सुधार किया है, जिस पर मुख्यमंत्री ने विचार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने तेलंगाना राज्य स्तर पर समिति का गठन किया। जिसमें सरकार के मुख्य सचिव, (गृह), जेल एवं सुधार सेवाओं के महानिदेशक, सरकार के प्रमुख सचिव (कानून) और अन्य ने केंद्रीय और राज्य अधिनियमों के अनुसार मामले का अध्ययन करके राज्य सरकार को कैदियों की समयपूर्व रिहाई की सिफारिश करने वाले प्रस्ताव दिए। मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदित किया गया था और तेलंगाना के राज्यपाल को भेजा गया, जिन्होंने अंततः कैदियों की समयपूर्व रिहाई को मंजूरी दे दी। तदनुसार (213) दोषी कैदियों यानी (205) आजीवन और (08) गैर-आजीवन कैदियों, जिनमें (35) महिला कैदी भी शामिल है।

कैदियों को रिहा करने के लिए जी.ओ. जारी किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें कैदियों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों के चेहरे देखकर बहुत खुशी हो रही है और कहा कि रिहा किए गए कैदियों को नया जीवन जीने का दूसरा मौका मिला है और यह उनके लिए नई सुबह है और उन्हें उम्मीद है कि वे अपने परिवार के सदस्यों के साथ खुशहाल जीवन जीएंगे। परिवार के सदस्यों और परिवार के सदस्यों से समाज में उनके पुन: एकीकरण की सुविधा प्रदान करने की अपील की। इस अवसर पर, उन्होंने (67) रिहा किए गए पुरुष दोषी कैदियों और (03) रिहा हुई महिला दोषी कैदियों को माई नेशन फिलिंग स्टेशनों में नौकरी के प्रस्ताव पत्र वितरित किए और (08) रिहा हुए डॉ. को ऊषा सिलाई मशीनें भी वितरित कीं। उन्होंने कहा कि महिला कैदियों के लिए तेलंगाना जेल कल्याण सोसायटी से खर्च वहन कर रही हैं। भाग के रूप में सुधार प्रक्रिया के तहत दोषी कैदियों को उच्च शिक्षा की सुविधा मिलती है।

अधीक्षक केंद्रीय कारागार, चेरलापल्ली संतोष राय ने बताया कि रिहा करने वालों में केंद्रीय कारागार, चेरलापल्ली 61, सेंट्रल जेल, हैदराबाद 27, केंद्रीय कारागार, वारंगल 20, कैदी कृषि कॉलोनी, चेरलापल्ली 31, महिलाओं के लिए विशेष जेल, हैदराबाद 35, केंद्रीय कारागार, संगारेड्डी 1, केंद्रीय कारागार, निज़ामाबाद 15, जिला जेल महबूबनगर ,2, जिला जेल, नलगोंडा 4, जिला जेल, आदिलाबाद 3, जिला जेल करीमनगर 7, जिला जेल, खम्मम 4, विशेष. उप जेल, आसिफाबाद 3 समेत 213 कैदी शामिल हैं।

धोखा देने के आरोप में तीन गिरफ्तार, 23 लाख जब्त

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हबीब नगर पुलिस, आसिफ नगर डिवीजन, दक्षिण पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद की टीम ने तीन लोगों को पकड़ा है। आरोपी निर्दोष लोगों को धोखा देने में शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद नसीर , निवासी, चंदूलाल बारादरी, बहादुरपुरा, हैदराबाद ,मोहम्मद जफर अहमद, निवासी, पीएनटी कॉलोनी, सनसिटी, बंदलागुडा जागीर, मोहम्मद अशफाक निवासी , पीएनटी कॉलोनी, सनसिटी, बंदलागुडा जागीर शामिल रहे। आरोपियों में 23 लाख रुपए नकद, लैपटॉप, पेन ड्राइव, 3 मोबाइल फोन आदि बरामद हुआ है। बीते 17 जून को अब्दुल बारी रेहान निवासी , इमाम रेजीडेंसी एसी गार्ड, शांतिनगर, अघापुरा, हैदराबाद से शिकायत मिली कि, हिसा उद्देश्य के लिए बकरीद त्योहार के मद्देनजर, उन्होंने न्यू मल्लेपल्ली, अनवर-उल-उलूम कॉलेज के पीछे, गेट नंबर 2, प्राइम फंक्शन हॉल के सामने स्थित खिदमत फाउंडेशन से परामर्श किया था। फाउंडेशन का संचालन निसार अहमद नामक व्यक्ति द्वारा किया जाता है, जो संस्थापक है और उसने हिसा के लिए धन एकत्र करने के लिए जुड़वां शहरों में विभिन्न स्थानों पर

काउंटर स्थापित किए हैं। फाउंडेशन ने त्यौहार के दिन हिसा वितरित करने का आश्वासन दिया। इस तरह उन्होंने नासर को 10 हिसा के लिए 28000 रुपये का भुगतान किया। त्यौहार के दिन, वह व्यक्ति उन्हें हिसा वितरित करने में विफल रहा, उन्होंने उसे फोन पर कॉल करने का प्रयास किया, लेकिन उससे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली और किसी भी कॉल का उत्तर नहीं दिया। उसके बारे में पूछताछ करने के लिए वह उस स्थान पर गया, जहां उसने पैसे दिए थे। वहां उसने पाया कि कई अन्य लोग अलग-अलग इलाकों से नासर के लिए आए थे, जिन्होंने ऑनलाइन भुगतान मोड जी पे और फोनपे और नकद के माध्यम से हिसा के लिए भुगतान किया था। उन्हें भी उनके हिसा प्राप्त नहीं हुए और नासर द्वारा धोखा दिया गया। वह 4 से 5 वर्षों से इस फाउंडेशन को चला रहा था, इसलिए उसने जनता के बीच विश्वास हासिल किया और 100 से अधिक सदस्यों से भारी मात्रा में राशि एकत्र की और हिसा देने में विफल रहा और फरार हो गया। तीनों आरोपियों ने वर्ष 2024 में खिदमत फाउंडेशन के नाम से एक फर्जी ऐप बनाया था, जिसमें उन्होंने बकरीद के त्योहार के समय ग्राहक को कुर्बानी (मांस) का हिस्सा देने का वादा करके भोली जनता से कुर्बानी (हिसा) के हिस्से के नाम पर भारी मात्रा में राशि एकत्र की है, जहां मुस्लिम समुदाय के लोग कुर्बानी के नाम पर जानवर की कुर्बानी देते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान तीनों ने बड़ी मात्रा में राशि एकत्र की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर ने टीम द्वारा किए गए अच्छे काम की सराहना की और उन्हें उचित रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

बोनालू त्योहार और मोहर्रम को लेकर सीपी ने की बैठक

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, हैदराबाद के. श्रीनिवास रेड्डी, ने आगामी बोनालू त्यौहार और मोहर्रम के संबंध में टीजीसी और सीसी, बंजारा हिल्स, हैदराबाद के मीडिया ब्रीफिंग हॉल में केंद्रीय शांति और कल्याण समिति के साथ बैठक की।

इस कार्यक्रम में, श्रीकिशन शर्मा, महासचिव, केंद्रीय शांति और कल्याण समिति, हाफिज मुजफ्फर हुसैन, मुख्य संरक्षक और सभी क्षेत्रीय अध्यक्ष, विक्रम सिंह मान, एडिशनल सीपी, कानून और व्यवस्था, हैदराबाद शहर और समिति के अध्यक्ष, पी. विश्व प्रसाद, एडिशनल सीपी, यातायात, हैदराबाद शहर, वी. सत्यनारायण, एडिशनल सीपी, मुख्यालय और प्रशिक्षण, हैदराबाद शहर, डीसीएसपी और सात क्षेत्रों के एडिशनल डीसीएसपी ने भाग लिया। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त ने पिछले कई दशकों से केंद्रीय शांति एवं कल्याण समिति द्वारा की जा रही प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत की सराहना की और हैदराबाद के शांतिपूर्ण माहौल को बनाए रखने के लिए इसी तरह के निरंतर सहयोग का अनुरोध किया, जिसकी दुनिया भर में सराहना की जाती है।

उन्होंने समिति के सदस्यों से पुलिस अधिकारियों के साथ अधिक लगातार बातचीत करने और विभिन्न समस्याओं और असामाजिक तत्वों से संबंधित जानकारी साझा करने का अनुरोध किया। श्रीकिशन शर्मा ने पुलिस विभाग को पूर्ण समर्थन और दिन-रात उनकी तत्परता व्यक्त की। इस अवसर पर हैदराबाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय शांति एवं कल्याण समिति के लगभग 50 पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया।

ब्रीथ एनालाइजर लेकर भागने वाला आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बोवेनपल्ली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जिसने शराब पीकर गाड़ी चलाने की जांच कर रहे ट्रैफिक पुलिस से शराब के नशे में गाड़ी चलाने की मशीन छीन ली थी। पुलिस ने शराब के नशे में गाड़ी चलाने की मशीन और एक कार बरामद की है, जिसका इस्तेमाल अपराध करने में किया गया था। गिरफ्तार आरोपी कोत्तापल्ली श्रवण कुमार उर्फ सनी निवासी तारका कॉलोनी, एनएमसी-रामपल्ली, घटकेसर रोड, हैदराबाद का रहने वाला है। वह मूल रूप से रामागुंडम, करीम नगर, तेलंगाना का रहने वाला है। पुलिस उप आयुक्त, उत्तरी क्षेत्र, हैदराबाद सुश्री एस रश्मि पेरुमल ने बताया कि बीते 27 जून को

बोवेनपल्ली ट्रैफिक पुलिस वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार पुल्ला रेड्डी बिल्डिंग, ट्रैफिक प्वाइंट, न्यू बोवेनपल्ली में ड्रंक एंड ड्राइव चेकिंग कर रही थी। जब ट्रैफिक पुलिस ने लगभग रात 12.50 बजे एक स्विफ्ट डिजायर कार को रोका और जब वाहन के चालक कोतपल्ली श्रवण कुमार उर्फ सनी पर बीएएस की जांच की जा रही थी, तो अचानक उसने ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारी को धक्का दिया और जबरन ब्रीथ एनालाइजर छीन लिया और अपनी कार को लेकर भाग गया। इस मामले में पुलिस स्टेशन बोवेनपल्ली में धारा 353, 356, 379 आईपीसी के तहत सीआर नंबर 409/2024 में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा कि लोगों को सलाह दी जाती है कि वे नशे में गाड़ी चलाने वालों की जांच और सभी के लिए सुरक्षित समाज सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए अन्य ऐसे कदमों के दौरान पुलिस अधिकारियों के साथ सहयोग करें।

विनोद के. जैकब, बहरीन में भारत के राजदूत तथा उनकी पत्नी नामज्ञा सी. खम्पा, (आईएफएस-2000), केन्या में भारत की उच्चायुक्त, ने आज सचिवालय में मुख्य सचिव शांति कुमारी से मुलाकात की।

सार्वजनिक सेवा के लिए कोई सेवानिवृत्ति नहीं होगी: हरीश राव

मेदक, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक जीवन में पद से सेवानिवृत्ति होने की बात कहते हुए पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक हरीश राव ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सेवा के लिए कोई सेवानिवृत्ति नहीं होगी।

उन्होंने सुझाव दिया कि एक नेता को हमेशा लोगों के बीच रहना चाहिए।दुब्बाका विधायक कोठा प्रभाकर रेड्डी ने दुब्बाका निर्वाचन क्षेत्र में बीआरएस पार्टी के एमपीपी, एमपीटीसी और जेडपीटीसी के लिए एक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया। हरीश राव ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर हरीश राव ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि विधायक प्रभाकर रेड्डी ने स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों को ऐसे समय में सम्मानित किया है, जब पांच साल तक संबंधित मंडलों और गांवों के विकास के लिए कड़ी मेहनत करने वाले सभी प्रतिनिधि अपने पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं दुब्बाका के लोगों को विधानसभा चुनाव में भी अच्छा बहुमत मिलने पर हार्दिक बधाई देता हूं। पद से सेवानिवृत्ति होगी। लेकिन जनसेवा का त्याग नहीं है। यह मत सोचिए कि हमें कल से कोई लेना-देना नहीं है।'

हरीश राव ने उनसे मंडलों और गांवों के विकास के लिए काम करने का आग्रह किया। "आप में से कई सरपंच, एमपीटीसी और सहकारी अध्यक्ष बनेंगे। आपकी सेवाओं का पार्टी द्वारा उपयोग किया जाएगा।

सीपीआई ने दो तेलुगु राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक का स्वागत किया

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव कुणामनेनी संबाशिव राव ने आज शनिवार को हैदराबाद में दो तेलुगु राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक का स्वागत किया। एक बयान में, संबाशिव राव ने इच्छा व्यक्त की कि बैठक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के बीच मुद्दों के त्वरित समाधान की शुरुआत होनी चाहिए। उन्होंने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भद्राचलम के पांच गांवों को तेलंगाना को वापस करने के मुद्दे पर आम सहमति बनाकर एक अच्छा संकेत देने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया, "यह दुखद है कि राज्य पुनर्गठन के 10 साल बाद भी समस्याएं जारी हैं और यह केंद्र और पिछली राज्य सरकारों के रवैये के कारण है।"

"तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम दो तेलुगु राज्यों का मंदिर है, हालांकि यह भौतिक रूप से आंध्र प्रदेश में मौजूद है। भगवान वेंकटेश्वर दोनों राज्यों के देवता हैं।

कब्स और बुलबुल के लिए क्षेत्रीय स्तर पर बाल महोत्सव का उद्घाटन

दक्षिण मध्य रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा आयोजित

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे राज्य भारत स्काउट और गाइड द्वारा 3 से % जुलाई 2024 तक रेलवे मिक्स्ड हाई स्कूल, दक्षिण लालागुडा, सिकंदराबाद में दक्षिणी राज्यों के कब्स और बुलबुल के लिए क्षेत्रीय स्तर पर बाल महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आर. धनंजयलु, अध्यक्ष, दमरे भारत स्काउट एंड गाइड, अपर महाप्रबंधक, दमरे ने आज अर्थात 3 जुलाई, 2024 को शिविर का उद्घाटन किया।

लोकेश विश्नोई, अध्यक्ष, दमरे बीएस एवं जी, हैदराबाद जिला, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल; पी. किशोर बाबु, राज्य मुख्य आयुक्त, दमरे बीएस एवं जी, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, दमरे तथा वरिष्ठ स्काउट अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। बाल महोत्सव 5 से 10 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए आयोजित किया जाता है, लड़कों को कब्स और लड़कियों को बुलबुल कहा जाता है. दक्षिण मध्य रेलवे राज्य भारत स्काउट और गाइड पहली बार इस कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है. इससे पहले, दमरे ने वर्ष 2022 में सिकंदराबाद में क्षेत्रीय योग महोत्सव की मेजबानी तथा स्काउट और गाइड के लिए कई राज्य रैलियां आयोजित करने के अलावा वर्ष 1980 में सिकंदराबाद में पहला अखिल भारतीय रेलवे जम्बोरेट और वर्ष 2002 में हुबली में 10वां अखिल भारतीय रेलवे जम्बोरेट आयोजित किया था। आर. धनंजयलु ने कब्स, बुलबुल, कब्स मास्टरों, फ्लॉक के लीडरों और स्काउटिंग बिरादरी के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा लड़के और लड़कियां स्काउटिंग और गाइडिंग संगठन की नींव हैं. इस उम्र में, वे चित्रकारी और पेंटिंग, कहानी सुनाने, नाटक अभिनय जैसे अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करना सीखते हैं तथा उन्हें साहसिक कार्यक्रमों में भाग लेने का मौका मिलता है. उन्होंने कहा कि बाल महोत्सव जैसे आयोजनों से युवा बच्चों को समान आयु वर्ग और दूसरे राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले अलग-अलग संस्कृतियों और विरासत से जुड़े बच्चों के साथ शिविर में भाग लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर ऐसे आयोजन युवा बच्चों को चरित्रवान कुशल और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए तैयार करते हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान, कब्स और बुलबुल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया, प्रतिभागियों ने भव्य सलामी दी, अतिथियों ने कबूतर और गुब्बारे उड़ाए. बाद में कब्स और बुलबुल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया ।

क्षेत्रीय स्तर पर बाल महोत्सव

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। इन पांच दिनों के आयोजन में तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दक्षिण रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे के लगभग 200 कब्स और बुलबुल सहित कब्स मास्टर और फ्लॉक लीडर भाग ले रहे हैं. इस आयोजन का थीम है - हमारे भविष्य के लिए प्रकृति को बचाएँ. कुछ गतिविधियाँ इस थीम पर आधारित हैं. शिविर में रहने से वे अनुकूलनशीलता और अपने माता-पिता से दूर नए लोगों के साथ रहना सीखते हैं. वे मित्रता करना सीखते हैं, स्वैच्छिक अनुशासन के साथ एक टीम में काम करने की क्षमता अर्जित करते हैं और समय का पालन करना सीखते हैं. उन्हें नेतृत्व कौशल विकसित करने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं

कब्स और बुलबुल सुबह 6 बजे उठते हैं और वयस्कों के नेतृत्व में 30 मिनट तक शारीरिक व्यायाम करते हैं. सुबह 9 बजे उनका दैनिक निरीक्षण होगा और उसके बाद ध्वजारोहण समारोह होगा. वे साहसिक खेलों, जंगल नृत्य, कहानी सुनाने, नाटक अभिनय, बेकार सामग्री का उपयोग करके हस्तशिल्प बनाने, समूह गायन, प्रश्नोत्तरी, सामाजिक सेवा, फूड प्लाजा, लोक नृत्य आदि गतिविधियों में भाग लेंगे. समापन के दिन, वे सर्वधर्म प्रार्थना में भाग लेंगे, जहाँ विभिन्न धर्मों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागी प्रार्थना करेंगे. यह गतिविधि उन्हें अपने धर्म का सम्मान करने के अलावा आध्यात्मिक विकास और धार्मिक सहिष्णुता

।। निमंत्रण ।। भावभरा आमंत्रण ।।

Scan For Location

बुरूजुगड्डा, पेद्दाशाहपुर तांडा शमशाबाद मंडल

सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौ सेवा केन्द्र

की पावन धरा पर

माँ सरस्वती वेटरनरी हॉस्पिटल

के मंगल उद्घाटन समारोह रविवार 7 जुलाई 2024 प्रात: 11.31 बजे

के पावन अवसर पर सभी गौप्रेमी, जीवदया प्रेमी, धर्म प्रेमी सज्जनों की सेवा मे सादर अर्ज व विनंती करते है पधारकर आशीर्वाद प्रदान करें ।

विनीत : कार्य समिति

सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास एवं गौ सेवा केन्द्र

Phone : 9989403635, 9985385399, 9948694084

नोट : चिकित्सालय की सुचारू व्यवस्था के लिये बनाई गई आजीवन सदस्यता रू. 5555/- के सदस्य बनकर अपना सहयोग प्रदान कीजिये । इस योजना के अंतर्गत ही सभी आजीवन सदस्यों के कूपन से लक्की ड्रा द्वारा जिस किसी आजीवन सदस्य का नाम लक्की ड्रा में निकाला जायेगा उन्हीं के करकमलों से इस भव्य हॉस्पिटल का उद्घाटन सम्पन्न कराया जायेगा । अलग-अलग क्षेत्रों में जहाँ आप (पूर्व सूचित) महानुभावों से यह आजीवन सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं वहीं पर आप सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास, गगन पहाड पर अमावस्या शुक्रवार दिनांक 5 जुलाई 2024 के दिन सम्पन्न होने वाले सायं 4 बजे ड्रा के 2 घंटे पूर्व भी प्राप्त कर सकते है ।

NAYKAR AGENCIES

CELL : 9440437618, 9912142260 , 9246522435, 9347211966, 9441210591, 9441422085

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.